kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❑ वर्ष-15 ❑ अंक-163 ❑ सोमवार, 13 जुलाई 2026 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

दिग्गज पार्श्वगायिका एस जानकी अम्मा का निधन संगीत और संस्कृति की दुनिया के लिए एक कभी न पूरी होने वाली क्षति है दुख की इस घड़ी में उनके परिवार, अनगिनत प्रशंसकों और पूरे संगीत जगत के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति। नरेंद्र मोदी

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में नागपुर घोषणापत्र अपनाया गया 11

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में किया मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन 12

संक्षेप

सहारा मामले में आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय 13 जुलाई को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के उस फैसले के एक हिस्से को चुनौती दी गई है, जिसमें सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) के प्रबंधकों और कंपनी सचिव को राहत दी गई है। सेबी की याचिका के अलावा, शीर्ष अदालत ने सहारा समूह से जुड़े सभी लंबित मामलों, जिनमें निवेशकों के धन की वापसी का मामला भी शामिल है, को भी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के खिलाफ मामला दर्ज

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एक महिला ने शिकायत की थी कि पश्चिम बंगाल में कुछ महीने पहले नेता द्वारा शुरू की गई हेल्थकेयर पहल 'सेवाश्रय' कैंप में घुटने के दर्द के इलाज के बाद उसे अपना पैर गंवाना पड़ा। डायमंड हार्बर के सांसद ने तृणमूल कांग्रेस की सरकार के दौरान दो जनवरी को इस पहल की शुरुआत की थी। 'सेवाश्रय' हेल्थ कैंप में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में उनके खिलाफ पहले ही दो एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। अपनी शिकायत में मालोती बिस्वास ने पुलिस को बताया कि वह कुछ महीने पहले घुटने के दर्द की शिकायत को लेकर हेल्थ कैंप में गई थीं और उन्हें कुछ दवाएं दी गई थीं। दवा खाने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद वह दूसरे 'सेवाश्रय' कैंप में गईं। महिला ने आरोप लगाया कि दूसरे कैंप में डॉक्टरों ने इलाज के लिए बड़ी रकम की मांग की और जब उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया तो उन्हें सरकारी अस्पताल भेज दिया।

सहायक बोरिंग तकनीशियन भर्ती परीक्षा में 22% अभ्यर्थी रहे नदारद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने रविवार को सहायक बोरिंग तकनीशियन तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण निदेशालय में शिक्षक संवर्ग के लिए भर्ती की परीक्षा कराई। सहायक बोरिंग तकनीशियन परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक लखनऊ, वाराणसी व गाजियाबाद में 57 केंद्रों पर हुई। इसमें 25979 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 20254 (77.96%) ने परीक्षा दी और 5725 (22.04%) ने छोड़ी। परीक्षा के लिए 114 सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट व 1097 कर्मियों को लगाया गया था। परीक्षा केंद्रों पर 2164 सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी गई। परीक्षा में चार नकलची पकड़े गए। लखनऊ में मानक नगर रेलवे इंटर कालेज, वाराणसी में अग्रसेन कन्या इंटर कालेज, मुस्लिम इंटर कालेज तथा हरिश्चंद्र बालिका इंटर कालेज स्थित परीक्षा केंद्रों में अलग-अलग चार अभ्यर्थी इलेक्ट्रानिक/ब्लूटूथ डिवाइस के साथ पकड़े गए।

धरती की सेहत का ख्याल नहीं रख रहा इंसान : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' महा अभियान की शुरुआत की और धरती की सेहत पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने वाला इंसान पृथ्वी की सेहत का ख्याल नहीं रख रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हर इंसान और हर जीव के लिए मां सबसे सुंदर उपहार होती है। यह उपहार हम सबके लिए धरती मां के रूप में भी मौजूद है। हम अपनी सेहत को लेकर चिंतित रहते हैं और समय-समय पर डॉक्टर के पास जाते हैं, लेकिन हम उस धरती मां के उपचार के लिए कोई प्रबंध नहीं करते जिस पर हम सब निर्भर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2017 में सत्ता में आने के बाद भाजपा सरकार ने राज्य में 'हैलोजन लाइट' हटाने का अभियान शुरू किया और 'एलईडी स्ट्रीट लाइटें' लगायीं। आदित्यनाथ ने कहा, ''इस कदम से उत्तर प्रदेश सरकार 100 करोड़ रुपये बचाने में कामयाब रही। हैलोजन लाइट से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में काफी कमी आई है। अब शहर में पुरानी हैलोजन लाइटों की जगह आकर्षक एलईडी स्ट्रीट लाइटें रोशनी बिखेरती दिखती हैं। यह अक्षय ऊर्जा की दिशा में एक कोशिश थी। उन्होंने कहा कि 'पीएम सूर्य घर : मुफ़्त बिजली योजना' के तहत 'सोलर पैनल' दिए जा रहे हैं, जिनसे बिजली का बिल लगभग आधा हो गया है

और हरित ऊर्जा का एक नया स्रोत भी मिल रहा है। आदित्यनाथ ने कहा, ''अयोध्या राज्य का पहला सौर शहर बन गया है। वहां सड़कें और सरकारी इमारतें पूरी तरह से उसी सौर शहर में बनी बिजली से प्रकाशित होती हैं। प्रकृति के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिये। उन्होंने कहा कि यह पहल इसलिए शुरू की गयी ताकि घरों में हरित ईंधन का इस्तेमाल हो, जिससे माताओं और बहनों को धुएं से बचाया जा सके, उनकी आंखों की रोशनी सुरक्षित रहे और उन्हें सांस की बीमारियों से बचाया जा सके। आदित्यनाथ ने कहा कि इस योजना से अकेले उत्तर प्रदेश में ही दो करोड़ परिवारों को इसका फायदा मिला है।

योगी बोले

- ❑ भौतिक विकास की रफ्तार के साथ यूपी में वनाच्छादन का भी विस्तार
- ❑ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर भगवानपुर टोल प्लाजा के समीप लगाया पवित्र त्रिवेणी (नीम, पीपल, बरगद) का पौधा, ली सेल्फी
- ❑ आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे भी मुख्यमंत्री ने किया पौधरोपण, लगाया मौलश्री का पौधा

श्री योगी इसके बाद पौधरोपण महायज्ञ के उपलक्ष्य में गीडा सेक्टर 28 में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विगत नौ वर्षों में प्रदेश में भौतिक विकास की रफ्तार तेज होने के साथ ही वनाच्छादन का भी विस्तार हुआ है। पौधरोपण महायज्ञ का शुभारंभ करने के बाद गोरखनाथ मंदिर वापस लौटते समय योगी ने गोरखपुर के आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे भी पौधरोपण किया। यहां उन्होंने मौलश्री का पौधा लगाया। उन्होंने गीडा के सेक्टर 28 में हुए पौधरोपण महायज्ञ कार्यक्रम में कहा कि वर्ष 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी वृद्धि हुई है। ● शेष पेज 11 पर

'जेल जाने पर पीएम-सीएम बर्खास्त नहीं, निलंबित हों'

संसदीय समिति की सिफारिश

एजेंसी

नयी दिल्ली। विपक्षी दलों की चिंताओं के बीच संसद की एक समिति ने सिफारिश की है कि अगर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराधों के आरोप में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है, तो उन्हें उनके पदों से हटाने के बजाय निलंबित किया जाना चाहिए।

समिति ने एक ऐसी व्यवस्था का भी प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत अगर ऐसे लोगों को बरी कर दिया जाता है या मुकदमे की कार्यवाही निर्धारित समय के भीतर आगे नहीं बढ़ती है, तो निलंबन स्वतः खत्म हो जाएगा। एक सौ तीसवें संविधान संशोधन विधेयक की समीक्षा कर रही संसद की संयुक्त समिति ने दो खास और तीन सामान्य सिफारिशें कीं। पिछले साल अगस्त में पेश किए गए इस विधेयक में यह प्रावधान है कि अगर प्रधानमंत्री, मंत्री या मुख्यमंत्री हिरासत में रहने के 31वें दिन तक खुद इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उन्हें स्वतः पद से हटा दिया जाएगा। विपक्ष ने इस विधेयक को विरोधी दलों की सरकारों को अस्थिर करने का एक जरिया बताया था। विपक्ष के अधिकतर दलों ने विधेयक की समीक्षा करने वाली संयुक्त समिति से दूरी बना ली थी। इस रिपोर्ट के इस सप्ताह स्वीकृत किए जाने की संभावना है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में प्रस्ताव दिया है कि 'पद से हटाना' शब्द को 'निलंबन' से प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात 'जिन मंत्रियों पर विशिष्ट आपराधिक आरोप हैं, उन्हें कानूनी कार्यवाही के परिणाम आने तक स्थायी रूप से पद से हटाने के बजाय निलंबित किया जाना चाहिए'। इसमें 'गंभीर अपराधों' को भी परिभाषित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि इस शब्द का तात्पर्य उन अपराधों से होना चाहिए, जिनके लिए पांच वर्ष या उससे अधिक के कारावास की सजा हो सकती है। निलंबन के स्वतः समाप्त होने का एक प्रावधान प्रस्तावित करते हुए इसमें कहा गया है कि यदि मंत्री बरी हो जाते हैं या मुकदमे की कार्यवाही निर्धारित समय के भीतर आगे नहीं बढ़ती है, तो निलंबन स्वतः समाप्त हो जाना चाहिए। संसदीय समिति ने कहा कि यह सुरक्षा उपाय दोबारा नियुक्ति सुनिश्चित करता है और यह भी ध्यान रखता है कि जिन लोगों को अदालतें दोषी नहीं पातीं, उनका निलंबन स्थायी न होने पाए। संयुक्त समिति ने यह भी सुझाव दिया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों से जुड़े मामलों की सुनवाई त्वरित या विशेष अदालतों में ● शेष पेज 11 पर

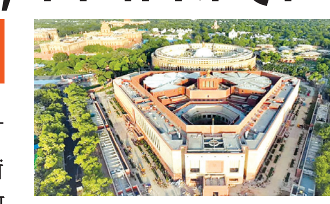

गंभीर अपराधों की परिभाषा

समिति ने 'गंभीर आपराधिक अपराधों को भी परिभाषित किया है। इसके अनुसार, इस शब्द का तात्पर्य ऐसे अपराधों से होना चाहिए, जिनमें पांच साल या उससे अधिक अवधि की जेल की सजा का प्रावधान है।

राम मंदिर श्रद्धालुओं की संख्या में कोई कमी नहीं : नृपेन्द्र मिश्र

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने कहा कि रामभक्त आस्था के साथ दर्शन पूजन कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की संख्या में कोई कमी नहीं है।

श्री मिश्र ने रविवार को दो दिवसीय राममंदिर निर्माण समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए एक सवाल के उत्तर में कहा कि राममंदिर करोड़ों रामभक्तों की आस्था के केंद्र है। रामभक्त आस्था के साथ प्रभु श्रीराम की पूजा कर रहे हैं। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के तीसरे दिन उन्होंने दो दिवसीय बैठक की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि बैठक दो चरणों में संपन्न हुई और राम कथा संग्रहालय निर्माण की कई महत्वपूर्ण बातें अंतिम रूप से तय कर दी गई हैं। राम कथा संग्रहालय की सभी गैलरियों की स्क्रिप्ट फाइनल कर दी गई है तथा श्रद्धालुओं/विजिटर्स को मिलने वाली

सुविधाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। संग्रहालय में भगवान श्रीराम के वन गमन से जुड़ी देश की प्रमुख नदियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी शुरुआत सरयू नदी से होगी और समापन गुप्तार घाट पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि राम कथा संग्रहालय के निर्माण पर लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान बताया गया। राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष मिश्र ने बताया कि राम मंदिर निर्माण की कुल लागत 1600 से ● शेष पेज 11 पर

केंद्र सरकार ने मॉनसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में सरकार अपना विधायी एजेंडा बताएगी, जबकि विपक्षी दल उन मुद्दों को रखेंगे जिन्हें वे सत्र के दौरान उठाना चाहते हैं। सूत्रों ने बताया कि 20 जुलाई से 13 अगस्त तक प्रस्तावित मॉनसून सत्र के लिए सरकार के पास विधायी कार्यों का बड़ा एजेंडा है। सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर पर चर्चा होने की उम्मीद है। सत्र के हंगामेदार होने की भी आशंका बनी हुई है, क्योंकि हाल में कुछ प्रमुख विपक्षी दलों में भारी उथल-पुथल रही है। विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में विलय कर लिया है। उन्होंने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की है। वहीं, पार्टी के तीन सांसद राज्यसभा से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए हैं। दूसरी ओर, शिवसेना (यूबीटी) के भी छह लोकसभा सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ● शेष पेज 11 पर

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे पर कल सुबह आठ बजे से दौड़ेंगे वाहन

लखनऊ के सांसद व रक्षामंत्री आज करेंगे लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बहुप्रतीक्षित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे (एई-6) पर 120 की स्पीड से वाहन दौड़ाने का इंतजार खत्म होने वाला है। सोमवार को इसका लोकार्पण कर दिया जाएगा। अगले दिन यानी मंगलवार की सुबह आठ बजे से एक्सप्रेस वे को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। आधुनिक तरीके से तैयार इस एक्सप्रेस वे पर छोटे चार पहिया वाहनों की अधिकतम स्पीड 120 तो भारी वाहनों की स्पीड 80 किमी प्रति घंटे निर्धारित की गई है।

हाईवे के मुकाबले महंगा होगा सफर-

लखनऊ-कानपुर हाईवे के मुकाबले लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे पर सफर महंगा होगा। मंगलवार सुबह आठ बजे से वाहनों के लिए खुलने के साथ ही इस पर टोल टैक्स वसूला जाने लगेगा। हाईवे पर एक तरफ का कार, जीप, एसयूवी से जहां 95 रुपये लिए जाएंगे वहीं एक्सप्रेस वे पर यह 275 रुपये होगा। एक्सप्रेस वे पर सफर लखनऊ में दरोगाखेड़ा से शुरू किया जा सकता है जो कानपुर के आजाद चौक तक होगा। सोमवार को एक्सप्रेस वे का लोकार्पण लखनऊ के सांसद व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ करेंगे।

टू और थ्री व्हीलर प्रतिबंधित

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे टू-व्हीलर, थ्री-व्हीलर और दोपहिया वाहन प्रतिबंधित हैं। सिर्फ चार पहिया और भारी वाहन ही इस पर जा सकते हैं। पुराने नेशनल हाईवे-25 पर लखनऊ से कानपुर जाने में 2.5 से 03 घंटे लगते थे। एनई-6 पर यह सफर अब 35 से 45 मिनट में पूरा होगा।

एक तरफ का टोल रेट

कार, जीप, एसयूवी:	275
लाइट कमर्शियल व्हीकल:	445
बस और ट्रक:	935
भारी वाहन :	1020

24 घंटे में वापसी का रेट

कार, जीप, एसयूवी:	415
लाइट कमर्शियल व्हीकल:	670
बस और ट्रक:	1405
भारी वाहन :	1530

अन्य पास

मासिक पास: 50 सिंगल ट्रिप के लिए कार का 9220

वार्षिक पास: 3075 में 1 साल में 100 राउंड ट्रिप / 200 बार टोल क्रॉसिंग। वार्षिक फास्टैग पास वाले को प्रति ट्रिप करीब 15 रुपये लगेगा।

न्यायालय की भव्यता नहीं, न्याय तक आसान पहुंच अधिक महत्वपूर्ण : सूर्यकांत

एजेंसी

गुरुग्राम। देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायालयों का वास्तविक महत्व उनकी भव्यता में नहीं, बल्कि इस बात में है कि वे नागरिक और न्याय के बीच की दूरी को कितना कम करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम का 'टॉवर ऑफ जस्टिस' इसी सोच का प्रतीक है और इससे न्यायिक क्षमता बढ़ने के साथ लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी।

रविवार को न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने गुरुग्राम में टॉवर ऑफ जस्टिस का उद्घाटन किया तथा वर्चुअल माध्यम से नूंह जिले के तावडू और पुन्हाना में नए न्यायिक परिसरों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा सहित कई न्यायाधीश एवं गणमान्य उपस्थित रहे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यायिक परिसरों का निर्माण हरियाणा सरकार की संवेदनशीलता और न्यायिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त न्यायालयों के निर्माण से ● शेष पेज 11 पर

❑ मुख्य न्यायाधीश ने मुख्यमंत्री के साथ गुरुग्राम में किया टॉवर ऑफ जस्टिस का लोकार्पण

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर संघर्ष तेज, अमेरिका-ईरान के बीच ताजा हमले

अमेरिका ने ईरान के 140 सैन्य ठिकानों पर किया हमला

एजेंसी

वाशिंगटन। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है। दोनों देशों ने रविवार को एक-दूसरे पर नये सिरे से हमले किये।

अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले करने का दावा किया, जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की। यह ताजा सैन्य टकराव पिछले महीने घोषित युद्धविराम के टूटने के बाद अब तक की सबसे तीव्र कार्रवाई माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया था कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर फिर से हमले शुरू कर दिये हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के करीब 140 सैन्य ठिकानों पर हमले किये। इस सप्ताह यह तीसरा बड़ा

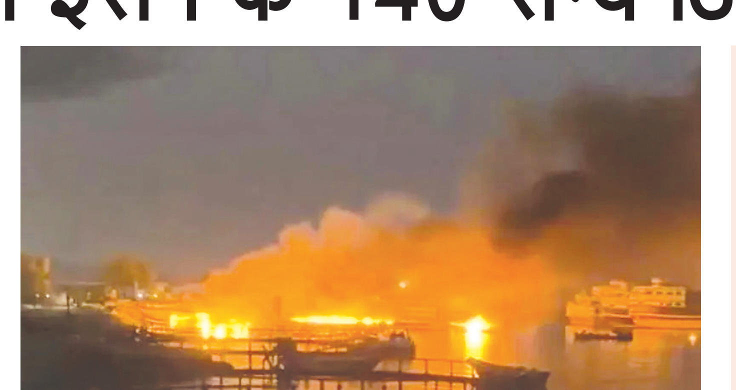

सैन्य अभियान है और तीन रातों में 300 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया जा चुका है। सेंटकॉम के अनुसार, हमलों में मिसाइल एवं ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक क्षमताओं, गोला-बारूद भंडार, संचार नेटवर्क तथा तटीय निगरानी केंद्रों को निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने कहा कि यह कार्रवाई साइप्रस के ध्वज वाले कंटेनर पोत एम/वी जीएफएस गैलेक्सी पर ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) द्वारा किये गये हमले के बाद की गयी। अमेरिकी सेना के अनुसार जहाज के इंजन कक्ष को भारी नुकसान पहुंचा और चालक दल का एक सदस्य लापता है। सेंटकॉम ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग से वाणिज्यिक जहाजों का आवागमन जारी है।

उधर, यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि आग लगने के बाद चालक दल ने जहाज छोड़ दिया और लाइफबोट के जरिए निकलने के बाद स्थानीय अधिकारियों ने उन्हें सुरक्षित बचा लिया। ईरान ने अमेरिकी दावों को ● शेष पेज 11 पर

ओमान तट पर भारतीय क्रू वाले पोत पर हमला, एक लापता

❑ विदेश मंत्रालय ने चिंता प्रकट की, तुरंत हमले रोकने की मांग

नई दिल्ली। भारत ने ओमान तट पर एक वाणिज्यिक पोत पर हुए हमले की निंदा की है। इस पोत के चालक दल के सदस्य में 11 भारतीय नागरिक थे, जिनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, लेकिन एक लापता है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि हम रविवार की सुबह ओमान के तट पर वाणिज्यिक पोत 'जीएफएस गैलेक्सी' पर हुए हमले की निंदा करते हैं। पोत पर सवार 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को अब तक बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक लापता बताया जा रहा है। ओमान में हमारा दूतावास स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और तलाशी अभियान में ओमानी अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। भारत ने मदद के लिए ओमान का आभार भी व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस क्षेत्र में वाणिज्यिक पोतों पर लगातार हमलों की घटनाएं बहुत चिंताजनक हैं। हम तनाव को तुरंत कम करने और कूटनीतिक समाधान के लिए चल रही बातचीत को पूरा करने की अपनी मांग दोहराते हैं ताकि इस इलाके में शांति और स्थिरता लौट सके। भारत ने कहा कि इस इलाके में वाणिज्यिक पोतों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाना तत्काल बंद होना चाहिए। साथ ही अंतरराष्ट्रीय जल मार्गों पर वैश्विक नियमों के तहत बिना रुकावट नौवहन बहाल किया जाना चाहिए। करीब 3.50 लाख भारतीय वाणिज्यिक पोतों में कार्यरत हैं, जिनमें से हजारों की संख्या में पश्चिम एशिया में तैनात हैं। इनमें भारतीय पोतों के अलावा विदेशी पोत भी शामिल हैं। जब से पश्चिम एशिया में संघर्ष हुआ है कई हमलों में भारतीय नागरिकों की मौत भी हो चुकी हैं तथा भारत इस मुद्दे को लगातार अमेरिका के समक्ष उठा रहा है। उसने पूर्व में प्रभारी राजदूत को तलब भी किया था।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सरोजिनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने वृंदावन योजना स्थित एसकेडी एकेडमी में आयोजित वर्ष 2026 की बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए परिश्रम, अनुशासन और उत्कृष्टता को सफलता का मूल मंत्र बताया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह ने परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण, दोनों ही राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण आधार हैं। विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान शिक्षा में उत्कृष्टता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिभाशाली विद्यार्थी ही भविष्य में देश और समाज का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर कक्षा 12 के मेधावी विद्यार्थियों सुभान अली (95.00 प्रतिशत), सुहानी शाक्य (98.25 प्रतिशत), निष्कर्ष त्रिपाठी (98.00 प्रतिशत), अनामिका (96.80 प्रतिशत), मुदित सिंह (96.80 प्रतिशत), उन्नति तिवारी (95.80 प्रतिशत) तथा मो. मुब्दसिर (93.20 प्रतिशत) को सम्मानित किया गया। कक्षा 10 के मेधावी विद्यार्थियों सूर्यांश अवस्थी (99.20 प्रतिशत), यथार्थ कुशवाहा (98.60 प्रतिशत), विनायक मिश्रा (97.80 प्रतिशत), रोहन यादव (97.00 प्रतिशत) तथा गौरव सिंह (91.33 प्रतिशत) को भी सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में एसकेडी एकेडमी के चेयरमैन एस.के.डी. सिंह, डायरेक्टर मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर निशा सिंह, क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. आशीष सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह के अंत में डॉ. राजेश्वर सिंह ने विद्यार्थियों से शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए विकसित, हरित और समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया।

रोहित मिश्रा ने संभाली भाजयुमो की कमान, बोले प्रचंड विजय सुनिश्चित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने रविवार को प्रदेश कार्यालय में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वह 1090 चौराहे से पार्टी मुख्यालय तक हजारों युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं और युवाओं के साथ भव्य जुलूस के रूप में पहुंचे। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए युवा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने सपा व कांग्रेस पर बयान देते हुए कहा कि वे जातिवाद से तोड़ेंगे-हम राष्ट्रवाद से जोड़ेंगे। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वे जाति का गणित लेकर आएंगे, लेकिन हम विकास का हिसाब लेकर जनता के बीच जाएंगे। वे जातिवाद के नाम पर समाज को बांटने का काम करेंगे, जबकि भाजपा राष्ट्रवाद के सूत्र में समाज को जोड़ने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ मैदान में उतरेगा तथा भाजपा की प्रचंड विजय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं को आगे आकर जन-जन तक सरकार की उपलब्धियां पहुंचानी होंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बेटियां सुरक्षित हैं, अपराधियों पर कठोर कार्रवाई हो रही है तथा युवाओं को बिना भेदभाव योग्यता के आधार पर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने सभी युवा कार्यकर्ताओं से 2027 के चुनाव की तैयारी में अभी से जुटने का आह्वान किया। युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा ने हमेशा राष्ट्रहित और संगठन हित को सर्वोपरि रखा है।

गुडंबा में जनता के बीच पहुंचे विजय सड़क-पानी-बिजली की सुनी समस्याएं

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं बीकेटी विधानसभा से प्रबल दावेदार विजय सिंह यादव ने रविवार को गुडंबा गांव और आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं।

इस दौरान उन्होंने अर्जुन एन्क्लेव सहित विभिन्न इलाकों में सड़क, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों से इनके शीघ्र समाधान की मांग की। विजय सिंह यादव ने कहा कि गुडंबा और आसपास के क्षेत्रों के लोग लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं की समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और उनके समाधान के लिए संघर्ष करेगी। दौरे के दौरान उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि चिकित्सा, शिक्षा, कानून-व्यवस्था और

आधारभूत सुविधाओं की स्थिति चिंताजनक है तथा जनता इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर रही है। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए विजय सिंह यादव ने आरोप लगाया कि विकास कार्यों के रखरखाव और प्रबंधन में कमी के कारण आम लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने एक्सप्रेसवे, ग्रीन कॉरिडोर और लखनऊ की यातायात व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि इन व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता विकास और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देगी तथा समाजवादी पार्टी के पक्ष में जनादेश देगी।

पंकज चौधरी और धर्मपाल सिंह ने पौधरोपण किया

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने रविवार को राजधानी लखनऊ में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, समरस वन, लखनऊ में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 5,500 पौधों के वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने लखनऊ के कुकरैल वन में आयोजित पौधारोपण महायज्ञ 2026 के अंतर्गत पीपल, पाकड़ एवं बरगद (शंकरी) के पौधों का रोपण किया। भाजपा के प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मंडल, शक्तिकेन्द्र, बूथ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर पौधारोपण कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। पंकज चौधरी ने कहा कि पौधरोपण करना और उनका संरक्षण करना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज में रहने वाले हर नागरिक का परम कर्तव्य और आवश्यकता है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों की सांसद और मंडल रेल प्रबंधक ने की समीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी/देवरिया। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने औड़िहार-भटनी रेलखंड के निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान देवरिया के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी के साथ देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर निर्माणाधीन विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया गया। सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने अधिकारियों से कार्ययोजना, निर्माण की वर्तमान स्थिति तथा परियोजना की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप, तय समय-सीमा के भीतर तथा उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूरे किए जाएं, ताकि यात्रियों को जल्द आधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा

सकें। निरीक्षण के दौरान स्टेशन भवन, यात्री सुविधाओं, परिसंचरण क्षेत्र तथा अन्य निर्माणाधीन आधारभूत ढांचे का भी अवलोकन किया गया।

अधिकारियों ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सुरक्षा और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) अशोक कुमार, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (तृतीय) आयुष कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रशस्ति श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक बलेन्द्र पाल, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) कुंवर सिंह यादव, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर (द्वितीय) अमित मणि त्रिपाठी, मंडल संरक्षा अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, उप मुख्य इंजीनियर (गतिशक्ति) शशांक पांडेय सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, पर्यवेक्षक और रेलवे कर्मचारी मौजूद रहे।

विधायकने किया वृक्षारोपण महायज्ञ का शुभारंभ

कोरांव, प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। रविवार को कोरांव रेंज के अंतर्गत बसहरा वन ब्लॉक भाग-1 के 15 हेक्टेयर क्षेत्र में वर्ष 2026 के वृक्षारोपण महायज्ञ की शुरुआत की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक राजमणि कोल ने किया। इस दौरान उन्होंने पीपल, बरगद, नीम आदि के पौधे लगाए। क्षेत्रीय विधायक के अलावा संतरा देवी, बबुआन द्विवेदी, संजय सिंह समेत अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। वन विभाग के अधिकारियों ने पौधारोपण के लक्ष्य और देखभाल के बारे में जानकारी दी। वहीं तहसील परिसर कोरांव में भी ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने पौधारोपण किया। इस मौके पर वन क्षेत्राधिकारी पी.के. सिंह, डिप्टी रेंजर मथुरा यादव, वन दरोगा प्रभाकांत तिवारी, आशीष सिंह, वन रक्षक जगपती कुशवाहा, गुलजार अहमद समेत वन विभाग का समस्त स्टाफ मौजूद था।

उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन ने प्रदेश भर में लगाए पौधे

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन ने रविवार को प्रदेश भर में पौधा रोपण किया।प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वन मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना के आवाहन पर वृक्षारोपण महायज्ञ अभियान के अंतर्गत प्रदेश के हर जिले में टिम्बर व्यापारियों द्वारा आंवला, अशोक, अमरूद, सीताफल, नीम, जामुन, पीपल, बरगद सहित तमाम पौधे ''एक पेड़ मां के नाम'' लगाए गए। वही विधिक सलाहकार आशीष त्रिवेदी ने बताया कि इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन के प्रांतीय कार्यालय के पास राजेंद्र नगर पार्क में बड़ी संख्या में ऐशबाग के टिम्बर व्यापारियों ने पौधा रोपण कर प्रदेश को हराभरा बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान मुख्यरूप से प्रदेश महासचिव अख्तर खान, चित्रकूट से आए महंत वरुण अवस्थी, मीडिया प्रभारी दिवाकर प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष एजाज खान, विनोद शर्मा, सचिव वसीम अहमद, अनिल कुमार, अरविंद, विवेक पांडे, विशाल शर्मा, रूप कुमार,मुन्नू , नबी सहित दर्जनों टिम्बर मौजूद रहे।

नगर पंचायत कोरांव में वृहद वृक्षारोपण महाअभियान

कोरांव, प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आज नगर पंचायत कोरांव के गौतम तालाब परिसर में वृहद वृक्षारोपण महाअभियान के तहत ''एक पेड़ मां के नाम'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस महाअभियान में नगर के सम्मानित सभासदों, बूथ अध्यक्षों, पार्टी पदाधिकारियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और उत्साहपूर्वक पौधरोपण किया। इस अवसर पर चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी ने कहा कि यह केवल एक पौधा नहीं, बल्कि प्रकृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से अपील की कि इस मानसून में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल का संकल्प लें। इस दौरान सभासद राजकुमार केशरी, धर्मराज पटेल, निशांत केशरी, सचिन केसरी, वरिष्ठ नेता रामकृष्ण केशरी, प्रमोद शुक्ला, लवकुश तिवारी, बूथ अध्यक्ष सुनील केशरी, कृष्ण मुरारी मिश्रा, नागेंद्र मौर्या, श्याम बाबू केशरी, दयाशंकर मौर्या, अरूण जयसवाल व अन्य लोग उपस्थित रहे।

महानिदेशक और सीएमओ ने रोपे पौधे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.बी. सिंह ने नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छितवापुर एवं हेल्थ पोस्ट औरंगाबाद में पीपल और पाकर के पौधे लगाकर अभियान का शुभारंभ किया।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण ने कहा कि उपमुख्यमंत्री के आह्वान पर स्वास्थ्य विभाग पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर रहा है। प्रत्येक पौधा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु और बेहतर जनस्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.बी. सिंह ने बताया कि रविवार को जनपद के सभी शहरी एवं ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ निजी चिकित्सालयों में भी वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियों के

लगभग 18 हजार पौधे रोपे गए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पौधे लगाकर तथा उनका संरक्षण कर हम वायु प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी नागरिकों से पौधारोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल का भी संकल्प लेने का आह्वान किया, जिससे कि यह अभियान स्थायी रूप से सफल हो सके। इस अवसर पर नोडल वृक्षारोपण डॉ. किसलय बाजपेयी, अधीक्षक नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉ. शाही रजा, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैली गुप्ता, हेल्थ पोस्ट औरंगाबाद सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश सरकार के ''एक पेड़ माँ के नाम'' महाअभियान के अंतर्गत मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज, स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय एस.एन. चिल्ड्रेन हॉस्पिटल तथा एम.डी.आई. हॉस्पिटल परिसर में रविवार प्रातः व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न परिसरों में 1090 पौधे रोपे गए तथा सभी प्रतिभागियों ने उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) ए. के. वर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) मोहित जैन ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने का

सामाजिक दायित्व है। उन्होंने सभी से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आग्रह किया।

एम.डी.आई. हॉस्पिटल की वरिष्ठ प्रोफ़ेसर डॉ. क्षमा द्विवेदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक लगाए गए पौधे की नियमित देखभाल और संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान प्रकृति, मातृत्व और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी संवेदनशीलता का प्रतीक है तथा सभी को इसमें सक्रिय सहभागिता निभानी चाहिए। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय की प्रमुख अधीक्षक डॉ नीलम सिंह ने कहा कि बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के संस्कार विकसित करना समय की आवश्यकता है। ऐसे अभियान भावी पीढ़ी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर डॉ कमलेश सोनकर,डॉ. रीना, डॉ. अनिल सिंह, डॉ. दया राम, डॉ. मान सिंह, डॉ. अमृता चौरसिया, डॉ. बीनू, डॉ. खुर्शीद, डॉ. जितेन्द्र शुक्ला, डॉ. सूर्यभान, विभिन्न विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, रेजिडेंट चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प लिया।

उत्तर प्रदेश में विकसित की जाएंगी 'आयुष वाटिका' : आयुष मंत्री

वाराणसी।। उत्तर प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने रविवार को वाराणसी में एक बगीचे में नारियल का पौधा रोपित कर अपील किया कि वे भी अपनी मां के नाम पर एक पौधा अवश्य लगाएं। आयुष मंत्री ने बताया कि आयुर्वेद के सिद्धांत 'प्रकृत्या सह जीवितम्' अर्थात प्रकृति के साथ जीना है, को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश में 'आयुष वाटिका' विकसित की जाएंगी। आयुष वाटिका में तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय, नीम, अर्जुन और बेल जैसे औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। डॉ. दयाशंकर मिश्र ने कहा कि ''ये औषधीय पौधे न केवल पर्यावरण शुद्ध करेंगे, बल्कि लोगों को निःशुल्क आयुर्वेदिक उपचार भी उपलब्ध कराएंगे।'' उन्होंने आह्वान किया कि वे जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या पर्वों पर पौधारोपण को अपनी आदत बनाएं। स्वस्थ भारत के लिए स्वस्थ पर्यावरण अनिवार्य है।

पुलिस आयुक्त ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वाराणसी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने रविवार को ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत कैंप कार्यालय परिसर में पौधारोपण कर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, भूमि क्षरण और वैश्विक तापवृद्धि जैसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान वृक्षारोपण है। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल शुद्ध ऑक्सीजन और छाया ही नहीं देते, बल्कि तापमान को नियंत्रित रखने, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने, भू-जल संरक्षण, बाढ़ की रोकथाम तथा मिट्टी के कटाव को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभियान के तहत पुलिस लाइन सहित कमिश्नरेट के सभी पुलिस कार्यालयों, थानों, चौकियों तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया गया। पुलिस आयुक्त ने लगाए गए पौधों के संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए सभी पुलिसकर्मियों को उनकी नियमित देखभाल के निर्देश दिए। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे अपनी माता के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके संरक्षण का संकल्प लेकर पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को जनआंदोलन बनाएं।

राम मंदिर दान विवाद पर सिंधी समाज ने बनाई दूरी, कहा-दान का हिसाब मांगना परंपरा नहीं

अयोध्या। राम मंदिर को दिए गए दान को लेकर उठे विवाद के बीच सिंधी समाज दो गुटों में बंटता नजर आ रहा है। मुंबई के सिंधी समाज के नेता राजू मनवानी की ओर से राम मंदिर को दान में दी गई 200 चांदी की ईंटों पर सवाल उठाने के बाद अयोध्या के सिंधी समाज ने उनके बयान से सार्वजनिक रूप से दूरी बना ली है।

रामनगर स्थित मंदिर में रविवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान सिंधी समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि सिंधी समाज सेवा, समर्पण और सनातन परंपराओं में विश्वास रखता है। श्रद्धा से किए गए दान का हिसाब मांगना समाज की परंपरा नहीं है। वक्ताओं ने कहा कि सिंधी समाज स्वयं को प्रभु श्रीराम का वंशज और सनातन धर्म का समर्पित अनुयायी मानता है तथा राम मंदिर आंदोलन से लेकर मंदिर निर्माण तक समाज ने पूरी निष्ठा के साथ योगदान दिया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम महारानी पत्नी महादेव त्रुटिवश कुछ अभिलेखों में दर्ज हो गया था,जबकि मेरा सही और वास्तविक नाम सुशीला है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **प्रार्थीनी, सुशीला पत्नी महादेव, ग्राम मलौली जहांगीरवा, जनपद गोंडा, उत्तर प्रदेश।**

पकड़े गए नौ अपराधी, यूएसडीटी के जरिए चीनी साइबर ठगों को पहुंचाते ठगी की रकम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की क्राइम ब्रांच और मड़ियाव थाना पुलिस ने सयुंक्त कार्रवाई करते हुए रविवार को नौ साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 50 एटीएम कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, 53 हजार एक सौ रुपये नकद बरामद हुआ है। आरोपित साइबर ठगी की रकम को यूएसडीटी के जरिए चीनी साइबर ठगों को पहुंचाते थे। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम को 10 हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा की गयी है।

डीसीपी नार्थ गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि सीवाई ब्रज के अन्तर्गत एनसीआरपी-जेएमआईएस पोर्टल से कुछ म्यूल अकाउंट के सत्यापान के दौरान कुछ अकाउंट संदिग्ध लगे। पुलिस ने जांच शुरू की और तकनीकी विश्लेषण, बैंकिंग डाटा, डिजिटल सर्विलांस की मदद से केशवनगर मोड़ के पास खड़े मोहम्मद शाहरूख को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना बैंक खाता साइबर ठगी में उपयोग के लिए उपलब्ध कराना स्वीकार किया और अपने तथा अन्य साथियों के आईआईएम रोड स्थित होने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस कार्रवाई कर उसके गिरोह में शामिल आठ और आरोपितों को आईआईएम रोड सर्विस लेन के पास से गिरफ्तार कर लिया। इस तरह से कुल 09 लोगों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपितों ने अपना नाम जानकीपुरम निवासी महफूज खान के अलावा एलएलबी छात्र सैय्यद अबदुल्ला मो.बसर, मो. रुबान, नीट की तैयारी कर रहा शाबिर, सिकंदर, फरहान और तुफैल हैं। इनमें कुछ लड़के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं, लेकिन अपना ठिकाना इन्होंने लखनऊ में बनाया हुआ था। इनके पास से उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों से ज्ञात हुआ कि आरोपितों ने विभिन्न जनपदों के भोले-भाले एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को धन का लालच देकर उनके नाम से विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए जाते थे। इसके बाद उन खातों का विवरण उनके एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक, मोबाइल नंबर, इंटरनेट बैंकिंग आईडी, पासवर्ड एवं अन्य बैंकिंग विवरण अपने कब्जे में लेकर उन खातों को म्युचुअल अकाउंट के रूप में संचालित किया जाता था। इन बैंक खातों में देशभर में होने वाली साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि जमा कराई जाती थी। इसके पश्चात आरोपित विभिन्न एटीएम के माध्यम से नकद निकासी करते थे अथवा धनराशि को आगे ट्रांसफर कराते थे। साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि को म्युचुअल अकाउंट के जरिए उसे विभिन्न माध्यमों से क्रिप्टोकरेंसी (यूएसडीटी) में परिवर्तित किया जाता था। फिर चीनी साइबर अपराधियों के डिजिटल वॉलेट्स में ट्रांसफर करते थे। इन्हें इनका कमीशन मिलता था। टेलीग्राम और अन्य माध्यमों से साइबर ठग विदेशी साइबर अपराधियों के साथ हमेश संपर्क में रहते थे। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों ने बताया कि वे आजम एवं अब्दुल नाम के व्यक्तियों के माध्यम से इस नेटवर्क से जुड़े थे। इनके कहने पर अलग-अलग जिलों में बैंक खाते खुलवाए जाते थे तथा संबंधित खाताधारकों से एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं अन्य बैंकिंग दस्तावेज प्राप्त कर लिए जाते थे। साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि खातों में आने के बाद उसे निकालकर अथवा यूएसडीटी में परिवर्तित कर विदेशी साइबर अपराधियों तक पहुंचाया जाता था।

एक पेड़ माँ के नाम' अभियान बना जन आंदोलन

❐ छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व ग्रामीणों ने सैकड़ों पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम , लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से विकास खंड मोहनलालगंज के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर हरित, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया। प्राथमिक विद्यालय उदयपुर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार ने पौधारोपण कर किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाकर उसका संरक्षण करना चाहिए। इको क्लब के विद्यार्थियों ने पौधारोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल करने की शपथ ली। कार्यक्रम में ए.आर.पी. अदिति पाण्डेय, मनमोहन सरोज, श्रीमती विभा, शिक्षामित्र मीना राय, अनिल शुक्ला, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री, विद्यालय की रसोइया एवं समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय गुमानी खेड़ा में प्रधानाध्यापक अनिल कुमार वर्मा के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर वंदना, राम कुमारी, विशेश्वर, जग देई, बबली, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष नोखे लाल तथा विद्यार्थियों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

वहीं बेसिक विद्यालय करोरा में प्रधानाध्यापक बृजेश कुमार यादव के नेतृत्व में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने मिलकर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्षारोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाए गए पौधों का नियमित संरक्षण एवं संवर्धन भी सुनिश्चित किया जाए। विद्यालयों में चलाया जा रहा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी और सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

पत्नी ने मायके पक्ष को बुलाकर पति और सास पर कराया हमला

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पत्नी द्वारा बुलाए गए मायके पक्ष के लोगों पर युवक और उसकी मां के साथ मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के अनुसार कमता निवासी नीरज वर्मा ने बताया कि उनकी शादी पांच वर्ष पूर्व ठाकुरगंज निवासी प्रिया राजपूत से हुई थी। उनका एक पुत्र भी है। नीरज का आरोप है कि पत्नी के साथ लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था और वह अक्सर घर छोड़ने की धमकी देती थी। आरोप है कि रात करीब 9 बजे पत्नी ने अपने भाई संजू, रिश्तेदार रोकेश, जीजा दिलीप कुमार तथा तीन-चार अन्य लोगों को बुला लिया। सभी लोग घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए नीरज व उनकी मां के साथ लात-घूंसों और लोहे की रॉड से मारपीट करने लगे। पीड़ित का आरोप है कि हमलावर मकान पर कब्जा करने की बात कहते हुए जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे। घटना की सूचना नीरज ने डायल-112 पर दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने और आसपास के लोगों के एकत्र होने पर आरोपी वहां से फरार हो गए। मारपीट में नीरज और उनकी मां घायल हो गए। चिनहट पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

वरिष्ठ न्यायमूर्ति राजन रॉय समेत न्यायमूर्तिगण, अधिकारियों व अधिवक्ताओं ने रोपे चांदनी, कनेर, हरश्रृंगार के पौधे

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत शनिवार को गोमती नगर स्थित इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ परिसर में वृहद पौधरोपण जन-महाअभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में हाईकोर्ट लखनऊ खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायमूर्ति राजन रॉय एवं अन्य न्यायमूर्तिगण ने सहभागिता की। उनके साथ न्यायालय के वरिष्ठ निबंधक, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं अधिवक्तागण ने चांदनी, कनेर, गार्डे निया, हरश्रृंगार, एवं गुलाचीन इत्यादि पौधों की अलग-अलग प्रजातियों का रोपण किया। यह कार्यक्रम वन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाकर स्थायी स्मृति स्थापित करना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि हरित एवं समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा।

नगराम में पुलिस का मेगा सुरक्षा अभियान

नगराम, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से रविवार को नगराम थाना प्रभारी अंजनी कुमार सिंह के नेतृत्व में व्यापक पैदल गशत एवं सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने कस्बे के प्रमुख बाजारों, चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को रोककर जांच की गई और आवश्यक कार्रवाई के साथ लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक भी किया गया। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत हुआ, वहीं असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों में हड़कंप का माहौल देखने को मिला। थाना प्रभारी अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पूरी सख्ती के साथ लगातार जारी रहेगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि नगराम क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे।

देवर से पुनर्विवाह के बाद दहेज की मांग का आरोप, दो बेटियों संग विधवा को घर से निकाला; चार पर केस

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहां थाना क्षेत्र के टिकरा गांव में पुनर्विवाह के बाद एक विधवा महिला को दहेज के लिए प्रताड़ित कर उसकी दो मासूम बेटियों समेत घर से निकालने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति, सास, ननद और परिवार की एक अन्य महिला के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, धमकी सहित अन्य सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का आरोप है कि पहले पति की मृत्यु के बाद 20 अक्टूबर 2023 को परिवार की सहमति से उसका विवाह देवर अजीत कुमार से हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगा। आरोप है कि 9 जनवरी 2025 को मारपीट कर उसे दोनों बेटियों सहित घर से निकाल दिया गया। कई बार समझौते का प्रयास भी विफल रहा। थाना प्रभारी अरविंद कनौजिया ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पर्यावरण के लिए समर्पित है भाजपा सरकार : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर्यावरण के लिए समर्पित है। प्रदेश में व्यापक स्तर पर एक पेड़ मां के नाम विशेष अभियान के अंतर्गत 35 करोड़ पौधों का रोपण किया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा भी 16 लाख से अधिक पौधे लगाए गए। रविवार को वृक्षारोपण महायज्ञ- 2026 के अंतर्गत बाराबंकी के रफी अहमद किदवई स्मारक जिला चिकित्सालय परिसर, अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विवि एवं कुकरैल के वन क्षेत्र में पौधारोपण कर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पूरी तरह से पर्यावरण के लिए समर्पित है। डबल इंजन की भाजपा सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद से व्यापक स्तर पर हरियाली क्षेत्र को बढ़ाने का काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि रविवार को सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक प्रदेश भर में वृहद वृक्षारोपण अभियान का संचालन हुआ। ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के इस विशेष अभियान के अंतर्गत युवाओं, महिलाओं, सीनियर सिटीजन सहित हर वर्ग के लोगों ने अपने सहभागिता दर्ज की। वन विभाग सहित तमाम सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, छात्रों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर इस अभियान में हिस्सा लिया। मुख्य रूप से पीपल, बरगद, नीम, शीशम, जामुन, आम और सहजन जैसे पर्यावरण और स्थानीय जलवायु के अनुकूल पौधे लगाए गए।

ऑपरेशन एथेनॉल शील्ड- पेट्रोल-डीजल में मिलावट कर करोड़ों का खेल उजागर, चार गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ क्राइम ब्रांच का छापा, 16 हजार लीटर से अधिक पेट्रोलियम पदार्थ, साल्वेंट और उपकरण बरामद

मलिहाबाद/लखनऊ। राजधानी में पेट्रोल-डीजल में मिलावट और कालाबाजारी के संगठित गिरोह का क्राइम ब्रांच ने पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में हजारों लीटर पेट्रोल, डीजल, अपमिश्रित पेट्रोल, साल्वेंट, टैंकर और अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे 'ऑपरेशन एथेनॉल शील्ड' के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, भारत सरकार की इथेनॉल मिश्रित ईंधन नीति को बदनाम करने और अवैध कमाई के उद्देश्य से गिरोह टैंकरों से रास्ते में पेट्रोल-डीजल निकालकर उसमें साल्वेंट मिलाता था और फिर उसे स्थानीय स्तर पर ऊंचे दामों पर बेच देता था। सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम ने अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) किरन यादव के नेतृत्व में थाना मलिहाबाद क्षेत्र के सन्यासी बाग फ्लाईओवर के पास छापेमारी की। मौके से एक पेट्रोलियम टैंकर और एक अन्य वाहन पकड़ा गया। जांच में पता चला कि टैंकर एचपीसीएल के अमौसी टर्मिनल से विधानसभा मार्ग स्थित एक पेट्रोल पंप के लिए ईंधन लेकर निकला था, लेकिन रास्ते में ईंधन चोरी कर उसकी अवैध बिक्री की जा रही थी। आबकारी विभाग की टीम को मौके पर बुलाकर संयुक्त जांच कराई गई, जिसमें पेट्रोल-डीजल में मिलावट और अवैध भंडारण की पुष्टि हुई। पुलिस ने मौके से 7,750 लीटर पेट्रोल, 4,000 लीटर डीजल, लगभग 1,150 लीटर अपमिश्रित पेट्रोल, 3,200 लीटर साल्वेंट, टैंकर से निकाला गया करीब 250 लीटर पेट्रोल, एक टैंकर, एक वाहन तथा पेट्रोल निकालने में प्रयुक्त पाइप, डिप रॉड, मास्टर चाबी, मापक सहित अन्य उपकरण बरामद किए।

पूछताछ में टैंकर चालक रामतीर्थ ने बताया कि वह रास्ते में टैंकर से पेट्रोल निकालकर अनिल कुमार को करीब 75 रुपये प्रति लीटर की दर से बेचता था। अनिल कुमार ने स्वीकार किया कि वह विभिन्न टैंकर चालकों से मिलीभगत कर पेट्रोल-डीजल खरीदता था, उसमें साल्वेंट मिलाकर अधिक कीमत पर बेचता था। इस अवैध कारोबार में अभिषेक राजपूत और धीरज सिंह भी उसका सहयोग करते थे।पुलिस ने इस मामले में अनिल कुमार (मलिहाबाद), अभिषेक राजपूत (काकोरी), धीरज सिंह (उन्नाव) और रामतीर्थ (हरदोई) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, 'ऑपरेशन एथेनॉल शील्ड' का उद्देश्य पेट्रोल-डीजल में मिलावट, ईंधन चोरी और कालाबाजारी जैसे संगठित अपराधों पर प्रभावी रोक लगाना है, ताकि आम उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा हो सके।

टी.बी. सिंह महानगर व जिला प्रभारी बनाए गए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी, लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने लखनऊ खंड स्नातक एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी श्रीमती कान्ति सिंह के समर्थन में चुनाव अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा 12 जुलाई 2026 को जारी दो अलग-अलग नियुक्ति पत्रों के अनुसार जिला उपाध्यक्ष टी.बी. सिंह को लखनऊ महानगर का प्रभारी तथा लखनऊ जिला का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि टी.बी. सिंह के संगठनात्मक अनुभव, सक्रिय कार्यशैली एवं समन्वय क्षमता का लाभ चुनाव अभियान को मिलेगा। उनके नेतृत्व में महानगर एवं जिले के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि एकजुट होकर पार्टी प्रत्याशी श्रीमती कान्ति सिंह के पक्ष में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन की रणनीति के अनुरूप पूरी निष्ठा और एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती कान्ति सिंह को विजय दिलाने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। समाजवादी पार्टी के इस निर्णय को संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि जिम्मेदारियों के स्पष्ट बंटवारे से चुनाव अभियान को नई गति मिलेगी तथा कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होगा। टी.बी. सिंह को नई जिम्मेदारी मिलने पर जिलाध्यक्ष जय सिंह 'जयंत', राष्ट्रीय सचिव चौधरी जगदीप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष सी.एल. वर्मा, स्नातक एमएलसी प्रत्याशी श्रीमती कान्ति सिंह, महानगर अध्यक्ष फ़ाकिर सिद्दीकी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष काकोरी नज़मी खान सहित समाजवादी पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

21 जुलाई से शिक्षक ज्ञापन अभियान शुरू करेंगे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ऑनलाइन बैठक रविवार को आयोजित हुई, जिसमें प्रांतीय पदाधिकारियों, मंडलीय तथा जिला अध्यक्षों और मंत्रियों ने भाग लिया। बैठक में शिक्षकों से जुड़े लंबित मामलों और आगामी आंदोलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने बताया कि बैठक में पुरानी पेंशन बहाली और शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता समाप्त करने के मुद्दे पर राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत 21 जुलाई से अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में सांसदों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। मांग की जाएगी कि वर्ष 2017 में किए गए संशोधन को वापस लेने के लिए संसद में अध्यादेश लाया जाए, ताकि शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति जिन सेवा शर्तों पर हुई थी, उसी आधार पर उनकी पदोन्नति और सेवानिवृत्ति भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में अन्य प्रमुख मांगों में ग्रीष्मावकाश के दौरान जनगणना कार्य के बदले अर्जित अवकाश देना, पदोन्नत वेतनमान का आदेश जारी करना, विद्यालयों का संचालन समय पहले की तरह सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक करना, वरिष्ठता के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों से नगर क्षेत्रों में स्थानांतरण, वर्ष 2004 की विज्ञप्ति के अंतर्गत नियुक्त शिक्षकों को पेंशन का लाभ देना तथा विद्यालयों में संगणक परिचालकों की नियुक्ति शामिल रही। प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि लगातार बढ़ रहे विभागीय और गैर-शैक्षणिक कार्यों के दबाव से शिक्षक मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। इसका असर शिक्षकों के स्वास्थ्य के साथ-साथ विद्यालयों में नामांकन पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षकों को चिंता मुक्त वातावरण मिलेगा तो वे बेहतर ढंग से शिक्षण कार्य कर सकेंगे।

स्थापना दिवस पर नियमितीकरण की मांग तेज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एड्स कंट्रोल सोसायटी कर्मचारी संघ ने रविवार को अपना स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। समारोह में कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित विभिन्न सेवा संबंधी मांगों को प्रमुखता से उठाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद, विधायक आनंद कुमार यादव, विधान परिषद सदस्य शाहनवाज खान, विधायक डॉ. संग्राम यादव, ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (उत्तर प्रदेश) के महासचिव चंद्रशेखर शर्मा तथा पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन (आईएएस) सहित अनेक जनप्रतिनिधि और ट्रेड यूनियन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने प्रदेश में एचआईवी/एड्स नियंत्रण अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन अब तक उनका नियमितीकरण नहीं किया गया। उन्होंने भारत सरकार की ओर से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर पात्र कर्मचारियों को नियमित करने की मांग दोहराई। संघ ने कहा कि हर वर्ष संविदा का नवीनीकरण होने से कर्मचारियों में असुरक्षा और मानसिक तनाव बना रहता है। सरकार को इस समस्या का स्थायी समाधान निकालकर कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पंकज कुमार श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री अरविंद मिश्रा, नरेंद्र कुमार, सिद्धेश्वर पांडेय सहित प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी, विभिन्न ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि तथा प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए लगभग एक हजार कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह में कर्मचारी एकता को और मजबूत करने तथा अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी लिया गया।

बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष ने मीसा गांव में किया वृक्षारोपण

लखनऊ , कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व पर्यावरण संरक्षण हरित क्रांति को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूबे के मुख्यमंत्री की ओर से चलाए जा रहे अभियान ''एक पेड़ मां के नाम'' के तहत आज गोसाईगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत मीसा में बूथ वृहद वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष की ओर से कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित जन समुदाय को यह संदेश दिया गया कि सभी लोग कम से कम पांच पेड़ लगाकर उनकी देखरेख करे। उन्हें लगाए गए वृक्षों की देखभाल करने करने की जिम्मेदारी भी लेना चाहिए।

विवादित जमीन पर मवेशी बांधने को लेकर खूनी संघर्ष, बांका-कुल्हाड़ी चले

❐ दो महिलाओं समेत आठ घायल, दो की हालत गंभीर होने पर ट्रॉमा सेंटर रेफर, दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस जांच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ : इटौंजा थाना क्षेत्र के नौरंगपुर गांव में रविवार को विवादित जमीन पर मवेशी बांधने को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। मामूली कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई और दोनों पक्षों की ओर से बांका, कुल्हाड़ी तथा लाठी-डंडे चलने लगे। संघर्ष में दो महिलाओं समेत आठ लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। पुलिस के अनुसार, गांव की जिस जमीन को लेकर विवाद हुआ, उसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है। एक पक्ष के सुरेश का आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोग विवादित भूमि पर मवेशी बांधने के साथ वाहन भी खड़े करते हैं। रविवार को इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो कुछ ही देर में खूनी संघर्ष में बदल गई। वहीं दूसरे पक्ष के सुदामा का कहना है कि सुरेश पक्ष के लोग उनकी जमीन पर मवेशी बांधते हैं। इसी विवाद के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और धारदार हथियारों के साथ मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में एक पक्ष के सुरेश, उनके पुत्र अंकित और आकाश घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से सुदामा, संतोष, ममता और विजय समेत कुल आठ लोग चोटिल हुए। सभी घायलों को उपचार के लिए राम सागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय, बीकेटी तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटौंजा भेजा गया। चिकित्सकों ने सुरेश और सुदामा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया, जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है।थाना प्रभारी निरीक्षक सोबरन सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए 2.09 लाख पौधे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के बृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत रविवार को विकास खंड माल में कुल 2,09,183 पौधों का रोपण किया गया। अभियान के अंतर्गत विकास खंड की 67 ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर पौधे लगाए गए।

मनरेगा योजना के तहत 1,88,431 तथा पंचायती राज विभाग की ओर से 20,752 पौधों का रोपण किया गया। इस प्रकार कुल 2,09,183 पौधे लगाए गए। ग्राम पंचायत ससपन में क्षेत्रीय विधायक जयदेवी कौशल, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सुनील कुमार सिंह तथा पंचायत सचिव सत्य प्रकाश की मौजूदगी में पौधरोपण कराया गया। वहीं नबीपनाह ग्राम पंचायत में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामकुमार, ग्राम प्रधान प्रकाश सिंह तथा पंचायत सचिव सतगुर की देखरेख में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत पौधे लगाए गए। बृहद वृक्षारोपण अभियान को पर्यावरण संरक्षण, जनहित और वर्षा जल संचयन की दृष्टि से महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल पौधे लगाने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा, बल्कि उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करनी होगी। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष अमलौली ग्राम पंचायत के पीर नगर राजस्व गांव की चरागाह भूमि पर लगभग 15 हजार पौधे लगाए गए थे, लेकिन उचित संरक्षण के अभाव में आज वहां एक भी पौधा दिखाई नहीं देता। ऐसे में इस वर्ष लगाए गए पौधों की निगरानी और संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि वृक्षारोपण अभियान के वास्तविक उद्देश्य पूरे हो सकें।

दो साल से सचिव की चौखट पर ठोकरें खा रहे दिव्यांग और विधवा, मुख्यमंत्री आवास योजना बनी मजाक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गरीबी, बेबसी और दिव्यांगता पर भारी पड़ी अफसरशाही की उदासीनता, उक्त से लगाई न्याय की गुहार

सकरन (सीतापुर)। सरकार एक ओर गरीब, दिव्यांग और निराश्रित परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने का दावा कर रही है, वहीं विकास खंड सकरन की ग्राम पंचायत शाहपुर के मजरा लदसड़ा में यह दावा सवालों के घेरे में दिखाई दे रहा है। यहां एक दिव्यांग और एक विधवा महिला पिछले दो वर्षों से मुख्यमंत्री आवास योजना के लिए सरकारी दफ्तरों और पंचायत सचिव के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें अब तक आवास का लाभ नहीं मिल सका।

पीड़ित दिव्यांग सर्वेश कुमार और विधवा रीता देवी ने खंड विकास अधिकारी (उक्त) सकरन को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि पंचायत सचिव ने कई बार ''10-15 दिन में आवास दिलाने'' का भरोसा दिया, लेकिन यह आश्वासन केवल कागजों तक सीमित रहा। उनका कहना है कि सचिव सप्ताह में एक-दो दिन ही पंचायत में आते हैं, फोन भी नहीं उठाते और हर बार नई तारीख देकर टाल देते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार की योजनाओं में दिव्यांग और विधवा जैसे पात्र लोगों को प्राथमिकता देने का प्रावधान है, तब आखिर दो वर्षों से ये पात्र लाभार्थी योजना से वंचित क्यों हैं? यदि पात्र लोगों को भी योजना का लाभ पाने के लिए वर्षों तक भटकना पड़े तो फिर गरीबों के लिए बनाई गई योजनाओं की वास्तविक स्थिति क्या है?

पीड़ितों का कहना है कि वे बेहद गरीब हैं और कच्चे व जर्जर आवास में रहने को मजबूर हैं। कई बार गुहार लगाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने से उनमें प्रशासन के प्रति निराशा बढ़ती जा रही है। अब उन्होंने जिलाधिकारी और उक्त से निष्पक्ष जांच कराकर शीघ्र आवास स्वीकृत कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

उक्त बोले कराई जाएगी जांच

खंड विकास अधिकारी सकरन ने प्रार्थना पत्र मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। यदि शिकायत सही पाई गई तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और पात्रता के अनुसार लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में उद्यम से उद्यमिता तक किसान गोष्ठी संपन्न, किसानों और स्वयं सहायता समूहों को मिला उद्यमिता का मंत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । कृषि विज्ञान केंद्र कटिया, सीतापुर में ''उद्यम से उद्यमिता तक'' विषय पर एक दिवसीय भव्य किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य स्थानीय किसानों, कृषक उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर कृषि-व्यवसाय और उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में यूको बैंक के स्टेट हेड श्री आशुतोष सिंह, प्रवृद्ध फाउंडेशन के चेयरमैन श्री पी. एस. ओझा , अवध शुगर मिल के महाप्रबंधक श्री मनोज निरवाल एवं राइजोम प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन श्री डी. बी. सिंह उपस्थित रहे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए यूको बैंक के स्टेट हेड श्री आशुतोष सिंह ने किसानों और महिला समूहों को वित्तीय साक्षरता और बैंक द्वारा दी जाने वाली विभिन्न ऋण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सही वित्तीय प्रबंधन और बैंकिंग सहयोग से किसी भी छोटे उद्यम को एक सफल व्यवसाय में बदला जा सकता है।

प्रवृद्ध फाउंडेशन के चेयरमैन श्री पी. एस. ओझा ने ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हें उद्यमिता से जोड़कर समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

अवध शुगर मिल के महाप्रबंधक श्री मनोज निरवाल ने गन्ने की रोग मुक्त पौध को टिश्यू कल्चर विधि से तैयार करने की तकनीक पर विस्तार से चर्चा की।

राइजोम प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन श्री डी. बी. सिंह ने आधुनिक कृषि तकनीकों, बाजार की मांग और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन (ठ्थद्यफ्द्ब इददद्बप्द्बधद्ब) पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को अपने उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग और मार्केटिंग कर सीधे बाजार से जुड़ने के गुर सिखाए।

इस गोष्ठी में भारी संख्या में क्षेत्र के प्रगतिशील किसानो, कृषक उत्पादक संगठनों के सदस्यों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने उपस्थित जनसमूह की शंकाओं का समाधान किया और उन्हें नए उद्यम शुरू करने के लिए प्रेरित किया।

मिश्रिख में 35 करोड़ वृक्षारोपण महाअभियान का आगाज़, एक पेड़ माँ के नाम' के तहत 400 पौधे लगाए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर)। उत्तर प्रदेश सरकार के '35 करोड़ वृक्षारोपण महाअभियान-2026' के तहत शनिवार को मिश्रिख स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय परिसर में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव रहे, जबकि सांसद प्रतिनिधि राजकुमार सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सर्वेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार यादव, बीडीओ चंद्र प्रकाश, वन क्षेत्राधिकारी सिकंदर सिंह, गन्ना समिति रामगढ़ के चेयरमैन रामगोपाल अवस्थी, ग्राम प्रधान दिलीप गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन और हरित भविष्य पर जोर देते हुए सभी प्रतिभागियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में लगभग 400 पौधों का रोपण किया गया।

वन क्षेत्राधिकारी सिकंदर सिंह ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वहीं नरदानंद आश्रम, नैमिषारण्य के विद्यार्थियों ने स्वस्तिवाचन तथा श्री चंद्र भगवान इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

क्षेत्र सकरन में किया गया वृहद वृक्षारोपण

पुलिस चौकी सांडा, पुलिस थाना सकरन व पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय किरतापुर में धूमधाम से मनाया गया वृक्षारोपण उत्सव खूब लगाए गए पेड़

थानाध्यक्ष सकरन,चौकी प्रभारी सांडा व एबीएसए सकरन ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन(सीतापुर) । विकास क्षेत्र सकरन के अंतर्गत पुलिस थाना सकरन, पुलिस चौकी सांडा व पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय किरतापुर में रविवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, चौकी प्रभारी सांडा श्री राम शुक्ल व खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्रनाथ प्रजापति ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा सभी लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। अपने उद्बोधन में खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्रनाथ प्रजापति ने कहा कि ''वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि मानव जीवन के आधार भी हैं। प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना चाहिए। हरित वातावरण ही स्वस्थ समाज और उज्ज्वल भविष्य की पहचान है। विद्यालयों की सहभागिता से पर्यावरण संरक्षण का अभियान और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। थाना सकरन, पुलिस चौकी सांडा व एबीएसए सकरन ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया व सभी पुलिस कर्मियों, शिक्षकों व विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान का शुभारंभ, खैराबाद में जनप्रतिनिधियों व छात्रों ने किया वृहद वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। प्रदेश सरकार के वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के अंतर्गत आज नगर पालिका परिषद, खैराबाद द्वारा एमआरएफ केंद्र, खैराबाद के समीप स्थित भूमि पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री अभिषेक गुप्ता ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया तथा उपस्थित सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु, जल संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस अवसर पर राम जी मिश्रा ब्रांड एंबेसडर, नगर पालिका परिषद खैराबाद प्रेम शंकर गुप्ता अधिशासी अधिकारी, मनोज राना सफाई निरीक्षक, आनंदी सहगल इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं, नगर पालिका परिषद के सभासदगण, गणमान्य नागरिकों एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नगर पालिका परिषद, खैराबाद द्वारा जनसामान्य से अपील की गई कि वे ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधे लगाएं तथा उनके संरक्षण का संकल्प लें, जिससे खैराबाद को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल नगर बनाया जा सके।

कांवड़ यात्रा को लेकर धौरहरा प्रशासन अलर्ट, श्रद्धालुओं को बताए सुरक्षा के नियम; लापरवाही पर रहेगी कड़ी नजर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, लखीमपुर खीरी। श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को धौरहरा थाना परिसर में शिवभक्तों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी शशिकांत मणि एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी शमशेर बहादुर सिंह ने की। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे और श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का पर्व है, लेकिन इसकी सफलता अनुशासन और सुरक्षा पर भी निर्भर करती है। सभी श्रद्धालु यातायात नियमों का पालन करें और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह अनुपालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को आपस में जोड़कर यात्रा करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ट्रॉली के ऊपरी किनारों या जोड़ वाले हिस्से पर बैठने से भी बचने की सलाह दी गई, क्योंकि इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही ट्रॉली की चौड़ाई अनावश्यक रूप से न बढ़ाने, सड़क के बाईं ओर कतारबद्ध होकर चलने तथा भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए दोनों ओर रस्सियों का उपयोग करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने शिवभक्तों को जालिमनगर सरयू घाट पर जल भरते समय विशेष सतर्कता बरतने, गहरे पानी में प्रवेश न करने तथा किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाने की सलाह दी। यात्रा के दौरान अत्यधिक ऊंचाई वाले डीजे और तेज ध्वनि का प्रयोग न करने तथा केवल धार्मिक और भक्ति गीतों के माध्यम से यात्रा की गरिमा बनाए रखने की अपील भी की गई। बैठक में नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने, वाहन निर्धारित गति से चलाने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाएगी।

प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा ने श्रद्धालुओं से कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या, सहायता या सूचना के लिए तत्काल थाना धौरहरा के हेल्पलाइन नंबर 7017674767 पर संपर्क करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित, शांतिपूर्ण और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है, जिसके लिए सभी श्रद्धालुओं का सहयोग आवश्यक है।

मछरेहटा में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ वृहद वृक्षारोपण, 32.5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। आज वृक्षारोपण महायज्ञ कार्यक्रम के तहत जनपद में नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव श्री पी0 गुरुप्रसाद के गरिमामयी उपस्थिति में जिलाधिकारी डा0 राजगणपति आर0, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दीक्षा जोशी, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग नवीन खंडेलवाल, उपयुक्त श्रम रोजगार चंदन देव पाण्डेय, ए0सी0एफ0 विकास यादव, खंड विकास अधिकारी अरुण कुमार एवं विकास खंड के टीम के साथ वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम ग्राम पंचायत कटिया, विकास खंड मछरेहटा में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य थीम एक पेड़ मॉं के नाम पर गांव की महिला शक्ति द्वारा रोपित किया गया, हर एक पेड़ की जिम्मेदारी गांव के मूल वाशिंदों को इस आशय के साथ दी गई कि जो जिस पेड़ को लगा रहा है, वो उसकी रक्षा करेगा। हाल ही में वृक्षारोपण के जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था, जिस पर ग्राम्य विकास विभाग ने वृक्षारोपण कराने का निर्णय लिया। इसी क्रम में सभी 19 विकास खंडों में आज 32.5 लाख पौधों का रोपण किया जा रहा है। लोगों की सहभागिता सुनिश्चित किए जाने हेतु सभी से अपील भी की गई।

हाईवे पर ट्रक ने ई रिक्शा में मारी टक्कर, साले -बहनोई की मौत

हमीरपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र के कुंडौरा गांव के निकट हाईवे पर ई रिक्शा को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे इसमें सवार साले बहनोई सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें सदर अस्पताल भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने साले-बहनोई को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक का इलाज चल रहा है। पुलिस ने रविवार को शवों को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है! मौदहा कोतवाली क्षेत्र के लोहारी गांव निवासी कुलदीप (32) व राजेश (30) एवं पाटनपुर निवासी कुलदीप का साला पवन(28) रिश्तेदारी में ई-रिक्शा से सुमेरपुर के कुंडौरा गांव गए हुए थे। इसी बीच कुलदीप की पत्नी रेखा को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन मौदहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए और परिजनों ने कुलदीप को सूचना दी। पत्नी के अस्पताल में भर्ती होने पर वह ई-रिक्शा से वापस मौदहा जाने के लिए निकला। ई रिक्शा उसने बाइक भी लाद रखी थी। यह तीनों ई रिक्शा के आगे वाली सीट पर बैठे हुए थे,जैसे कुंडौरा से आगे निकले,तभी अज्ञात ट्रक ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

न लालच में आएं न खाता बिकवाएं सतर्क रहकर सीतापुर को साइबर अपराध से बचाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल के कुशल निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (साइबर) एवं क्षेत्राधिकारी साइबर श्री हर्षित चौहान के निकट पर्यवेक्षण में साइबर अपराधियों एवं म्यूल अकाउंट (ख्रफ्द्यद्द इददधफ्द्भप्प) के विरुद्ध जनपद में एक विशेष अभियान ऑपरेशन ''एभफ्थद्भन्थ'' चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत साइबर टीम, सर्विलांस/स्वाट टीम तथा जनपद के 15 थानों की कुल 45 संयुक्त टीमों द्वारा लगातार व्यापक स्तर पर दबिश व प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अन्तर्राज्यीय साइबर नेटवर्क का भंडाफोड़ व 03 अभियुक्त गिरफ्तारः अभियान के दौरान राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (गएटघ्) एवं समन्वय पोर्टल से प्राप्त इनपुट के आधार पर टीमों द्वारा गहन तकनीकी जांच व भौतिक सत्यापन किया गया। इसी क्रम में थाना कोतवाली नगर पुलिस व साइबर टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है, जहां म्यूल

अकाउंट्स के जरिए देशव्यापी ठगी करने वाले 03 शातिर अभियुक्तों- 1.सूरज सिंह पुत्र रामप्रकाश निवासी ग्रा0 पहाडपुर थाना मछरेहटा जनपद सीतापुर 2.बृजेश पुत्र जगन्नाथ पासी निवासी पहाड़पुर थाना मछरेहटा जनपद सीतापुर 3.सुधीर राठौर पुत्र रामसेवक निवासी पहाड़पुर थाना मछरेहटा जनपद सीतापुर को गिरफ्तार किया गया है।

यह अभियुक्तगण कमीशन के लालच में साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराने व बेचने वाले रैकेट का मुख्य हिस्सा हैं। 03 खातों से खुली देशव्यापी ठगी की पोल (357 ऑनलाइन शिकायतें लिंक): पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे/तस्दीक से कुल 03 बैंक खाते (01 एसबीआई तथा 02 एक्सिस बैंक) संचालित होना पाया गया, जिनका विवरण व पुलिस कार्रवाई निम्नवत हैः- 1. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (ट्टउक्र) खाता संख्या-44552870748: इस म्यूल अकाउंट की गहनता से जांच करने व बैंक से प्राप्त केवाईसी (खड्डए) प्रपत्रों के मिलान के बाद थाना कोतवाली नगर में मु0अ0सं0 194/2026 धारा 318(2)/112(2) बीएनएस व 66 आईटी एक्ट पंजीकृत किया गया। तकनीकी विश्लेषण से पता चला कि इस अकेले खाते के विरुद्ध साइबर पुलिस पोर्टल पर देश भर से 186 ऑनलाइन शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए इस खाते में मौजूद 04 लाख 47 हजार रुपये फ्रीज कराए गए हैं। 2. एक्सिस बैंक (इब्द्बप उथद्बद्म) के 02 खातेः गिरफ्तार अभियुक्तों के नेटवर्क से जुड़े एक्सिस बैंक के दो अन्य खातों का भी खुलासा हुआ है। इन दोनों खातों के विरुद्ध नेशनल साइबर पोर्टल पर कुल 171 ऑनलाइन शिकायतें दर्ज पाई गईं। त्वरित विधिक प्रक्रिया अपनाते हुए इन खातों में जमा 02 लाख 27 हजार रुपये की धनराशि को भी तत्काल प्रभाव से फ्रीज कराया गया।

सीतापुर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण महाअभियान-2026 संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जनपद में रविवार को 'वृक्षारोपण महाअभियान-2026' के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' थीम पर वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य कार्यक्रम सामाजिक वानिकी वन प्रभाग के अंतर्गत मिलेट्री फार्म स्थित वैदेही वाटिका के निकट हुआ, जहां 80 हेक्टेयर क्षेत्र में 22,500 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राकेश राठौर 'गुरु जी' तथा शासन के नामित नोडल अधिकारी पी. गुरुप्रसाद (आईएफएस) सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जबकि एनसीसी, आईटीआई, पीटीसी, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने भी अभियान में भागीदारी की।

नोडल अधिकारी ने पौधों की जियो टैगिंग, नियमित निगरानी और संरक्षण पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा अटल वन और मछरेहटा के ग्राम कटिया स्थित वृक्षारोपण स्थल का निरीक्षण कर पौधों की सुरक्षा और अधिकतम जीवितता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पूरे अभियान की निगरानी जिला कमांड सेंटर से डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई।

केन्द्रीय राज्यमंत्री व महिला आयोग अध्यक्षा ने किया वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 का विधिवत शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जनपद में हुए 50 लाख 20 हजार 200 पौधे हुए रोपित

पेड़ पर्यावरण संतुलन व संवर्धन में सहायक, करें माँ के नाम पौधारोपणः केन्द्रीय राज्यमंत्री

बदायूं। वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 के अन्तर्गत वन विभाग 26 राजकीय विभागों द्वारा जनपद में 50 लाख 20 हजार 200 सहित प्रदेश भर में 35 करोड़ पौधारोपण का कार्य किया गया। रविवार को जनपद के ग्राम वनकोटा के निकट गंगा एक्सप्रेसवे पर 174.3 किलोमीटर पर चिह्नित भूमि पर वृक्षारोपण महायज्ञ का शुभारंभ मुख्य अतिथि मा0 केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा व विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 अध्यक्षा बबीता सिंह चौहान ने सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, एमएलसी प्रतिनिधि शारदेंदु पाठक, नोडल अधिकारी व राज्य आयुक्त जीएसटी नितिन बंसल, जिलाधिकारी अवनीश राय के साथ फीता काटकर, दीप प्रज्जवलन व विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया।

मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वह अपनी माँ को सम्मान देते हुए एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा व प्रयास से एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम देशभर में चलाया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ पर्यावरण संतुलन व संवर्धन में सहायक होते हैं, जहां पेड़ ज्यादा होते हैं, वहां वर्षा भी अन्य जगहों की अपेक्षा ज्यादा होती है। उन्होंने कहा कि हम जिस पौधे को रोपित करते हैं, उसके संरक्षण का कार्य भी हमें करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी जन परिवार में किसी के जन्मदिवस, शादी की सालगिरह या अन्य विशेष अवसरों में पौधारोपण कर उसको यादगार बनाएं।

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 अध्यक्षा बबीता सिंह चौहान ने आज का यह अवसर केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। वृक्ष प्रकृति का अनमोल गहना हैं। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता के साथ पौधारोपण करें तथा पौधारोपण के उपरान्त उसका संरक्षण भी अवश्य करें। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें प्राणवायु प्रदान करने, पर्यावरण को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को बनाए रखने में सहायक होते हैं। जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौती से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदूषण, तापमान में वृद्धि और जल संकट जैसी समस्याओं के समाधान में वृक्षों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जब समाज, प्रशासन, विद्यार्थी, किसान और जनप्रतिनिधि मिलकर इस अभियान को जनआंदोलन बनाएंगे, तभी हम एक हरित, स्वच्छ और समृद्ध भारत का निर्माण कर सकेंगे। सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि वृक्षों से हमें मानसिक व शारीरिक सुख की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को जो जिम्मेदारी मिली है वह उसका ईमानदारी से निर्वहन करें, तो एक दिन हमारा देश विश्वगुरू अवश्य बनेगा। मुख्यमंत्री जी इसकी विशेष चिंता करते हैं, इसलिए पौधारोपण का कार्य उनकी प्राथमिकताओं में है और इसके फलस्वरूप आज प्रदेश हरा-भरा दिखता है। अच्छा सोचो अच्छा होगा आज नहीं तो कल होगा। डीएम अवनीश राय ने बताया कि जनपद के विभिन्न विभागों को कुल मिलाकर आज 50 लाख 20 हजार 200 पौधारोपण का लक्ष्य मिला है, जिसमें वन विभाग सहित विभिन्न 26 विभागों के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। सभी सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य को पूर्ण करते हुए पौधारोपण उपरान्त उसका संरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसकी निगरानी जनपद स्तर से कराई जा रही है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 अध्यक्षा बबीता सिंह चौहान, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, एमएलसी प्रतिनिधि शारदेंदु पाठक, नोडल अधिकारी व राज्य आयुक्त जीएसटी नितिन बंसल, जिलाधिकारी अवनीश राय सहित अन्य अधिकारियों ने पौधा रोपण कर पर्यावरण संतुलन व संवर्धन का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान स्काउट गाइड द्वारा बैण्ड मनमोहक प्रस्तुति दी गई तथा स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसे सभी ने सराहा। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों, छात्र-छात्राओं व अन्य लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डीएफओ ने बताया कि वृक्षारोपण का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है।

इस अवसर पर एसएसपी अंकिता शर्मा, सीडीओ गामिनी सिंगला, प्रभागीय निदेशक समाजिकी वानिकी प्रभाग विनीता सिंह, सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चन्दोला सहित अन्य अधिकारी, गणमान्य लोग, ग्रामवासी छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे।

खीरी ने रचा इतिहास : एक दिन में लगाए 92.08 लाख से ज्यादा पौधे, गूंजा एक पेड़ मां के नाम का संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष ने किया शुभारंभ, विधायक, डीएम संग किया पौधरोपण, नोडल अफसर ने किया अनुश्रवण

वृक्ष प्रकृति के अनमोल रत्न, इनकी रक्षा हम सबका दायित्व : राजेश वर्मा

पौधरोपण से हुआ जनपद की धरा का श्रृंगार, दिखा सामाजिक सहभागिता का असर

लखीमपुर खीरी । रविवार सुबह जिले में वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 ('एक पेड़ मां के नाम' अभियान) का आगाज हुआ। इस दौरान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा की अगुवाई, नोडल अधिकारी मिनिस्ती एस की देखरेख, डीएम अंजनी कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में वन एवं वन्यजीव विभाग और अन्य राजकीय कार्यदायी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी ने तय लक्ष्य के सापेक्ष पौधों का रोपण शुरू किया। जिले में एक दिन में लक्ष्य 92 लाख 8 हजार 800 पौधे के सापेक्ष 92 लाख 8 हजार 800 पौधे रोपकर एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक चले इस अभियान में सरकारी विभागों, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों व जागरूक नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पौधों की सुरक्षा व देखभाल का संकल्प लिया। रविवार को तहसील सदर, ब्लॉक नकहा अंतर्गत क्रमशः रवही पुल से चौका साइफन तक बायी पटरी और बेड़नापुर गो आश्रय स्थल के निकट साइट पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष राजेश वर्मा ने शुभारंभ किया। इस दौरान आयोग अध्यक्ष ने विधायक सदर योगेश वर्मा, डीएम अंजनी कुमार सिंह, डीएफओ तापस मिहिर, ब्लॉक प्रमुख पवन गुप्ता संग फलदार, छायादार, औषधीय पौध का रोपण किया। आचार्य अनूप मिश्रा ने वैदिक मंत्र पढ़कर पूरे विधि विधान से पौधों को विधिवत पूजा अर्चना कर मंत्रोचारित किया। वेद मन्त्रों की गूंज रही ध्वनि के बीच आयोग अध्यक्ष ने पौध का रोपण किया। इस दौरान उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अफसरो संग ग्रामवासियों को पौधा प्रदान किए। प्रकृति संरक्षण के लिए हर नागरिक निभाए अपनी जिम्मेदारी : राजेश वर्मा - कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कहा कि लखीमपुर खीरी की पावन धरती और इसकी श्रेष्ठ वायु गुणवत्ता हम सबके लिए गर्व की बात है। प्रकृति और पर्यावरण संतुलन बनाने के लिए अपने दायित्व का निवर्हन करने को हर नागरिक को 'एक पेड़ मां के नाम' थीम को समर्पित पौधरोपण महाभियान से जुड़ना होगा। हर व्यक्ति को पौधा लगाने के साथ ही उसकी सुरक्षा का संकल्प भी लेना होगा। व्यापक पैमाने पर पौधरोपण के जरिये हम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर वर्तमान और भावी पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाकर पौधों का करें संरक्षण : डीएम अंजनी कुमार सिंह डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि धरती से भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 205 जोड़ों का विवाह सम्पन्न, वित्त मंत्री ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत रविवार को 205 जोड़ों का विवाह राजकीय इन्टर कालेज मैदान में सम्पन्न हुआ। जिसमें 177 हिंदू एवं 28 मुस्लिम जोड़ों का विवाह रीतिरिवाज से संपन्न हुआ। जिसका शुभारम्भ उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री मुख्य अतिथि सुरेश कुमार खन्ना ने भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया और नवदंपतियों को वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने कन्या सुमंगला योजना संचालित की है। जिसके अंतर्गत एक बेटी को छह चरणों में कुल 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके अलावा बेटियों की विवाह योग्य आयु होने पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सरकार द्वारा प्रत्येक जोड़े के लिए एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। जिसमें से 64 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में, 21 हजार रुपये की उपहार सामग्री तथा 15 हजार रुपये समारोह के आयोजन एवं व्यवस्थाओं पर खर्च किए जाते हैं। उन्होंने नवविवाहित दूल्हों से कहा कि वे अपनी पत्नियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें तथा किसी भी प्रकार का विवाद, अत्याचार अथवा उत्पीड़न न होने दें। कार्यक्रम में एमएलसी सुधीर गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिल रही है। लोकसभा सांसद अरुण कुमार सागर ने कहा कि सरकार ने बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा एवं विवाह तक की जिम्मेदारी निभाने का कार्य किया है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, महापौर अर्चना वर्मा, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीपीएस राठौर, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित, नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी, पीडी डीआरडीए अवधेश राम, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण का वृहद आयोजन किया गया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कमलापुर। वन रेंज सिधौली दाउदपुर पौथशाला के अंतर्गत वन क्षेत्राधिकारी रोहित निगम के नेतृत्व में शारदा नहर लखीमपुर खीरी ब्रांच पटरी पर महोली पुल के पास ''वृक्षारोपण महायज्ञ-2026'' के तहत ''एक पेड़ मॉ के नाम'' थीम पर आधारित 11200 पौधे लगाकर पौधारोपण महोत्सव का वृहद् आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मनीष रावत सिधौली, ने पौधा रोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्थानीय ग्राम प्रधान सुफियान खान बेहडां बैकुंठपुर, उप जिलाधिकारी सिधौली, अवनीश कुमार क्षेत्राधिकारी सिधौली विशाल गुप्ता, थाना अध्यक्ष कमलापुर इतुल चौधरी, वन क्षेत्राधिकारी सिधौली रोहित निगम, उप क्षेत्राधिकारी सिधौली अभिषेक सिंह, अमित कटियार वन दरोगा रामसेवक वर्मा,निमिष सिंह चौहान, वनरक्षक प्रिया गुप्ता अनूप सिंह चौहान वंदना गुप्ता सहित स्कूली बच्चों व ग्रामीणों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

शाहजहांपुर में 52.55 लाख पौधरोपण का लक्ष्य, वित्त मंत्री ने किया वृक्षारोपण महायज्ञ का शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत वन विभाग द्वारा विकास खण्ड भावलखेड़ा के सेना भूमि क्षेत्र-1 में तीन हेक्टेयर क्षेत्रफल में 7,500 पौधों का रोपण किया गया। इस वृक्षारोपण महायज्ञ का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा लोकसभा सांसद अरुण कुमार सागर ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हरिशंकरी पौधों का रोपण कर किया। इस दौरान मौजूद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों आदि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। वित्त मंत्री और सांसद आदि ने कार्यक्रम स्थल पर वन विभाग, जिला गंगा समिति और हरित सारथी संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण से संबंधित लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान आयोजित गोष्ठी में प्रभागीय वनाधिकारी सचिन कुमार ने बताया कि वृक्षारोपण महायज्ञ के अंतर्गत इस वर्ष शाहजहांपुर को 52.55 लाख पौधरोपण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसमें 6.21 लाख पौधों का रोपण वन विभाग तथा 46.34 लाख पौधों का रोपण अन्य विभागों द्वारा किया जाएगा। लोकसभा सांसद अरुण कुमार सागर ने कहा कि वृक्षारोपण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आन्दोलन है। जनसहभागिता के बिना पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि पौधे लगाने के साथ ही उनकी सुरक्षा व देखभाल की जिम्मेदारी हमारी है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं नियमित देखभाल को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन शासन की मंशा के अनुरूप वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के समापन पर जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी एवं प्रभागीय वनाधिकारी, उप प्रभागीय वनाधिकारी ने सभी अतिथियों को स्मृति स्वरूप पौधा भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन जिला परियोजना अधिकारी डॉ. विनय कुमार सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य आदि मौजूद रहे।

धौरहराः नीम के पेड़ पर संदिग्ध अवस्था में लटका मिला युवक, अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

धौरहरा, लखीमपुर खीरी। कस्बे के मोहल्ला बाजार वार्ड निवासी आरिफ (40) पुत्र छद्दू शनिवार को देर शाम अपने भाई वारिश की छत के पासपीछे साइड में नगर पंचायत कार्यालय परिसर में लगे नीम के पेड़ पर संदिग्ध अवस्था में लटके मिले। परिजन और स्थानीय लोग उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धौरहरा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि मृतक अपने पीछे तीन बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं।

सबसे बड़ी बेटी की उम्र करीब 10 वर्ष है, जबकि बाकी बच्चे उससे छोटे हैं। परिवार के सामने अब भरण-पोषण की गंभीर चिंता खड़ी हो गई है। इक नजर इधर भीः-करीब 17 दिन पहले आरिफ ने कस्बे के ही एक व्यक्ति और उसके बेटे पर काम कराने के बाद भुगतान न करने तथा मारपीट करने और धमकी देने का आरोप लगाया था। इस संबंध में वह कई बार थाना भी गए थे।

जन जन की भागीदारी, हरित आवरण की तैयारी' के संकल्प के साथ पौधरोपण अभियान का हुआ शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा व प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की अपील के अनुसार ''एक पेड़-माँ के नाम'' अभियान के तहत वृक्षारोपण जन अभियान 2026-27 अन्तर्गत प्रदेश में 35 करोड़ तथा जनपद में 63 लाख 12 हजार 600 पौध रोपण अभियान का मुख्य अतिथि मा. राज्य मंत्री, कारागार श्री सुरेश राही ने विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, नानपारा के राम निवास वर्मा, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच सुन्दरेशा, निदेशक चीनी मिल नानपारा अखण्ड प्रताप सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पाण्डेय व अन्य जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के साथ तहसील महसी के विकासखण्ड तेजवापुर अन्तर्गत कटहा ग्राम समाज भूमि के परिसर के कपि वन में विधिवत पूजन अर्चन के पश्चात हरीशंकरी पौध रोपित कर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय कीर्तनपुर की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री राही ने ''एक पेड़-माँ के नाम'' अभियान के तहत सभी से अपील की कि संसार के सर्वाधिक पूज्यनीय रिश्ते मॉ के नाम एक पौध लगाकर उसकी देखभाल भी अपनी मॉ की भांति करें नाना प्रकार की पर्यावरणीय समस्याओं का सबसे आसान और सुलभ उपाय पौध रोपण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री के दिशा निर्देश पर आज सम्पूर्ण प्रदेश में 35 करोड़ पौध रोपित किये जा रहे है। श्री राही ने आमजन का आहवान किया कि भूमि की उपलब्धता के अनुसार अधिक से अधिक पौध रोपित करें। मुख्य अतिथि श्री राही ने सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों विशेषकर प्रधानमंत्री आवास व मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का आहवान किया कि एक-एक पेड़ अवश्य लगाये। उन्होंने जलवायु एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक हरीशंकरी प्रजाति के पौध लगाकर उनकी सुरक्षा का भी प्रबन्ध करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्ष इस सुन्दर धरा के आभूषण है हमें चाहिए कि धरती मां का नाना प्रकार के आभूषणों से श्रृंगार करें तथा अधिक वर्षा हो और अनन्तकाल के मानव का अस्तित्व पृथ्वी पर कायम रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक महसी सुरेश्वर सिंह व विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने कहा कि जलवायु एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सबसे सरल एवं सर्वोत्तम उपाय वृक्षारोपण करना है। विधायक द्वय ने आमजन का आहवान किया कि भूमि की उपलब्धा के अनुसार अधिक से अधिक पौध रोपण कर अमूल्य धरा का श्रृंगार करें। वक्तागण ने कहा कि यह हम सभी का नैतिक कर्तव्य है कि हम आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण का निर्माण करें। जिलाधिकारी श्री त्रिपाठी ने आभार ज्ञापित करते हुए बताया की जनपद में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 63 लाख 12 हजार 600 पौध रोपित करने के लिए सुबह से ही बड़े स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा हैं। डीएम ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि आमजन, जनप्रतिनिधियों, लक्षित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयास से लक्ष्य से अधिक पौधे रोपित किये जायेंगे। डीएम ने हरीशंकरी व षहजन पौध के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि औषधीय गुणों से भरपूर इस पौध में आयरन प्रचुर मात्रा में पाया जाता हैं जो महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए काफ़ी लाभदायक हैं सभी लोग अपने घर पर सहजन का एक पौध अवश्य लगाएं।

बाइक टकराने से किसान की मौत

बिसौली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र में शनिवार रात सड़क पर घूम रहे बेसहारा गोवंश से एक बाइक टकराने पर एक किसान की मौत हो गई। टक्कर लगने उसका बड़ा भाई भी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में किसान की मौत के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। कोतवाली क्षेत्र के गांव भानपुर निवासी बंटी मिश्रा और उनके बड़े भाई दयाशंकर पुत्र रामकिशोर शनिवार रात बाइक से बगरैन में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। सहसवान रोड पर गांव फिरोजपुर के पास पहुंचने पर रात करीब नौ बजे उनकी बाइक के सामने अचानक सड़क पर घूम रहे बेसहारा गोवंश आ गया। गोवंश सामने आने से उनकी बाइक उससे टकराकर सड़क पर ही गिर गई। सड़क पर बाइक गिरने दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसौली पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने बंटी को मिश्रा को मृत घोषित कर दिया। स्वास्थ्य केंद्र पर ही दयाशंकर का उपचार किया जा रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बंटी अपने भाई दयाशंकर के साथ खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में सरोज, चार बेटे और एक बेटी जिसका विवाह हो चुका है। बंटी चार भाई थे। उनकी मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

दो बाइकों की हुई आमने-सामने भिडंत में भाई बहन सहित तीन लोग हुए घायल

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता। रविवार को बिसौली कस्बा के समीप बिल्सी बिसौली रोड पर गांव कुढोली मोड़ के पास दो बाईकों की हुई जोरदार भिड़ंत में दवा लेने आए भाई बहन सहित तीन लोग घायल सूचना पर पहुंची पुलिस व एंबुलेंस 108 ने तत्काल प्रभाव से घायलों को बिसौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाकर भर्ती कराया, मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि शिवम पुत्र अरुण चौधरी निवासी कल्याणपुर थाना बिसौली अपनी बहन अंशिका को बाइक पर सवार होकर बिसौली दवा दिलाने आया था तभी वापस लौटते वक्त बिल्सी बिसौली रोड पर गांव कुढोली मोड़ के पास सामने से आ रहे बाईक सवार श्रीपाल पुत्र खूब सिंह निवासी ग्राम बिचपुरी थाना धनारी जनपद संभल अपनी ससुराल गांव कोट से बिसौली आ रहे थे तभी दोनों बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई जिसमें भाई बहन शिवम व अंशिका एवं श्रीपाल गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची बिसौली कोतवाली पुलिस व एंबुलेंस 108 ने घायलों को बिसौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाकर भर्ती कराया जहां उपस्थित डॉक्टर द्वारा घायलों का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है माही घायलों के परिजन भी सूचना पाकर मौके पर आ पहुंचे। मौके पर मौजूद पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी।

आवारा गोवंश से टकराये बाइक सवार दो सगे भाइयों में एक की मौत एक घायल

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता। शनिवार देर रात बिसौली सहसवान रोड पर फिरोजपुर गांव के समीप भट्टे के पास आवारा गोवंश से टकराये बाईक सवार दो सगे भाइयों में एक की मौत एक घायल सूचना पर पहुंची एंबुलेंस 108 ने घायल को बिसौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाकर भर्ती कराया .हम आपको बता दें कि बिसौली कोतवाली क्षेत्र के सहसवान रोड पर ग्राम फिरोजपुर के पास शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में गोवंश पशु से बाइक टकराने पर किसान की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, गांव भानपुर निवासी बंटी मिश्रा अपने बड़े भाई दयाशंकर के साथ बाइक से बगरैन में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। फिरोजपुर के पास अचानक सड़क पर घूम रहे बेसहारा गोवंश से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों भाई सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसौली ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने बंटी मिश्रा को मृत घोषित कर दिया, जबकि दयाशंकर की गंभीर हालत को देखते हुए उनका उपचार जारी है। मृतक बंटी मिश्रा खेती-किसानी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी, चार बेटे और एक बेटी हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

एसआईआर में किए उत्कर्ष कार्य के लिए आमिर सुल्तानी किया गया सम्मानित

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश डेमोक्रेटिक फोरम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीडी नकवी रिटायर्ड जज, पूर्व मंत्री यासीन अली उस्मानी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे। डॉक्टर इत्तेहाद आलम ने संयुक्त रूप से एस आई आर में उत्कर्ष कार्य और समाजसेवा के लिए आमिर सुल्तानी सम्मानित किया पिछले दिनों चल रहे, एस आई आर और वक़्फ़ संपत्ति रजिस्ट्रेशन में आमिर सुल्तानी ने निस्वार्थ भाव से हमेशा लोगों की मदद करते हुए देखा गया उन्होंने रात दिन मेहनत करके फखरे अहमद शोबी के सरपरस्ती में कार्य किया उन्होंने ज्यादा से ज्यादा वोट बढ़ाने का काम किया और वक्फ सम्पत्ति के रजिस्ट्रेशन में भी अग्रणीय भूमिका निभाई।

कॉपरेटिव फ़ेडरेशन लिमिटेड पीसीएफ द्वारा पौधारोपण

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। यूपी कॉपरेटिव फ़ेडरेशन लिमिटेड पीसीएफ बदायूँ द्वारा आयोजित वृक्षारोपण महा-अभियान में सहभागिता कर पौधारोपण किया।इस अवसर पर चेयरमैन जिला सहकारी बैंक बदायूँ जेके सक्सेना एवं जिलाध्यक्ष सहकार भारती बदायूं संदीप सक्सेना व पीसीएफ के जिला प्रबंधक विजय बहादुर, रुदान सिंह, धीरेंद्र कुमार, आशुतोष त्रिवेदी, इफको के फ़ील्ड ऑफिसर दीपक कुमार, कृभको के फ़ील्ड ऑफिसर सूरज शुक्ला, हेमेन्द्र सिंह एवं जगमोहन सहित अनेक गणमान्यजन एवं सहयोगी उपस्थित रहे। प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के उद्देश्य से सभी ने ल्लएक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। आइए, हम सभी एक पौधा अवश्य लगाएँ और हरित, स्वच्छ एवं समृद्ध भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

सरसावा में नल मरम्मत के नाम पर लाखों के घोटाले का आरोप

नकहा खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खंड नकहा की ग्राम पंचायत सरसावा में हैंडपंपों की मरम्मत एवं रखरखाव के नाम पर लाखों रुपये के कथित घोटाले का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी अभिलेखों में नल मरम्मत और रिपेयरिंग पर भारी धनराशि खर्च दर्शाई गई है, जबकि गांव के कई हैंडपंप आज भी खराब पड़े हैं। इससे लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है और सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिन हैंडपंपों की मरम्मत का दावा कागजों में किया गया है, उनमें से कई मौके पर या तो बंद पड़े हैं या लंबे समय से खराब हैं। ऐसे में सरकारी अभिलेखों में दर्शाए गए खर्च और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यदि पंचायत के अभिलेखों, भुगतान विवरण, कार्य आदेश और मौके की वास्तविक स्थिति का मिलान कराया जाए तो पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती है। उनका कहना है कि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की गहन जांच कराई जाए और यदि किसी स्तर पर वित्तीय अनियमितता या सरकारी धन के दुरुपयोग की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि गांव में पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जा सकती।

भूमि विवाद से परेशान किसान 100 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ा, पांच घंटे बाद सुरक्षित उतरा

नीमगांव खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना नीमगांव क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवरी में रविवार को भूमि विवाद से परेशान एक किसान करीब 100 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गया। किसान अपने साथ पेट्रोल की बोतल और माचिस भी ले गया था तथा न्याय न मिलने का आरोप लगाते हुए आत्मदाह की चेतावनी देने लगा। करीब पांच घंटे तक चले हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद प्रशासन के आश्वासन पर किसान सुरक्षित नीचे उतर आया।

जानकारी के अनुसार ग्राम देवरी निवासी किसान विजयपाल सिंह का कहना है कि वर्ष 2024 से वह अपनी भूमि संबंधी विवाद के समाधान के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला। रविवार सुबह करीब आठ बजे वह गांव के बाहर स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर नायब तहसीलदार शशांक शेखर मिश्रा, थाना नीमगांव पुलिस और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लगातार किसान से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर मौजूद रहे। इसी बीच भूमि विक्रेता रंगनाथ सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने किसान को आश्वासन दिया कि यदि खरीदी गई भूमि का कब्जा नहीं मिल पाता है तो पूरी धनराशि वापस कर दी जाएगी अथवा दूसरी भूमि की रजिस्ट्री कराई जाएगी। हालांकि किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे। काफी देर तक चली वार्ता के बाद प्रशासन ने मामले की निष्पक्ष जांच, शिकायतों की सुनवाई तथा नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद विजयपाल सिंह सुरक्षित पानी की टंकी से नीचे उतर आए। नायब तहसीलदार शशांक शेखर मिश्रा ने बताया कि गाटा संख्या 99 राजस्व अभिलेखों में खलिहान के रूप में दर्ज है तथा मामला न्यायालय में विचाराधीन है। जांच के उपरांत नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि वर्ष 2024 में उक्त भूमि की रजिस्ट्री हुई थी, लेकिन बाद में भूमि के खलिहान के रूप में दर्ज होने के कारण विवाद उत्पन्न हो गया। किसान का आरोप है कि विवादित भूमि पर वृक्षारोपण कराया जा रहा था, जिसके विरोध में उन्होंने यह कदम उठाया। एहतियातन प्रशासन ने संबंधित स्थान पर चल रहा वृक्षारोपण कार्य भी फिलहाल रोक दिया है।

एक पेड़ हरित भविष्य का संदेश, डीएम ने गांधी पार्क में किया अभियान का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के संकल्प के साथ जिले में रविवार को वृहद पौध रोपण महाअभियान का शुभारंभ हुआ, जिलाधि कारी प्रियंका निरंजन ने गांधी पार्क में पौधा रोपक र अभियान की विधिवत शुरुआत की और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें सुरक्षित रखने का आह्वान किया।अभियान के दौरान प्रशा सनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, वन विभाग के अधिकारियों और पर्यावरण प्रेमियों ने उत्साह पूर्वक पौधरोपण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण, लगातार बढ़ता तापमान और घट ता हरित क्षेत्र आने वाले समय की बड़ी चुनौती है।इससे निपटने के लिए प्रत्येक

व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए,उन्होंने कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण ही नहीं,बल्कि मानव जीवन, जल संरक्षण और जैव विविधता के सबसे बड़े आधार हैं। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, पंचायत भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर बड़े पैमाने पर पौधरोपण कराया जाए। साथ ही लगाए गए पौधों की नियमित निगरानी और संरक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि अभियान केवल औपचारिकता बनकर न रह जाए, बल्कि जिले को स्थायी रूप से हरा-भरा बनाने में सफल हो।वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष जिले में लाखों पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।अभियान के तहत बरगद, पीपल, नीम, आम सहित छायादार,फलदार और पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रजातियों के पौधे रोपे जा एंगे।कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों और पर्यावरण प्रेमियों ने आमजन से अपने घरों, खेतों, विद्यालयों और मोहल्लों में पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। अंत में सभी ने हरियाली बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण देने का सामूहिक संकल्प लिया।

गोंडा में खून का काला कारोबार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, आठ आरोपी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । इंसान की जिंदगी बचाने वाले खून को कमा ई का जरिया बनानेवाले अंतरजनपदीय गिरोह का सनसनीखेज खुलासा हुआ है,कोतवाली नगर पुलि स ने ऐसे संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो अस्पतालों के बाहर जरूरतमंद तीमारदारों को जाल में फंसाकर हजारों रुपये वसूलता था और बदले में संदिग्ध,अनुपयुक्त और कई मामलों में एक्सपायरी ब्लड तक उपलब्ध करा देता था, पुलि स ने गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार कर उन के कब्जे से दो सौ 53 फर्जी ब्लड बैंक कार्ड दस डिस्पोजेबल सिरिंज और नौ मोबाइल फोन बराम द किए हैं।मामले का खुलासा उस समय हुआ जब खरगूपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले वली मोहम्मद अ पनी पत्नी के इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे।इला ज के दौरान रक्त की जरूरत पड़ने पर अस्पताल के बाहर सक्रिय गिरोह के सदस्य ने बारह हजार पांच सौ रुपये लेकर ब्लड उपलब्ध कराया।डॉक्ट रों ने जांच में रक्त को संदिग्ध बताते हुए मरीज को चढ़ाने से इनकार कर दिया।जब पीड़ित ने पैसे वा पस मांगे तो आरोपी फरार होने लगा।शिकायत मि लते ही पुलिस

खून का काला कारोबार बेनकाब: अस्पतालों के बाहर बिक रहा था 'मौत का ब्लड'

हरकत में आई और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया। जांच में सामने आया कि यह कोई अकेला मामला नहीं था।गिरोह के सदस्य अ स्पतालों, निजी क्लीनिकों और अन्य स्थानों पर रक्त की जरूरत वाले लोगों की तलाश करते थे। फिर उन्हें तत्काल ब्लड दिलाने का झांसा देकर मोटी रकम वसूलते थे।पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि गिरोह से जुड़े दो आरोपी बलरामपुर में ब्लड बैंक का संचालन करते हैं और वहीं से पूरे नेटवर्क का संचालन किया जाता था।सबसे चौंका ने वाली बात यह सामने आई कि एक नौ वर्षीय बालिका के इलाज के दौरान भी इसी गिरोह ने ए क्सपायरी ब्लड उपलब्ध कराया था।समय रहते डॉ क्टरों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया।इस खु लासे के बाद पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों आर्थिक लेन-देन और संभावित नेटवर्क की भी जां च कर रही है।पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अजीत कुमार रजक तथा क्षेत्राधिकारी नगर योगेन्द्र सिंह की निगरानी में प्रभारी निरीक्षक विन्देश्वरी मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार को चाँदमारी पुलिया,घोसियाना के पास से सभी आ रोपियों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं के साथ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया गया है।

पुलिस की नजर अब पूरे नेटवर्क पर

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह केवल शुरुआती कार्रवाई है।गिरोह के आर्थिक नेटवर्क, ब्लड की सप्लाई चेन और इसमें शामिल अन्य लो गों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है। इस कार्रवाई को प्रदेश में अवैध ब्लड कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

हरियाली की मुहिम को मिली रफ्तार, पौधरोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से बेलसर ब्लॉक स्थित अथरिष्ट फॉर्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) परिसर में रविवार को पौधरोपण महाअभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर चार हजार पौधे रोपे गए और लोगों को प्रकृति के संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया गया।कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कुलदीप मिश्रा ने

बताया कि शासन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे महाअभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया गया।उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते प्रदूषण और बदलते पर्यावरणीय हालात के बीच वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है।उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करने का भी संकल्प लेने की अपील की।कार्य क्रम में मौजूद लोगों ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और हर घर, हर गांव को हरा-भरा बनाने का संदेश दिया।इस अवसर पर लल्ला ओझा, अविनाश सिंह,विनोद पांडेय, खनक मिश्रा सहित अनेक लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया।

चलती ट्रेन में सो रहे यात्रियों को बनाता निशाना, शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जंक्शन रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेनों में सो रहे यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर चोर को आरपीएफ और जीआरपी के संयुक्त अ भियान के दौरान गिरफ्तार किया गया।आरोपी के कब्जे से करीब 22 हजार रुपये कीमत का चोरी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुआ है।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्या यालय भेज दिया है।शनिवार को वरिष्ठ मंडल सुर क्षा आयुक्त लखनऊ के निर्देशन तथा प्रभारी निरी क्षक अनिरुद्ध राय के नेतृत्व में आरपीएफ की टी म अपराध आसूचना शाखा और जीआरपी गोंडा की संयुक्त टीम रेलवे स्टेशन पर गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी।इसी दौरान प्लेट फॉर्म नंबर-एक के पश्चिमी छोर पर एक युवक सं दिग्ध अवस्था में दिखाई दिया।तलाशी लेने पर उस के पास से एक रेडमी कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन

बरामद हुआ।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने यह मोबाइल गोंडा रेलवे स्टेशन के आसपास चलती ट्रेन में सो रहे यात्री से चोरी किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पवन कुमार तिवारी (26 वर्ष) पुत्र रामबारी तिवारी, निवासी भगहर बुलंद, थाना कोतवाली देहात, जनपद गोंडा को गिरफ्तार कर लिया।जीआरपी गोंडा में आरोपी के विरुद्ध मुक दमा दर्ज किया गया है।मामले की विवेचना उपनि रीक्षक नीरज कुमार सौपी गईं है।संयुक्त कार्रवाई में आरपीएफ के निरीक्षक अनिरुद्ध राय, उपनिरी क्षक सुनील कुमार कसाना,उपनिरीक्षक बिमल सिंह, सहायक उपनिरीक्षक दिलीप कुमार सिंह, हेड कंास्टेबल धनंजय कुमार सिंह तथा जीआरपी के उपनिरीक्षक रवि प्रकाश यादव व उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत श्री कृपाराम जनजागृति हाईस्कूल में हुआ वृक्षारोपण

नानपारा, बहराइच)। पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एक पेड़ माँ के नाम अभियान एवं जिला विद्यालय निरीक्षक, बहराइच के निर्देशों के क्रम में श्री कृपाराम जनजागृति हाईस्कूल, अगैया, नानपारा में रविवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता ने अपनी धर्मपत्नी

श्रीमती सुनीता देवी के साथ विद्यालय परिसर में आम, सागवान, पपीता एवं सहजन के पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के शिक्षक एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके नियमित संरक्षण एवं देखभाल का सामूहिक संकल्प लिया। विद्यालय के प्रबंधक श्री गुप्ता ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक, बहराइच के आह्वान पर जनपद के सभी विद्यालयों में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी लोगों से एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की।

तरबगंज से हरियाली का संदेश, विधायक प्रेम नारायण पांडे ने लगाया 'एक पेड़ माँ के नाम

हरित भविष्य की नींव: विधायक प्रेम नारायण पांडे ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को दी नई गति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । प्रदेश सरकार के वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 के तहत रविवार को तरबगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नारायणपुर स्थित खंड विकास कार्यालय परि सर में आयोजित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में विधायक प्रेम नारायण पांडे ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस दौरान उ न्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल का भी संकल्प लेने की अपील की।विधायक

प्रेम नारायण पांडे ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान केवल पौधा रोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित वातावरण देने का जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि जब तक लगाए गए पौधे वृक्ष नहीं बन जाते, तब तक उनकी देखभाल करना भी उत ना ही आवश्यक है।उन्होंने कहा कि जनपद गोंडा के लिए यह गर्व का विषय है कि जिले में वृक्षारो पण का अभियान जनसहभागिता के साथ आगे बढ़ रहा है और निर्धारित लक्ष्य को पार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं।यदि प्रत्ये क नागरिक अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा ल गाकर उसकी जिम्मेदारी उठाए,तो पर्यावरण संरक्ष ण का यह अभियान जनआंदोलन का स्वरूप ले लेगा।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी पौधरोपण कर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।पूरे आयोजन में पर्यावरण संर क्षण को लेकर उत्साह का माहौल दिखाई दिया।

लापरवाही बनी मौत की वजह ! दस दिन से टूटा पोल नहीं हटाया, युवक ने गंवाई जान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । क्या बिजली विभाग किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार कर रहा था? मोतीगंज थाना क्षेत्र के चकसड़ गांव में बिजली विभाग की कथित घोर लापरवाही से एक 26 वर्षीय युवक की जान ले ली।करीब दस दिन से टूटा पड़ा बिजली का पोल और जानलेवा तार आखिरकार एक परिवार के इकलौते सहारे पर कहर बनकर टूट पड़े।रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे प्रदीप कुमार सोनकर पुत्र उदयराज सोनकर करंट की चपेट में आ गए। करंट का झटका इतना भीषण था कि उनका एक हाथ बुरी तरह झुलस गया। परिजन उन्हें आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि जिस बिजली के

पोल से यह हादसा हुआ,वह करीब दस दिन पहले ही टूट कर गिर गया था। इसकी सूचना कई बार बिजली विभाग को दी गई, लेकिन न तो पोल बदला गया और न ही तारों को सुरक्षित किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जिले के भ्रस्ट अधिकारियों की अनदेखी ने एक युवक की जान ले ली।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शिवम तिवारी ने बताया कि उन्होंने भी बिजली विभाग को समय रहते सूचना दी थी, ले किन शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि यदि विभाग ने जिम्मेदारी दिखाई हो ती तो आज प्रदीप अपने परिवार के बीच होते।

घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश है।ग्रामीण दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्र वाई,पीड़ित परिवार को पर्याप्त मुआवजा और परि वार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मां ग कर रहे हैं।

बिजली विभाग की अनदेखी पड़ी भारी, टूटे पोल ने ली युवक की जान: गांव में आक्रोश

अगर समय रहते कार्रवाई होती तो बच जाती जान युवक की मौत के बाद ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

हरियाली की ओर बढ़े नन्हे कदम, रीयान इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में हुआ पौधरोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। वन महोत्सव सप्ताह के अवसर पर रीयान इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, लखीमपुर रोड, नानपारा में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना, हरित वातावरण को बढ़ावा देना तथा वृक्षों के संरक्षण के महत्व से अवगत कराना रहा। विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे रोपे। यह कार्यक्रम विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. साबिर हुसैन एवं प्रधानाचार्या श्रीमती सीमाब जहाँ के निर्देशन में संपन्न हुआ। पौधरोपण के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि बढ़ता प्रदूषण और जलवायु

परिवर्तन आज पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करे। इस अवसर पर प्री-प्राइमरी कोऑर्डिनेटर प्रीति शर्मा, विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ अभियान में भाग लिया। सभी ने विद्यालय परिसर में पौधे रोपने के साथ उनकी सुरक्षा और संरक्षण का भी सामूहिक संकल्प लिया। प्रधानाचार्या श्रीमती सीमाब जहाँ ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित नहीं रखते, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का आधार भी हैं। आज लगाया गया एक छोटा-सा पौधा भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, शुद्ध वातावरण और सुरक्षित जीवन प्रदान करेगा। इसलिए पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए समाज के प्रत्येक नागरिक से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, उनकी रक्षा करने तथा हरियाली बढ़ाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

21 करोड़ की साइबर ठगी में पांच गिरफ्तार, 3.20 करोड़ रुपए फ्रीज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । पुलिस और साइबर सेल ने 'साइ-वज्र' अभि यान के तहत जिले की अब तक की सबसे बड़ी साइबर अपराध विरोधी कार्रवाई करते हुए इक्की स करोड़ रुपये से अधिक के अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।इस कार्रवाई में पूर्व भाजपा ओबीसी मोर्चा नगर मंत्री विजय सो नी समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस का दावा है कि गिरोह देशभर में साइबर ठगी से अर्जित रकम को ठिकाने लगाने का संग ठित नेटवर्क चला रहा था।पुलिस जांच के अनुसार आरोपी बीस से अधिक म्यूल खातों के जरिए इ क्कीस करोड़ रुपये से अधिक का अवैध लेनदेन कर चुके थे।कार्रवाई के दौरान अब तक 3.20 क रोड़ रुपये की संदिग्ध धनराशि फ्रीज कराई गई है। गिरफ्तार आरोपियों में विजय सोनी,दीपक गोयल, देवनारायण मिश्रा,गंगोत्री पांडेय और शाहबान आ लम उर्फ

सोनू शामिल हैं।छापेमारी में छह मोबा इल फोन,पंद्रह आधार कार्ड,दस सिम कार्ड, आठ मोहरें,दो दोपहिया वाहन तथा विभिन्न फर्मों से जुड़े फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं।पुलिस इन द स्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर गिरो ह के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में जुटी है।नौकरी का झांसा, खातों से करोड़ों की हेराफ़ेरी जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह बेरोजगार और जरूरत मंद लोगों को सोलर कंपनी में नौकरी और आक र्षक वेतन का लालच देता था।उनके नाम पर उद्य म और जीएसटी पंजीकरण कराकर बैंक में करंट अकाउंट खुलवाए जाते थे। खाते खुलने के बाद उ नका पूरा संचालन गिरोह अपने हाथ में ले लेता था और इन्हीं खातों के जरिए साइबर ठगी की रकम का लेनदेन किया जाता था।पुलिस के अनुसार, इन खातों का इस्तेमाल निवेश धोखाधड़ी,डिजिटल अ रेस्ट,सेक्सटॉर्शन और अन्य साइबर अपराधों से प्रा प्त धनराशि को इधर-उधर ट्रांसफर करने में किया जाता था। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर इन खातों से संबंधित देश के विभिन्न राज्यों से 43 शिकायतें दर्ज हैं,जिससे गिरो ह के अंतरराज्यीय नेटवर्क की पुष्टि होती है।

एसपी बोले— नेटवर्क की जड़ तक पहुंचेगी पुलिस

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि वीरेंद्र प्रताप और सत्यम तिवारी की शिकायत पर देहात कोतवाली में दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान पूरे गिरोह का खुलासा हुआ।उन्होंने कहा कि मामले में शामिल अन्य संदिग्धों,बैंक खातों और आर्थिक लेनदेन की गहन जांच जारी है।ज ल्द ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान भावनात्मक जुड़ाव के साथ पर्यावरण संरक्षण का एक अभिनव प्रयास : मयंकेश्वर

महिया सिंदुरिया में वन भूमि पर राज्यमंत्री ने पौधरोपण कर वृक्षारोपण महा अभियान का किया शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी। एक पेड़ मां के नाम थीम पर रविवार को वृहद वृक्षारोपण महा अभियान के तहत क्षेत्र के अमृत सरोवर अस्पतालों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिनमें प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री के साथ ही आयुष विभाग की महानिदेशक और डीएम एसपी सीडीओ ब्लाक प्रमुख के साथ ही अन्य तमाम जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवी संगठनों, छात्र छात्राओं एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधरोपण किया। विकास क्षेत्र सिंहपुर के गांव महिया सिंदुरिया स्थित वन भूमि पर आयोजित वृक्षारोपण अभियान का राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी एवं आयुष विभाग की महानिदेशक चैत्रा वी., जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी., मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, ब्लाक प्रमुख सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारम्भ किया।राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं बल्कि मानव जीवन के आधार हैं।उन्होंने कहा कि ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान भावनात्मक जुड़ाव के साथ पर्यावरण संरक्षण का एक अभिनव प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करने का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। आयुष विभाग की महानिदेशक एवं नोडल अधिकारी चैत्रा वी. ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान एवं प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व है।जिलाधिकारी संजय

चौहान ने कहा कि जनपद अमेठी में वृहद वृक्षारोपण अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाने के लिए सभी विभागों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए व्यापक तैयारी की गई है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण से न केवल पर्यावरण संतुलन बना रहता है बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य का निर्माण भी होता है।राज्यमंत्री द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को आम के पौधों का वितरण किया गया तथा उन्हें अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया।वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नोडल अधिकारी, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा ग्राम पंचायत जयनगरा स्थित अमृत सरोवर परिसर में भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त नोडल अधिकारी द्वारा राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय, राजा फत्तेपुर के परिसर में सहजन का पौधा लगाकर जनसामान्य को औषधीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों के रोपण के लिये प्रेरित किया गया। मेडिकल कालेज तिलोई एवं सीएचसी तिलोई के प्रांगण में राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने वृक्षारोपण किया तो विकास खण्ड तिलोई के प्रांगण में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह ने वृक्षारोपण किया।कार्यक्रम में प्रभागीय वनाधिकारी रणवीर मिश्र ने जनपद में संचालित वृक्षारोपण अभियान की रूपरेखा एवं लक्ष्य के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।इस अवसर पर कुंवर मृगांकेश्वर शरण सिंह, सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह, जिला विकास अधिकारी वीर भानु सिंह, डीसी मनरेगा शेर बहादुर, ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, ब्लाक प्रमुख सिंहपुर अंकित पासी, एसडीएम आशीष कुमार सिंह, सीओ दिनेश कुमार मिश्रा, खण्ड विकास अधिकारी कमलेश यादव,ग्राम प्रधान स्वेता रानी,अनिल कुमार देवा, अनुराग मिश्रा, प्रशांत शुक्ला, अजय सिंह, विद्याधर यादव, अवनीश श्रीवास्तव, लाल चंद्र सरोज, राजेश कुमार,शिव कुमार साहू सहित अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

अमेठी में जब डीएम ने स्वयं संभाली कार की स्टेयरिंग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। विकास क्षेत्र सिंहपुर की ग्राम पंचायत जयनगरा स्थित प्राचीनतम बाबा बालदास अमृत सरोवर प्रांगण में वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत रविवार को आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में उस समय लोग चौंक गये जब जिलाधिकारी संजय चौहान ने वाहन की स्टेयरिंग स्वयं संभाल ली और अमेठी की सड़कों पर करीब एक सैकड़ा किलोमीटर तक गाड़ी दौड़ाई। ग्राम पंचायत जयनगरा में वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी एवं आयुष विभाग की महानिदेशक चैत्रा के साथ जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी, मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू एक ही वाहन पर सवार होकर पहुंची तो चालक की सीट पर जिलाधिकारी संजय चौहान बैठे नजर आये और वृक्षारोपण के बाद एक बार फिर डीएम ने स्वयं स्टेयरिंग संभाल ली और अहोरवा भवानी होते हुये

महिया सिंदुरिया पहुंच गये। जिलाधिकारी संजय चौहान को पहली स्वयं बार वाहन चलाते देखकर अधिकारियों के साथ ही आम जनमानस यह तस्वीर अपने कैमरे में कैद करने को आतुर नजर आया और जिलाधिकारी संजय चौहान मंद मंद मुस्कान के साथ वाहन को दौड़ाते रहे। बताते चलें कि रविवार को अमेठी की सड़कों पर जिलाधिकारी संजय चौहान ने करीब एक सौ किलोमीटर की लम्बी दूरी स्वयं तय किया। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों अधिकारियों के साथ ही आम जनमानस के मुंह से यह निकल पड़ा कि ऐसे सरल सहज स्वभाव के अधिकारी बहुत कम मिलते हैं।

जन–जन की भागीदारी हरित आवरण की तैयारी

जनपद के समस्त थानों एवं पुलिस लाइन परिसर में सात हजार दो सौ से अधिक पौधों का किया गया रोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। वृक्षारोपण महाअभियान के तहत पुलिस लाइन के साथ ही जनपद के समस्त थानों में एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत पाकड़, बरगद, नीम, आम, अमरूद, शीशम सहित विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नही बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करने की अमूल्य धरोहर हैं।उन्होंने सभी से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान

किया।उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है साथ ही लोगों को पर्यावरण के लिए हानिकारक प्लास्टिक एवं अन्य प्रदूषणकारी पदार्थों के उपयोग से बचने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु जागरूक रहने का संदेश दिया।वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत जनपद अमेठी के समस्त थाना परिसरों एवं नवीन पुलिस लाइन गौरीगंज में जनपदीय पुलिस द्वारा सामूहिक रूप से सात हजार दो सौ से अधिक पौधों का रोपण किया गया।इस अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने एवं जनसहभागिता को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गयी कि वे अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लें तथा ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान को सफल बनाने में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

नितिन मिश्रा अध्यक्ष व धर्मेन्द्र शुक्ला महामंत्री मनोनीत

बल्दीराय में जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया की तहसील इकाई का गठन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया की बल्दीराय तहसील इकाई का गठन रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना के निर्देश एवं वरिष्ठ पत्रकार रणविजय सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से नई तहसील कार्यकारिणी का गठन करते हुए नितिन मिश्रा को तहसील अध्यक्ष, सुरेंद्र मिश्रा को उपाध्यक्ष, धर्मेंद्र शुक्ला को महामंत्री, युधिष्ठिर सिंह को सचिव तथा रंजीत सिंह एवं धर्मेंद्र सिंह को संरक्षक मनोनीत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार दीपक मिश्रा ने कहा कि जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया पत्रकारों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ है और पत्रकारों का दायित्व है कि वे निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं जनहित की पत्रकारिता करें। उन्होंने कहा

कि संगठन कथनी और करनी में अंतर नहीं रखेगा तथा पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करेगा। जिलाध्यक्ष रामानंद मिश्रा ने कहा कि जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया अन्य संगठनों से अलग पत्रकारों के हितों एवं सम्मान की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन हर परिस्थिति में अपने पत्रकार साथियों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वे लंबे समय से पत्रकारों के अधिकारों की आवाज बुलंद कर रहे हैं। उनका प्रमुख प्रयास है कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों के साथ-साथ गैर-मान्यता प्राप्त पत्रकारों को भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाए। संगठन के अयोध्या मंडल महामंत्री नीरज तिवारी के कार्यों का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वे पत्रकारों के सुख-दुख में सदैव सहभागी रहते हैं और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन कर्मराज शर्मा ने किया। इस अवसर पर संगठन सचिव अवधेश गुप्ता, संगठन मंत्री रामराज पांडेय, कुड़वार ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार तिवारी, अतुल प्रताप सिंह, करुणा शंकर पांडेय, राज कमल यादव, जय प्रकाश सिंह, अरुण साहू, ज्ञानेंद्र तिवारी, सुनील कुमार सिंह, शेष कुमार अग्रहरि, मीडिया प्रभारी अनिल निषाद, कृतेश सेन सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

पति ससुर समेत चार के खिलाफ दहेज प्रथा का मुकदमा दर्ज

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मोहनगंज क्षेत्र के गांव डिहवा सरैया मजरे अरियांवा की एक महिला को वैवाहिक समारोह के दो साल बीतते ही ससुरालीजनों द्वारा प्रताड़ित किये जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता के भाई ने पति समेत चार ससुरालियों पर अभियोग दर्ज करवाया है। थाना क्षेत्र के गांव डिहवा सरैया मजरे अरियांवा निवासी शुभम मौर्या ने पुलिस को सौंपी गई तहरीर में लिखा है कि उसने अपनी बहन का विवाह बीती बीस अप्रैल 2024 को अरुण कुमार पुत्र रामदास मौर्या निवासी ग्राम पूरे लाला थाना नसीराबाद जनपद रायबरेली के साथ किया था। शादी के एक साल बाद से बहन के पति, ससुर, सास एवं ननद द्वारा काफी प्रताडित किया जाने लगा और महीने दो महीने पर बहन को मार पीट कर घर से भगा देते है उसको इतना मारते थे कि वह चल नही पाती थी। चण्डीगढ में भी को काफी मारा और कमरे से निकाल दिया तो वह किसी तरह पास के थाने गई उसके बाद वहां कि पुलिस ससुराल वालो को बुलकर महिला को सौपा और कहा कि इसको सकुशल इसके मायके भेज दो तबसे वह अपने मायके आ गई जिसके एक डेढ़ साल का लड़का भी है। ससुरालियों पर दहेज के नाम पर रूपये की मांग की जा रही है और बीती दस जुलाई को दोनो पक्षों के नाते रिस्तेदारों को बुलाकर पंचायत बुलाई गई जिसमें वर पक्ष के लोग फौजदारी पर अमादा हो। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने पति अरुण कुमार के साथ ही सास ससुर और ननद के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया गया है।

भाजपा नेता की मां के निधन पर राज्यमंत्री ने शोक जताया

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी सिंहपुर के पूर्व मण्डल अध्यक्ष अमरीश जायसवाल की माता जी के निधन पर प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने उनके आवास पर पहुंचकर नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया और पीड़ित परिजनों को ढांढस बंधाया है। भाजपा सिंहपुर के पूर्व मण्डल अध्यक्ष अमरीश जायसवाल की मां जनक दुलारी का गुरुवार को निधन हो गया था। इसकी जानकारी मिलने पर रविवार को प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने अहोरवा भवानी स्थित उनके पैतृक आवास पर पहुंचकर नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया और परिजनों को ढांढस बंधाया है। इस मौके पर कुंवर मृगांकेश्वर शरण सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह,धर्मेश मिश्रा, सुजीत सोनी,ग्राम प्रधान दिनेश जायसवाल, लल्लन सिंह, मोहित चौरसिया,राहुल पाठक सहित अन्य तमाम जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मण्डल स्तरीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव एवं कुक्कुट निवेश सम्मेलन अयोध्या में होगा

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अमेठी डॉ. जी.के. शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की कुक्कुट विकास नीति–2022 के अंतर्गत प्रदेश में पोल्ट्री क्षेत्र के समग्र विकास, निवेश को प्रोत्साहन तथा आधुनिक वैज्ञानिक कुक्कुट पालन तकनीकों के प्रसार के उद्देश्य से एक दिवसीय मंडल स्तरीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव/कुक्कुट निवेश सम्मेलन का आयोजन चौदह जुलाई को सर्किट हाउस अयोध्या के सभागार में किया जायेगा। यह कार्यक्रम शासन के निर्देशानुसार पशुपालन विभाग, अयोध्या मंडल द्वारा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उददेश्य मण्डल के कुक्कुट पालकों, उद्यमियों, निवेशकों एवं विभागीय अधिकारियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, जहां पोल्ट्री क्षेत्र से संबंधित सरकारी योजनाओं, निवेश की संभावनाओं, आधुनिक प्रबंधन तकनीकों, रोग नियंत्रण, जैव सुरक्षा उपायों, विपणन व्यवस्था तथा वित्तीय सहायता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाएंगी। डॉ. शुक्ला ने बताया कि सम्मेलन में विभिन्न विभागों के अधिकारी, पशुपालन विशेषज्ञ, बैंकिंग संस्थानों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील कुक्कुट पालक तथा पोल्ट्री उद्योग से जुड़े उद्यमी प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की समस्याओं, सुझावों एवं अनुभवों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी, जिससे प्रदेश में पोल्ट्री उद्योग को नई दिशा और गति मिल सके। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने जनपद के सभी कुक्कुट पालकों, पोल्ट्री उद्यमियों एवं इच्छुक निवेशकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में सहभागिता कर इस अवसर का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पोल्ट्री क्षेत्र में स्वरोजगार, निवेश संवर्धन तथा आय वृद्धि के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

परिषदीय विद्यालय में हुआ पौधारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए तहसील क्षेत्र के ग्राम कल्यानपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुगंध अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ।इस अवसर पर विद्यालय परिसर में नीम, पीपल, बरगद, अमरूद और आम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। प्रधानाध्यापिका सुगंध अग्रवाल ने बच्चों को पौधारोपण का महत्व समझाते हुए कहा कि पेड़ ही जीवन के आधार हैं। ये हमें स्वच्छ हवा, फल, छाया और वर्षा प्रदान करते हैं। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए हर बच्चे को कम से कम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, शिक्षामित्र और छात्र-छात्राएं शामिल हुए। बच्चों ने भी बड़े उत्साह के साथ कुदाल और पानी लेकर पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया।प्रधानाध्यापिका ने बच्चों को बताया कि पौधों को रोज पानी देना और उनकी सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। विद्यालय में हर साल इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि बच्चे प्रकृति से जुड़ें और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनें। अंत में सभी ने हरियाली बचाने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लिया है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत, चेयरमैन आस्था अग्रवाल की अध्यक्षता में निकली हरित रैली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। प्रदेशव्यापी ''एक पेड़ माँ के नाम'' महापौधारोपण अभियान के अंतर्गत रविवार को नगर पालिका परिषद द्वारा भव्य हरित रैली एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, स्कूली विद्यार्थियों, पालिका कर्मचारियों, समाजसेवियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रातः 8 बजे नगर पालिका परिषद कार्यालय से मानव श्रृंखला के साथ हरित रैली का शुभारंभ हुआ। रैली चिरंजी लाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सरस्वती शिशु मंदिर साहूकारा, सिटी मोंटेसरी स्कूल सिविल लाइंस साउथ सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई वल्लभनगर कॉलोनी स्थित शहीद पार्क पहुँची। रैली के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा ''एक पेड़ माँ के नाम'' लगाने का संदेश दिया गया।

शहीद पार्क में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने पौधारोपण करते हुए कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की भी नींव हैं। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाकर उसका संरक्षण करना चाहिए।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कहा कि ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृ सम्मान, प्रकृति संरक्षण और सामाजिक सहभागिता का एक प्रेरक जनआंदोलन है। अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सभासद साकेत सक्सेना ने किया।कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार, सभासद वतनदीप मिश्रा, निर्मल सिंह टीटू, सुनीता सिंह, साकेत सक्सेना, अवतार सिंह मोनू, चैतन्य गंगवार, पंकज तिवारी, हॉबीज हैरिटेज रिसर्च ट्रस्ट के सचिव हर्षल सिंह, वल्लभनगर हाउसिंग सोसायटी के अध्यक्ष मुरली मनोहर अग्रवाल, राकेश महोदय, सुरेश कौशल, मिथलेश कश्यप, भीम सिंह चौहान, पंकज राजपूत, अमर किशोर, साबिर अली, रोशन लाल, कमलेश यादव, तारिक हसन खान, विवेक सैनी, फुरकान उस्मानी सहित बड़ी संख्या में विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, पालिका कर्मचारी, समाजसेवी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

एपीओ की मौजूदगी में शेरपुर कला में रोपित किया गए 1000 पौधों

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से विकासखंड की ग्राम पंचायत शेरपुर कला में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी आदर्श वर्मा की मौजूदगी में ग्राम रोजगार सेवक अमानत रसूल के नेतृत्व में लगभग 1000 पौधे लगाए गए।वृक्षारोपण में आम, अमरूद, जामुन, सागौन, नींबू, यूकेलिप्टस, अनार और शीशम सहित कई प्रजातियों के पौधे शामिल थे। सभी पौधे मनरेगा योजना के तहत सार्वजनिक भूमि, स्कूल परिसर और ग्राम पंचायत की खाली जगहों पर लगाए गए।एपीओ आदर्श वर्मा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में पेड़ लगाना समय की जरूरत है। उन्होंने ग्रामीणों और मनरेगा श्रमिकों से अपील की कि वे सिर्फ पौधे लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि उनकी देखभाल भी करें।

एक-एक पौधा बड़ा होकर गांव को हरियाली के साथ-साथ फल और छाया भी देगा।कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रशासक जाने आलम खान, मनरेगा श्रमिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। प्रशासक जाने आलम ने कहा कि पंचायत स्तर पर हर साल पौधरोपण कर हर घर को हरा-भरा बनाने का प्रयास किया जाएगा।रोजगार सेवक अमानत रसूल ने बताया कि श्रमिकों की मदद से पौधों की नियमित सिंचाई और सुरक्षा की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण महायज्ञ का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत रविवार को लंभुआ क्षेत्र के पटखौली में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्यमंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने की। इस अवसर पर जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक चारु निगम,विधायक सीताराम वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी,पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम एवं संगोष्ठी

आयोजित की गई। राज्यमंत्री, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा अन्य अतिथियों ने पौधरोपण कर लोगों से अपने जीवन में कम से कम पांच पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों का संवर्धन जनभागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम में हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। प्रशासन ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील की।

सम्पादकीय

विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण?

इन दिनों विद्यालयों में वन-महोत्सव के अंतर्गत पौधारोपण के विशेष अभियान चल रहे हैं। विद्यार्थी उत्साह के साथ पौधे लगा रहे हैं, उनकी देखभाल का संकल्प ले रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम केवल औपचारिक गतिविधियां नहीं हैं, बल्कि बच्चों और युवाओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के तेजी से होते दोहन जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या विशेषज्ञों का विषय नहीं रह जाता। यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी बन चुका है। इस जिम्मेदारी को निभाने में विद्यार्थियों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी जा सकती है, क्योंकि वे केवल भविष्य के नागरिक ही नहीं, बल्कि समाज को नई दिशा देने की क्षमता भी रखते हैं। इसके लिए पहली आवश्यकता है, विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना। विद्यालय इस दिशा में सबसे प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। इको-क्लब, प्रकृति भ्रमण, पोस्टर प्रतियोगिताएं, भाषण, वाद-विवाद, निबंध लेखन और विज्ञान प्रदर्शनियों जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को केवल जानकारी ही नहीं देते, बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण से भावनात्मक रूप से भी जोड़ते हैं। जब कोई विद्यार्थी किसी पौधे को अपने हाथों से लगाता है और उसकी देखभाल करता है, तब उसके भीतर प्रकृति के प्रति अपनापन विकसित होता है। यही अपनापन आगे चलकर जिम्मेदारी में बदलता है। स्वच्छ हवा, शुद्ध जल, उपजाऊ भूमि, घने वन और जैव विविधता के कारण ही पृथ्वी पर जीवन संभव है, किंतु इसका प्राकृतिक संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है। शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, नदियां दूषित हो रही हैं, भूजल तेजी से नीचे जा रहा है और अनियोजित विकास के कारण जंगलों का दायरा सिमटता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण कभी अत्यधिक वर्षा तो कभी लंबे सूखे जैसी परिस्थितियां देखने को मिल रही हैं। इन समस्याओं का प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन पर भी पड़ता है। आज का युवा रचनात्मक सोच और तकनीकी समझ से भरपूर है। विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में वे ऐसे प्रयोग कर रहे हैं, जो पर्यावरण संरक्षण में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। सौर-ऊर्जा से चलने वाले मॉडल, जैविक कचरे से खाद बनाने की तकनीक, वर्षा-जल संरक्षण के सरल उपाय, कम लागत वाले जल-शुद्धिकरण मॉडल और ऊर्जा बचाने वाले उपकरणों पर विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे प्रयोग यह साबित करते हैं कि सही मार्गदर्शन मिलने पर वे समाज के सामने व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। कई विद्यार्थी डिजिटल माध्यमों और मोबाइल अनुप्रयोगों के जरिए लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध करा रहे हैं। तकनीक का यह सकारात्मक उपयोग भविष्य के लिए नयी आशा जगाता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में हिमालय से लेकर समुद्र तक, घने जंगलों से लेकर मरुस्थलों तक, प्रकृति के अनेक रूप दिखाई देते हैं। इन प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा तभी संभव है, जब समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी भूमिका निभाए। विद्यार्थी अपने स्थानीय परिवेश के अनुसार भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वे जलस्रोतों की स्वच्छता, वृक्षों के संरक्षण और जैविक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ा सकते हैं। वहीं शहरी क्षेत्रों में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने, वर्षा जल संचयन और घर के आसपास और छतों पर हरियाली बढ़ाने जैसे प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण को केवल एक श्दिवसश् या श्अभियानश् तक सीमित नहीं रखा जा सकता। विश्व पर्यावरण दिवस, वन महोत्सव या पृथ्वी दिवस जैसे अवसर हमें प्रेरणा अवश्य देते हैं, लेकिन वास्तविक परिवर्तन तब आता है जब पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाती है। पौधारोपण का महत्व तभी है, जब लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी की जाए। अनेक बार उत्साह में हजारों पौधे लगा दिए जाते हैं, लेकिन कुछ ही महीनों बाद उनकी ओर कोई ध्यान नहीं देता। इसलिए प्रत्येक छात्र को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह केवल पौधा लगाएगा ही नहीं, बल्कि उसके वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल भी करेगा।

आर्थिक कूटनीति का नया भारत और प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को ''रणनीतिक साझेदारी'' तक पहुंचाने का निर्णय लिया। पहली नजर में यह एक कूटनीतिक घोषणा लग सकती है, लेकिन इसके पीछे आर्थिक सोच कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर सात अरब न्यूज़ीलैंड डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं को दीर्घकालिक रूप से जोड़ने की रणनीति है। भारत यह संदेश भी दे रहा है कि वह निवेश, नवाचार और वैश्विक उत्पादन नेटवर्क का विश्वसनीय साझेदार बनना चाहता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बनी सहमति इस यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में है। भारत अब उन देशों के साथ एफटीए को प्राथमिकता दे रहा है, जहां घरेलू उद्योगों के हित सुरक्षित रहते हुए नए अवसर प्राप्त किए जा सकें। इस समझौते का लाभ निर्यात बढ़ाने के साथ ही बहुत व्यापक है। वस्तुतः यह डेयरी विज्ञान, कृषि अनुसंधान, खाद्य प्रसंस्करण, बागवानी, वानिकी, डिजिटल सेवाएं, शिक्षा, पर्यटन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में परस्पर सहयोग के साथ दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नई दिशा देगा। भारत की विशाल उपभोक्ता क्षमता और न्यूजीलैंड की तकनीकी विशेषज्ञता मिलकर ऐसी मूल्य शृंखला तैयार कर सकती है, जिसका लाभ दोनों देशों को मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के उद्योग जगत को जिन क्षेत्रों में निवेश का निमंत्रण दिया, वे सभी अति महत्व रखते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छ ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल इकॉनमी, शहरी गतिशीलता, विमानन, जल प्रबंधन और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्र आने वाले दशक की भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास इंजन माने जा रहे हैं। दरअसल, भारत अब विदेशी कंपनियों को सिर्फ अपने बाजार तक पहुंच नहीं दे रहा, वह उन्हें भारत के विकास अभियान का सहभागी बनने का आमंत्रण दे रहा है। यही कारण है कि ''मेक इन इंडिया'' की अवधारणा अब ''पार्टनर विद इंडिया'' के रूप में विकसित होती दिखाई दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा ऐसे समय हुई है, जब पूरी दुनिया नई आर्थिक साझेदारियों की तलाश में है। चार दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का यह न्यूजीलैंड दौरा है, जिसे हम कम से कम सामान्य राजनयिक घटना नहीं मान सकते हैं। वस्तुतः यह भारत की बदलती आर्थिक कूटनीति का सशक्त संकेत बनकर सामने आया है। यह यात्रा बताती है कि भारत अब अपनी विदेश नीति को सीधे आर्थिक विकास, निवेश, प्रौद्योगिकी, व्यापार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से जोड़ रहा है। वास्तव में यह उस नए भारत की विदेश नीति है, जिसमें हर राजनयिक पहल का अंतिम लक्ष्य देश की आर्थिक शक्ति को बढ़ाना है। कहना होगा कि भारत ने बीते एक दशक में भारत ने अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। पहले जहां राजनीतिक संवाद और रणनीतिक सहयोग प्रमुख विषय हुआ करते थे, वहीं अब व्यापार, निवेश, स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और सप्लाई चेन साझेदारी हर उच्चस्तरीय वार्ता का केंद्रीय हिस्सा बन चुके हैं।

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को ''रणनीतिक साझेदारी'' तक पहुंचाने का निर्णय लिया। पहली नजर में यह एक कूटनीतिक घोषणा लग सकती है, लेकिन इसके पीछे आर्थिक सोच कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर सात अरब न्यूज़ीलैंड डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं को दीर्घकालिक रूप से जोड़ने की रणनीति है। भारत यह संदेश भी दे रहा है कि वह निवेश, नवाचार और वैश्विक उत्पादन नेटवर्क का विश्वसनीय साझेदार बनना चाहता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बनी सहमति इस यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में है। भारत अब उन देशों के साथ एफटीए को प्राथमिकता दे रहा है, जहां घरेलू उद्योगों के हित सुरक्षित रहते हुए नए अवसर प्राप्त किए जा सकें। इस समझौते का लाभ निर्यात बढ़ाने के साथ ही बहुत व्यापक है। वस्तुतः यह डेयरी विज्ञान, कृषि अनुसंधान, खाद्य प्रसंस्करण, बागवानी, वानिकी, डिजिटल सेवाएं, शिक्षा, पर्यटन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में परस्पर सहयोग के साथ दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नई दिशा देगा। भारत की विशाल उपभोक्ता क्षमता और न्यूजीलैंड की तकनीकी विशेषज्ञता मिलकर ऐसी मूल्य शृंखला तैयार कर सकती है, जिसका लाभ दोनों देशों को मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के उद्योग जगत को जिन क्षेत्रों में निवेश का निमंत्रण दिया, वे सभी अति महत्व रखते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छ ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल इकॉनमी, शहरी गतिशीलता, विमानन, जल प्रबंधन और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्र आने वाले दशक की भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास इंजन माने जा रहे हैं। दरअसल, भारत अब विदेशी कंपनियों को सिर्फ अपने बाजार तक पहुंच नहीं दे रहा, वह उन्हें भारत के विकास अभियान का सहभागी बनने का आमंत्रण दे रहा है। यही कारण है कि ''मेक इन इंडिया'' की अवधारणा अब ''पार्टनर विद इंडिया'' के रूप में विकसित होती दिखाई दे रही है। विश्व अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा परिवर्तन पिछले पांच वर्षों में सप्लाई चेन के पुनर्गठन के रूप में सामने आया है। एक देश पर अत्यधिक निर्भरता के जोखिम ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों को वैकल्पिक उत्पादन केंद्र खोजने के लिए प्रेरित किया है। ''चाइना प्लस वन'' रणनीति ने भारत को अभूतपूर्व अवसर प्रदान किया है। भारत इस अवसर का लाभ कम लागत वाले उत्पादन केंद्र के रूप में उठाने के साथ एक ऐसे लोकतांत्रिक, स्थिर और विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्वयं को स्थापित कर रहा है, जहां उत्पादन, नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक वितरण एक साथ विकसित हो सकें। ऐसे में कहना यही होगा कि न्यूजीलैंड के साथ कृषि मूल्य शृंखला, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और समुद्री सहयोग पर दिया गया जोर इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। भारत और न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्थाएं भले अलग प्रकृति की हों, लेकिन उनकी ताकतें एक-दूसरे की पूरक हैं। न्यूजीलैंड कृषि अनुसंधान, डेयरी, पशुपालन और खाद्य गुणवत्ता में अग्रणी है, जबकि भारत के पास विशाल कृषि बाजार, कृषि स्टार्टअप, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता आधार है। यदि यह सहयोग व्यवहारिक स्तर तक पहुंचता है, तो भारतीय कृषि उत्पादन आधारित होने के साथ उच्च मूल्य वाली कृषि अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ेगी। इससे किसानों की आय, निर्यात क्षमता और ग्रामीण रोजगार इन तीनों को नई गति मिल सकती है। दुनिया आज भारत को बड़ी आबादी वाले देश के रूप में देखने के साथ उसे डिजिटल परिवर्तन के मॉडल के रूप में भी पहचान रही है। यूपीआई, डिजिटल भुगतान प्रणाली, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप संस्कृति और फिनटेक ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दी है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी इस न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान नवाचार, उभरती प्रौद्योगिकी और फिनटेक सहयोग पर विशेष बल दिया गया। यहां यह भी ध्यान देने योग्य है कि न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय की जो भूमिका है, वह व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और उद्यमिता में दोनों देशों के बीच भरोसे का आधार तैयार करती है। आज प्रवासी भारतीय निवेश, नवाचार, स्टार्टअप सहयोग और बाजार विस्तार के सबसे प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। यही कारण है जो न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन द्वारा भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक, महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक शक्ति और हिंद-प्रशांत का प्रमुख साझेदार बताया जा रहा है। वे देख रहे हैं कि भारत भविष्य की आर्थिक वृद्धि के केंद्र के रूप में है। वास्तव में भारत भू-अर्थनीति का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। उसकी विदेश नीति का लक्ष्य स्पष्ट है; विश्वसनीय साझेदारी, सुरक्षित सप्लाई चेन, तकनीकी सहयोग, मुक्त व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और निवेश प्रवाह के माध्यम से भारत की आर्थिक क्षमता का अधिकतम विस्तार। प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा इसी व्यापक दृष्टि का सशक्त उदाहरण है। यह यात्रा बताती है कि आने वाले वर्षों में भी भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा उद्देश्य अपने अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को आर्थिक समृद्धि में बदलते रहना होगा। यदि यही नीति निरंतरता के साथ आगे बढ़ती है, तो भारत निश्चित ही वैश्विक निवेश, नवाचार, उत्पादन और विश्वसनीय सप्लाई चेन का केंद्रीय स्तंभ बनने की दिशा में भी निर्णायक बढ़त हासिल करेगा। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा लक्ष्य है और यही भारत की नई आर्थिक कूटनीति की वास्तविक पहचान भी आज के वक्त में हमें नजर आती है। **-डॉ. मयंक चतुर्वेदी**

साम्राज्वाद के विरोध में ईरान का प्रतीकः 'बंद मुट्ठी'

तनवीर जाफ़री

ईरानी सुप्रीम लीडर शहीद आयतुल्लाह ख़ामनेई की पिछले दिनों 4 से 9 जुलाई के मध्य हुई विश्व की सबसे बड़ी अंत्येष्टि को दुनिया ने देखा। लगभग एक सप्ताह तक चले अंत्येष्टि के इस आयोजन में ईरान व इराक़में लगभग दो हज़ार किलोमीटर की शवयात्रा निकाली गयी, करोड़ों की भीड़ को विभाजित करने के लिये तेहरान साहित कई प्रमुख शहरों में नमाज़-ए-जनाज़ा पढ़ाई गयी। यह ऐतिहासिक जनसैलाब न केवल अमेरिका इस्राईल के मिसाईल हमले में शहीद अपने रहबर व उनके शहीद परिजनों को रोते बिलखते हुये श्रद्धांजलि दे रहा था बल्कि भारी ग़ुस्से का भी इज़हार कर रहा था। लाखों लोग बदले का प्रतीक लाल परचम उठाये हुये थे जबकि सैकड़ों बैनर पोस्टर पर अंग्रेज़ी में 'किल ट्रंप' लिखकर अमेरिका को ईरानियों का सीधा सन्देश भी दिया गया था। ग़म और ग़ुस्से के संदेशों से भरे इन्हीं परचमों,पोस्टर्स व बैनर्स के बीच एक 'विशेष प्रतीक' ने भी पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यह था 'बंद व बुलंद मुट्ठी ' का प्रतीक। ख़बर है कि शहादत के वक़्त भी उनकी मुट्ठी बंधी हुई थी। दरअसल बंद मुट्ठी का अर्थ आम तौर पर प्रतिरोध, एकजुटता, और संघर्ष को जारी रखने का संकेत होता है। आयतुल्लाह ख़ामनेई की शहादत के संदर्भ में इसे उनके समर्थकों व राजनीतिक व धार्मिक पक्षों की तरफ़ से यह संदेश माना गया कि वे उनकी विरासत, उनके विचार और ईरान की मौजूदा सत्ता-रचना के साथ खड़े हैं। इतिहास गवाह है कि 'बंद मुट्ठी' दुनिया भर में पहले भी कई वैश्विक आंदोलनों में ख़ासकर साम्राज्यवादी शक्तियों के विरोध और दृढ़ता का प्रतीक रही है। इस प्रतीक को केवल शोक का ही नहीं, बल्कि ल्लहम पीछे नहीं हटेंगेङ्क हम डटे रहेंगे व हमारा संकल्प दृढ़ है,हम संगठित हैं जैसे राजनीतिक संदेशों के रूप में भी समझा जाता है। इसी तरह ख़ामनेई की शहादत के बाद जो पोस्टर लगाए गए, उनमें बंद मुट्ठी को उनकी सत्ता, विचारधारा और समर्थक नेटवर्क की निरंतरता के प्रतीक की तरह इस्तेमाल किया गया। इसका आशय यह भी हो सकता है कि उनके अनुयायी इसे केवल मृत्यु नहीं, बल्कि संघर्ष और प्रतिरोध के नए चरण की शुरुआत मान रहे हैं। वैसे भी दास्तान-ए-करबला से प्रेरणा लेने वाली शिया क़ौम में राजनीति और प्रतीकों में शोक, प्रतिशोध और न्याय की भाषा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसलिए ऐसी छवियाँ भावनात्मक रूप से यह भी कहती हैं कि समुदाय अपने नेता की ल्लशहादतङ्क या मृत्यु को निजी दुख के साथ-साथ सामूहिक संकल्प में बदल रहा है। बंद मुट्ठी का मतलब यह भी है कि हम शोक में तो ज़रूर हैं लेकिन हम कमज़ोर नहीं हैं और हम विरोध का अपना रास्ता भी जारी रखेंगे। बंद मुट्ठी का प्रतीक यह भी दर्शाता है कि हम कमज़ोर, बिखरे हुये या नेतृत्व-हीन नहीं हैं बल्कि हमारा संगठन, विचारधारा और सामूहिक अनुशासन अभी भी मज़बूत है। पोस्टर और प्रतीक केवल तर्क से नहीं, भावना से भी काम करते हैं। बंद मुट्ठी, शोक को क्रोध, स्मृति और प्रतिशोध की राजनीति में बदल देती है, जिससे समर्थकों में एक सामूहिक पहचान और ल्लहम बनाम वेङ्क की भावना मज़बूत होती है। ऐसे पोस्टर आंतरिक सत्ता-संघर्ष में भी काम आते हैं, क्योंकि वे उत्तराधिकार या नेतृत्व-रिक्ति के समय समर्थकों को एक धुरी के चारों ओर इकट्ठा करते हैं। इससे जनता को यह संदेश जाता है कि सत्ता या व्यवस्था अभी भी नियंत्रण में है और बिखराव नहीं हुआ। आम तौर पर ऐसे प्रतीक तीन स्तरों पर अपना व्यापक प्रभाव छोड़ते हैं। एक तो सड़क पर समर्थकों का मनोबल बढ़ाने में,दूसरा नेतृत्व की वैधता दिखाने और तीसरे अपने विरोधियों को यह संकेत देने में कि संघर्ष वैचारिक रूप से जारी रहेगा। इसलिए इसे केवल एक चित्र नहीं, बल्कि राजनीतिक संचार की रणनीति समझना चाहिए। साथ ही बाहरी दुनिया के लिए भी यह प्रतीक एक तरह की चेतावनी है कि ईरान-समर्थक धड़ा किसी भी स्वयंभू महाशक्ति के दबाव में झुकने वाला नहीं है। ईरान में शहीद ख़ामनेई की अंत्येष्टि में करोड़ों शोकाकुल लोगों के बीच इस तरह के संकेत का पोस्टर बैनर्स में नज़र आना साथ ही बार बार उपस्थित करोड़ों लोगों द्वारा ग़ुस्से में यही प्रतीक बनाकर और बुलंद कर व अमेरिका, इज़राइल के विरुद्ध गगनचुंबी नारे लगाकर प्रतिद्वंद्वियों को सीधा संदेश दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व उनके ख़ास सहयोगी देश इस्राईल के साम्राज्वादी इरादों को दुनिया देख ही रही है।

सेहत मंत्र

कैंसर, डायबिटीज और पुरुषों की कमजोरी को दूर करता है खुबानी

खुबानी, जिसे अंग्रेजी में एप्रीकॉट कहते हैं कई औषधीय गुणों का भंडार है। खुबानी ढेर सारे विटामिन, मिनरल और अन्य पोषक तत्वों से भरा होता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। खुबानी वजन घटाने में तो मददगार है ही साथ ही यह गैस्ट्रिक की बीमारी भी दूर करता है। खुबानी अपने आकार और मीठे स्वाद के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। खुबानी में पाए जाने वाले पोषक तत्व आपको ने केवल कैंसर बल्कि मधुमेह रोगियों के लिए फायदे का सौदा है। इसके साथ ही यह पुरुषों की मर्दाना ताकत को बढ़ाने में भी लाभकारी है। अगर आप खुबानी से होने वाले स्वास्थ्य लाभ से अंजान हैं तो हम आपको इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताने जा रहे हैं। मीठे फलों में शुमार खुबानी की गुठली में पाया जाने वाला एमिगडलिन नाम के रासायनिक तत्व की पहचान कैंसर रोधी के रूप में हुई है। एमिगडलिन एक सायनोजेनिक ग्लाइकोसाइड है, जिसे विशेषज्ञों ने प्राकृतिक रूप से कैंसर रोधी तत्व के रूप में परिभाषित किया है। खुबानी एक ऐसा फल है, जिसमें कई ऐसे एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो ह्रदय संबंधी बीमारियों को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। इससे न केवल कई बीमारियां दूर रहती है बल्कि आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर पर नियंत्रित रहता है। ज्यादातर बीमारियां हमारे पेट से शुरू होती हैं चाहें वह अपच के कारण गैस हो या फिर पेट दर्द। अगर आप इस तरह की समस्या से परेशान हैं तो खुबानी आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। खुबानी आपके पेट को आराम पहुंचाने में लाभकारी है। खुबानी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को सही से चलाने में मदद कर सकता है। दरअसल पाचन तंत्र कमजोर होने पर मोटापा काफी जल्दी बढ़ता है। आपको बता दें कि 1 खुबानी में 3 प्रतिशत फाइबर होता है, जो आपकी पाचन क्रिया को अच्छा बनाने में मदद करता है।

धर्म मंत्र

भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी है काशी

गंगा किनारे बसे काशी को भगवान शिव की नगरी और भोलेनाथ को काशी का महाराजा कहा जाता है। यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इस मंदिर में भगवान शिव के दर्शनों के लिए हर रोज लाखों भक्त आते हैं, लेकिन सोमवार का दिन विशेष होता है। यहां की गंगा आरती दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बाबा विश्वनाथ के नाम से दुनिया भर में प्रसिद्ध यह शिवलिंग 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। कहा जाता है कि गंगा किनारे स्थापित इस मंदिर की स्थापना 1490 में हुई थी। ऐसी पौराणिक मान्यता है कि भगवान शिव गंगा के किनारे इस नगरी में निवास करते हैं। उनके त्रिशूल की नोक पर काशी बसी है। भगवान शिव काशी के पालक और संरक्षक है, जो यहां के लोगों की रक्षा करते हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर के ऊपर एक सोने का छत्र लगा हुआ है। ऐसा मान्यता है कि इस छत्र के दर्शन से लोगों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी के बारे में एक और बात कही जाती है कि जब पृथ्वी का निर्माण हुआ तो सूर्य की पहली किरण काशी पर ही पड़ी थी। काशी नगरी को मोक्ष की नगरी भी कहा जाता है। मान्यता है कि बाबा विश्वनाथ के दरबार में उपस्थिति मात्र से ही भक्त को जन्म-जन्मांतर के चक्र से मुक्ति मिल जाती है। सावन के माह में बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। उस दौरान अभिषेक से भगवान शिव जल्द प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। हालांकि, सोमवार के दिन भी यहां भारी संख्या में भक्त काशी के राजा महादेव के दर्शनों के लिए विशेष तौर पर आते हैं।

पर्यटन

कुदरत का खूबसूरत उपहार है कोडाइकनाल बारिश में यहां आकर करें जमकर मस्ती

हर तरफ हरा ही हरा नजर आता है यहां। ज्यों-ज्यों आप ऊंचाई पर चढते जाते है, पूरा लैंडस्केप बदलता जाता है। एकाएक हवा में ठंडक बढ़ जाती है और स्वेटर-शॉल की जरूरत महसूस होने लगती है। सारा दृश्य यूकेलिप्टस के ऊंचे-ऊंचे पेड़ों और बहुरंगी जंगली फूलों से भरा नजर आता है। इनमें गहरा गुलाबी और बैंगनी रंग प्रमुख है। घने जंगलों के बीच सजीली वादियां, चोटियों के नीचे उड़ता बादल और दूर-दूर तक नजर आने वाली बलखाती पगडंडियां..इस पूरे इलाके को किसी स्वप्नलोक-सा सुंदर बना देती हैं। दक्षिण भारत के श्रेष्ठ हिल स्टेशन में से एक है कोडाइकनाल। यह मदुरै शहर से तकरीबन 120 किमी. दूर पश्चिमी घाट की पलानी पहाड़ियों के बीच स्थित है। बारिश में आप भले ही फिसलन आदि मुश्किलों से बचने के लिए हिल स्टेशन से थोड़ा परहेज करना चाहते हों लेकिन यहां जाकर आपका यह डर दूर हो जाएगा। एक बार बारिश में इसे देख लें तो यकीनन इसके आकर्षण से बचना मुश्किल होगा। हर मौसम में कोडाइकनाल सुंदर दिखता है लेकिन बारिश में यह और हसीन हो जाता है। प्रेमी युगलों का प्रिय पड़ाव है कोडाइकनाल, जो बारिश के मौसम में भी यहां खूब नजर आते हैं। इसका रोमानी आकर्षण ही है कि यह भारत के सबसे लोकप्रिय हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है। शहरी जीवन की भीड़भाड़ से दूर एकांत के आगोश में बसा यह हिल स्टेशन तकरीबन 7,200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इसकी अहमियत आप इस बात से भी समझ सकते हैं कि इसे 'हिल स्टेशन की राजकुमारी' भी कहा जाता है ! ऊंची पहाड़ियों से घिरे नजारों के बीच पैदल चलते जाने और नीचे मैदानी इलाकों का सौंदर्य निहारने का आनंद क्या होता है यह आप यहां महसूस कर सकते हैं। दरअसल, यहां नेबो पर्वत के इर्द-गिर्द यह करीब एक किलोमीटर लंबा पाथ-वे है जिस पर लोग पैदल घूमते नजर आएंगे। यहां से नीचे घाटी में कभी बादलों के टुकड़े तो कभी घने कोहरे के बीच सेल्फी लेते पर्यटकों की खुशी देखते ही बनती है।

भारतीय वैदिक धर्माचार्य पुरोहित संस्थान के संकल्प समारोह में पुरोहितों के सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। भारतीय वैदिक धर्माचार्य पुरोहित संस्थान (उत्तर प्रदेश) के तत्वाधान में रविवार को गांधी भवन सभागार में ''संकल्प समारोह'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुरोहित समाज के सम्मान, संगठन और अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. श्याम सुंदर दीक्षित तथा अध्यक्षता डॉ. बृज किशोर पांडेय ने की।

पुरोहित समाज संस्कृत का संवाहक, समाज का मार्गदर्शक और तीर्थ परंपराओं का प्रहरी है, जिसने सदियों से सनातन संस्कृति को जीवंत बनाए रखा है।

बदलते समय में पुरोहित समाज आर्थिक और सामाजिक उपेक्षा पर बातों ने गंभीरता से चर्चा की। और पुरजोर कहा कि ऐसे में समाज का दायित्व है कि वह पुरोहितों को उचित सम्मान और सहयोग प्रदान करे। उन्होंने कहा कि दक्षिणा को कभी फीस न समझें, बल्कि पुरोहित के सम्मान का प्रतीक मानें। अपने बच्चों को संस्कृत और कर्मकांड की शिक्षा के लिए प्रेरित करें, ताकि सनातन संस्कृति की परंपरा सुरक्षित रह सके।

मुख्य अतिथि डॉ. श्याम सुंदर दीक्षित ने कहा कि भारतीय वैदिक धर्माचार्य पुरोहित संस्थान समाज को संगठित करने और पुरोहितों के सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता से ही पुरोहितों का गौरव और सनातन संस्कृति की गरिमा सुरक्षित रह सकती है।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. बृज किशोर पांडेय ने कहा कि पुरोहित समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पुरोहितों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आना होगा। उन्होंने सभी से धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में पुरोहितों को उचित सम्मान देने और उनके साथ खड़े रहने का आह्वान किया।महंत बीपी दास ने कहा कि ''यदि समाज की कोई वास्तविक रीढ़ है तो वह पुरोहित समाज है।'' उन्होंने कहा कि पुरोहित केवल पूजा-पाठ कराने वाले नहीं हैं, बल्कि धर्म और संस्कृति के सच्चे रक्षक हैं। कार्यक्रम में साहित्यकार अजय सिंह गुरुजी, बाल आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुचिता चतुर्वेदी व समाजसेवी अतुल कुमार सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे। समारोह में डॉ. सुनील त्रिवेदी, डॉ. अरुण सिंह, हनुमान मिश्र, रामशंकर मिश्र, पोषण शुक्ल, उदय चंद्र गुप्ता, अमरनाथ तिवारी, नागेंद्र ओझा, गोविंद मिश्र, वैद्यप्रकाश, सर्वेंद्र मिश्र, शैलेन्द्र तिवारी, रमेश्वर जोशी, मुकेश त्रिवेदी, कपिलमुनि मिश्र सहित बड़ी संख्या में पुरोहित, विद्वान और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि पुरोहित समाज के सम्मान, संगठन और अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास करेंगे तथा सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। समारोह का समापन राष्ट्र और धर्म की उन्नति तथा समाज में एकता के संदेश के साथ हुआ।

रेलमेध यज्ञ समाजसेवा और धर्मजागरण का प्रेरक अभियान : डॉ. राजेंद्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर संचालित रेलमेध यज्ञ अभियान के अंतर्गत रेल यात्रियों को मिष्ठान एवं शीतल जल वितरित कर सेवा का कार्य निरंतर किया जा रहा है। रविवार को त्रिवेदीगंज रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. राजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि रेलमेध यज्ञ केवल सेवा का अभियान नहीं, बल्कि समाज में परोपकार, संस्कार और धर्मजागरण का प्रेरणादायी संदेश देने वाला महाअभियान है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की निस्वार्थ सेवा भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है, जिससे समाज में मानवता और सद्भाव की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम में संयोजक अमित अवस्थी 'अधिवक्ता' ने सेवा कार्य में सक्रिय धर्मसेवकों को स्मृतिचिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर रिटायर्ड जेलर विनोद कटियार, युगल दीक्षित, प्रह्लाद जैसवाल, राकेश तिवारी, शिवशंकर सिंह, जगदीश, आनंद कुमार सिंह, मुन्नालाल वर्मा, बलजीत अरोड़ा, राजू त्रिवेदी, डॉ. ऋषिकांत शुक्ल, अशोक कुशवाहा सहित अनेक धर्मसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धर्मजागरण के त्रिवेदीगंज रेलवे स्टेशन प्रभारी सुशील मौर्य ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रेलमेध यज्ञ के माध्यम से सेवा और संस्कार का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

प्रकृति के ऋण को चुकाने का प्रयास बना बाराबंकी कप पौधरोपण महाअभियान

माँ के नाम रोपे गए पौधे, हरियाली के साथ भविष्य को मिला जीवन का संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। ''वृक्ष केवल धरती की शोभा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की सबसे अनमोल विरासत हैं।'' इसी भाव के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के पौधरोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत रविवार को जिला चिकित्सालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम ने केवल पौधे लगाने का संदेश नहीं दिया, बल्कि मातृत्व, प्रकृति और जीवन के अटूट संबंध को भी नई अभिव्यक्ति प्रदान की। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह, एमएलसी अंगद सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजन गौतम, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जयप्रकाश मौर्य सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला चिकित्सालय परिसर में जब अधिकारियों, चिकित्सकों और कर्मचारियों ने अपने हाथों से पौधे रोपे, तब यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक भावनात्मक अवसर बन गया। रोपे गए पौधे मानो यह संदेश दे रहे थे कि जिस प्रकार माँ अपने बच्चों को स्नेह, सुरक्षा और जीवन देती है, उसी प्रकार वृक्ष भी मानवता को शुद्ध वायु, छाया, जल संरक्षण और जीवन का आधार प्रदान करते हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'वृक्षो रक्षति रक्षितः' का संदेश देते हुए कहा कि यदि हम वृक्षों की रक्षा करेंगे तो वृक्ष हमारी रक्षा करेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से अपनी माँ के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''माँ और वृक्ष दोनों ही निःस्वार्थ भाव से जीवन देते हैं। वृक्ष पृथ्वी की अमूल्य धरोहर हैं। स्वच्छ पर्यावरण, संतुलित जलवायु और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए उनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पौधरोपण तभी सार्थक होगा जब हम उन्हें वृक्ष बनने तक संजोकर रखें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधों की नियमित देखभाल, संरक्षण और संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया। वन विभाग के सहयोग से संपन्न हुए इस अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रभावी संदेश दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजन गौतम ने कहा कि स्वस्थ समाज और स्वस्थ पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार चिकित्सालय मानव जीवन की रक्षा करता है, उसी प्रकार वृक्ष मानव स्वास्थ्य की रक्षा के सबसे बड़े प्राकृतिक साधन हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जयप्रकाश मौर्य ने कहा कि वृक्ष केवल ऑक्सीजन का स्रोत नहीं, बल्कि जीवन और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए जनसहभागिता ही सबसे प्रभावी उपाय है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने हरित, स्वच्छ और स्वस्थ उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प दोहराया। जिला चिकित्सालय परिसर में रोपे गए पौधे आने वाले वर्षों में न केवल हरियाली का विस्तार करेंगे, बल्कि यह भी स्मरण कराएंगे कि प्रकृति का संरक्षण ही मानव सभ्यता के सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी है।

अतिक्रमण और सरकारी उपेक्षा से अस्तित्व खो रहा प्राचीन देवस्थान व तालाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। नगर पंचायत रामनगर के बम्भनी के निकट स्थित प्राचीन हरदेव लाल बाबा का देवस्थान और उससे जुड़ा ऐतिहासिक तालाब अतिक्रमण तथा सरकारी उपेक्षा के कारण धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खो रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्षों से देवस्थान की भूमि पर अतिक्रमण होता रहा, लेकिन प्रशासन और नगर पंचायत की ओर से इसे बचाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों के अनुसार हरदेव लाल बाबा की समाधि अत्यंत प्राचीन है। मान्यता है कि बाबा ने इसी स्थान पर जीवित समाधि ली थी। पहले यहां चौतरेनुमा समाधि और उसके निकट एक पक्का तालाब था। मंगलवार और रविवार को दूर-दूर से श्रद्धालु यहां स्नान कर पूजा-अर्चना करते थे। लोगों का विश्वास था कि तालाब में स्नान करने से अनेक बीमारियों से राहत मिलती थी। केसरीपुर से श्री लोधेश्वर महादेव धाम जाने वाले मार्ग पर शिवनाले के किनारे स्थित यह स्थान लंबे समय तक क्षेत्र की प्रमुख आस्था का केंद्र रहा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान में देवस्थान के आसपास अतिक्रमण हो चुका है और तालाब झाड़-झंखाड़ से पट गया है। तालाब में अब पानी भी नहीं बचा है, जिससे इसकी धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि नगर पंचायत अध्यक्ष रामशरण पाठक ने पूर्व में स्थल की पैमाइश कराई थी, लेकिन उसके बाद न तो अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हुई और न ही तालाब के संरक्षण अथवा सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू कराया गया। लोगों का कहना है कि वार्डों के विस्तार के बाद यह क्षेत्र नगर पंचायत की सीमा में शामिल है, इसलिए इसकी सुरक्षा और विकास की जिम्मेदारी भी नगर पंचायत की है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से देवस्थान को अतिक्रमण मुक्त कराने, प्राचीन तालाब का पुनर्जीवन एवं सौंदर्यीकरण कराने तथा इस धार्मिक धरोहर को संरक्षित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत हमेशा के लिए समाप्त हो सकती है।

स्वामी ई मोटर्स शोरूम का भव्य शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी।अयोध्या रामसनेही घाट सीमा पर स्थित रानीमऊ चौराहे पर बुधवार को स्वामी ई मोटर्स शोरूम का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नवदेवी स्वरूप कन्याओं ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं शंखनाद के बीच फीता काटकर किया।इस दौरान कन्याओं का सम्मान कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया गया। अतिथियों ने शोरूम संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वामी ई मोटर्स के शुरू होने से मवई एवं रानीमऊ क्षेत्र के लोगों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण वाहन सेवाएं अब स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी।शोरूम के संचालक अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ,माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र देकर किया गया।कार्यक्रम के अंत में शोरूम प्रबंधक दिवाकर बाबा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए बेहतर सेवा देने का संकल्प लिया।समारोह में रामबाबू मिश्रा ,अमर बहादुर सिंह, कुलदीप जयसवाल,शिव शंकर तिवारी, ज्ञानचंद सकसेना, राजेंद्र त्रिवेदी, कांग्रेस पार्टी के सदस्य अब्दुला शेर खान, मनीष रावत, विनय पांडे,अमित शुक्ला, अरमान अंसारी, अवधेश वर्मा और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

आज रोपे गए पौधे, कल की सांसों का आधार बनेंगे : आलोक तिवारी

नगर पंचायत में रोपित किए गए सैकड़ों पेड़ , संरक्षण पर भी दिया गया जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी । प्रदेशव्यापी वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत नगर पंचायत हैदरगढ़ में रविवार को बड़े स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर छायादार, फलदार एवं पर्यावरण संरक्षण में सहायक पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, नगर पंचायत अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की विशेषता केवल पौधे लगाना ही नहीं रही, बल्कि उनके संरक्षण और नियमित देखरेख की ठोस कार्ययोजना भी तैयार की गई। नगर पंचायत द्वारा रोपित पौधों की निगरानी, सिंचाई एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारियां तय की गई हैं, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर क्षेत्र को हरियाली प्रदान कर सकें।

नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन का आधार नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की भी गारंटी हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी रोपित पौधों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, आवश्यक स्थानों पर ट्री गार्ड लगाए जाएं तथा उनकी सुरक्षा और देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने कहा, ''पौधरोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाया गया प्रत्येक पौधा जीवित रहकर वृक्ष का रूप धारण करे। नगर पंचायत पौधों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए पूरी गंभीरता से कार्य करेगी तथा समय-समय पर उनकी समीक्षा भी की जाएगी। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी इंद्रभान ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत द्वारा पौधों की देखरेख के लिए नियमित निरीक्षण की व्यवस्था की जा रही है तथा कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

सेल्फी प्वाइंट बना आकर्षण का केंद्र, पौधरोपण को जनआंदोलन बनाने की अनूठी पहल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीडीओ पूजा की पहल से ग्रीन क्रांति की ओर हैदरगढ़

हैदरगढ़ बाराबंकी । प्रदेशव्यापी वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत विकास खंड हैदरगढ़ की ग्राम पंचायत बरावा में रविवार को व्यापक स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में पौधरोपण के साथ-साथ लोगों को संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया, जो पूरे आयोजन का आकर्षण केंद्र बना रहा।ब्लॉक प्रशासन की ओर से इस अभियान के लिए पूर्व से ही विशेष कार्ययोजना तैयार की गई थी। कार्यक्रम के दौरान लगाए गए पौधों की सुरक्षा, सिंचाई और नियमित देखरेख पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों का कहना रहा कि पौधरोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधे सुरक्षित रहकर वृक्ष का रूप धारण करें ।कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी पूजा सिंह ने पौधरोपण करने के बाद सेल्फी प्वाइंट पर तस्वीर खिंचवाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में सेल्फी प्वाइंट केवल तस्वीर लेने का स्थान नहीं, बल्कि जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम है। जब लोग पौधरोपण से जुड़ी तस्वीरें साझा करेंगे तो पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगा और वृक्षारोपण एक जनआंदोलन का रूप ले सकेगा।

बाराबंकी में शंकराचार्य का भव्य स्वागत, गोरक्षा और 'राष्ट्र माता' के मुद्दे पर गरजे छह विधानसभाओं में दिखा जनसमर्थन, रामनगर प्रशासन ने रद्द की अनुमति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का रविवार को बाराबंकी जनपद में भव्य स्वागत हुआ। गोरक्षा के लिए संचालित उनकी 81 दिवसीय ''गविषि (गोरक्षार्थ-धर्मयुद्ध) यात्रा'' के दौरान उन्होंने हैदरगढ़, जैदपुर, दरियाबाद, रामनगर, फतेहपुर और नवाबगंज समेत जिले की सभी छह विधानसभाओं का भ्रमण किया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और जयघोष के बीच उनका अभिनंदन किया। यात्रा को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल रहा। मीडिया से बातचीत में शंकराचार्य ने कहा कि गाय को राष्ट्र माता का दर्ज़ा दिलाने के लिए पूरा हिंदू समाज संघर्ष करेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और राष्ट्रीय अस्मिता का विषय है। उन्होंने सभी सनातन धर्मावलंबियों से इस अभियान में एकजुट होकर भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि यदि महाराष्ट्र सरकार गाय को सम्मानजनक दर्ज़ा दे सकती है तो उत्तर प्रदेश सरकार भी इस दिशा में पहल कर सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार गाय को माता का दर्ज़ा देने के बजाय केवल पशु मान रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गाय को राष्ट्र माता का दर्ज़ा मिलने तक उनका जनजागरण अभियान निरंतर जारी रहेगा और पूरे देश में लोकतांत्रिक तरीके से जनमत तैयार किया जाएगा। शंकराचार्य ने मुस्लिम समाज के उन लोगों की भी सराहना की जिन्होंने भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की भावना से गौहत्या से दूरी बनाई है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और गोरक्षा एक-दूसरे के पूरक हैं तथा सभी समाजों को मिलकर इस दिशा में कार्य करना चाहिए। यात्रा के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के देवीगंज चौराहे पर समर्थकों के साथ शंकराचार्य का भव्य स्वागत किया। उन्होंने आरती उतारकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा गौ संरक्षण और गोरक्षा के अभियान का समर्थन करते हुए गाय को राष्ट्र माता का दर्ज़ा दिलाने के आंदोलन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। शंकराचार्य के दौरे, गोरक्षा पर उनके तीखे बयान और विभिन्न स्थानों पर उमड़े जनसमर्थन ने बाराबंकी के राजनीतिक एवं सामाजिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। जिले भर में उनके स्वागत और गौ संरक्षण के मुद्दे को लेकर दिनभर व्यापक चर्चा होती रही। ''रामसनेहीघाट'' नगर पंचायत में रविवार को जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज 1008 की गो रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा का छोटी हनुमानगढ़ी मंदिर, भिटरिया चौराहा और सरस्वती मैरिज लॉन में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं तथा समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख संतोष वर्मा एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य अब्दुल्लाह शेर खान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सन्तोष वर्मा ने की। इस अवसर पर सांसद तनुजा पुनिया विमल कुमार जायसवाल, चखनलाल यादव, मनीष रावत, आलोक श्रीवास्तव, भानू वर्मा, भस्मा प्रसाद मिश्र, मिथिलेश गौतम, सुरेंद्र सिंह, विनय मिश्रा, अकील अहमद,नीरज मिश्रा, अजय शुक्ला, विकास वर्मा, पन्नालाल वर्मा, फतेह बहादुर वर्मा, शरीफ इदरीसी,रामफ़ेर रावत सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ''रामनगर'' महादेवा के ऑडिटोरियम में शंकराचार्य जी का स्वागत की भव्य तैयारी की गई थी। कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन ने बाकायदा लिखा पढ़ी में अनुमति भी प्राप्त की थी। प्रशासन द्वारा और वक्त अनुमति रद्द कर दी गई। उत्साहित जनमानस ने तुरंत ऐतिहासिक तीर्थ कुरुक्षेत्र में आयोजन की तैयारी की। देर शाम हजारों की भीड़ कुरुक्षेत्र तीर्मैथ में एकत्रित हुई। जैदपुर'' विधायक गौरव रावत ने शंकराचार्य महराज जी को कमंडल व त्रिशूल देकर सिद्धौर में स्वागत किया।इस मौके पर सांसद तनुज पुनिया,जिला पंचायत सदस्य सोनी यादव, जितेन्द्र वर्मा,राहुल यादव,समेत तमाम पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।स्वागत पश्चात शंकराचार्य महराज जी ने अपने संबोधन में कहा कि गौ माता को राष्ट्र माता का दर्ज़ा दिलाने के लिए,जब तक गाय को राष्ट्र माता का दर्ज़ा नहीं मिलेगा जन जागरण अभियान चलता रहेगा।इस मौके पर सपा व कांग्रेस के तमाम पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा श्रद्धालू ,आमजन मौजूद रहे।

करंट से राज मिस्त्री की मौत

फतेहपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली के मिर्ज़ापुर गांव में बल्ब ठीक करते समय 50 वर्षीय राजमिस्त्री राजी करंट की चपेट में आ गए। बिजली का तार गले से छूते ही वह जमीन पर गिर पड़े। परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। मृतक राजमिस्त्री मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे।

संतोष सिंह अध्यक्ष राहुल तिवारी मंत्री तो वेद प्रताप बने कोषाध्यक्ष

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सम्बद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नव नियुक्त अध्यक्ष संतोष सिंह जिलामंत्री राहुल तिवारी वेद प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष को प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने निजी कार्यक्रम में मान्यता पत्र प्रदान की। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने जनपद सुल्तानपुर की जिला शाखा की नई कार्यकारिणी को विधिवत मान्यता प्रदान करते हुए प्रदेश नेतृत्व द्वारा जारी आदेश के अनुसार संतोष कुमार सिंह सहायक अध्यापक कम्पोजिट स्कूल कैथापुर बेलडाडी लंभुआ को जिलाध्यक्ष, राहुल तिवारी सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय घाटमपुर लंभुआ को जिला महामंत्री और वेद प्रताप सिंह सहायक अध्यापक डीह बल्दीराय को जिला कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शिक्षकों के सम्मान अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध है। नव नियुक्त अध्यक्ष संतोष सिंह और जिला महामंत्री राहुल तिवारी ने प्रदेश उपाध्यक्ष को आश्वस्त किया कि सुलतानपुर की धरती से पंडित भद्रासेन पाण्डेय के नेतृत्व में शिक्षकों को सम्मान मिला उसी तर्ज़ पर उनका अनुभव, समर्पण और नेतृत्व से प्रेरणा लेकर संगठन को नई ऊर्ज़ा प्रदान करेंगे तथा शिक्षकों की समस्याओं के समाधान एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर जनपद गोरखपुर फैजाबाद स्नातक क्षेत्र के एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के प्रतिनिधि डॉ अजय सिंह, अमेठी के संयुक्त मंत्री अनिल कुमार यादव, ब्लॉक अध्यक्ष मुसाफिरखाना संतोष कुमार यादव, ब्लॉक अध्यक्ष जगदीशपुर अकील अहमद, के के सिंह पूर्व अध्यक्ष कुड़वार, कूरेभार ब्लॉक से आवेश विक्रम सिंह, लंभुआ ब्लॉक से जितेंद्र त्रिपाठी, भदैया ब्लॉक से प्रमेंद्र विक्रम सिंह, दुबेपुर ब्लॉक से बृजेश मौर्य, बल्दीराय ब्लॉक से संदीप सिंह, अखिलेश वर्मा, अतरसेन यादव शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों में उत्साह का वातावरण है।

राणा की जगह वनडे टीम में प्रिंस, जिम्बाब्वे टी20 के लिए वरुण की जगह बिश्नोई

एजेंसी

बर्मिंघम। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती मांसपेशियों में खिंचाव के कारण अनिश्चितकाल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह भारत की आगामी एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों में क्रमशः प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को शामिल किया गया है। प्रिंस, राणा की जगह इंग्लैंड में भारतीय एकदिवसीय टीम से जुड़ेंगे। ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के 17वें ओवर में 29 रन खर्च कर भारत की हार के कारण बने लेग स्पिनर बिश्नोई को जिम्बाब्वे में इस महीने के आखिर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए चक्रवर्ती की जगह एक और मौका मिला है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा, ''राणा ने ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय के दौरान अपने दाहिने पैर में अचानक तकलीफ महसूस की। बाद में हुए स्कैन में 'ग्रेड-एक हैमस्ट्रिंग' चोट की पुष्टि हुई। बयान के अनुसार, ''उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। आगे की जांच और उपचार के लिए उन्हें बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) भेजा जाएगा। चक्रवर्ती 'ग्रेड-दो हैमस्ट्रिंग' चोट से जूझ रहे हैं। इस चोट के कारण उनके पूरी तरह फिट होने में तीन से छह महीने का समय लग सकता है। वह 35 वर्ष के होने वाले हैं, ऐसे में फिटनेस हासिल करने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगने की संभावना है। बीसीसीआई के मुताबिक, ''इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान चक्रवर्ती को बाएं पैर की मांसपेशियों में अचानक तकलीफ महसूस हुई। बाद में एमआरआई स्कैन में 'ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग' चोट की पुष्टि हुई।'' बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, ''विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह के आधार पर उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। वह इलाज के लिए बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में रहेंगे। **इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अपडेटेड टीम:** शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़ और प्रिंस यादव। **जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत की अपडेटेड टीम:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर) और रवि बिश्नोई।

लॉर्ड्स की सम्मान पट्टिका पर नाम होना बेहद गर्व की बात: क्रांति गौड़

एजेंसी

लंदन। भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने के बाद 'लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड' (सम्मान पट्टिका) पर नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला बनना उनके और उनके परिवार के लिए बेहद गर्व की बात है। क्रांति ने 37 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे भारत ने इंग्लैंड को 170 रन पर आउट कर दिया और इस तरह से पहली पारी में 115 रन की बढ़त हासिल की। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 154 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 269 रन की हो गई है। क्रांति ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा, '' यह मेरे लिए पूरी तरह से अलग अहसास है। लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला बनने पर मुझे बहुत गर्व है। यह मेरे परिवार के लिए भी गर्व की बात है। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ एक वनडे मैच में 52 रन देकर छह विकेट लिए थे। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक गेंदबाज का सपना होता है कि वह पांच विकेट हासिल करे। हम पहली बार लॉर्ड्स में खेल रहे हैं, इसलिए मैं सोच रही थी कि अगर मैं अगर मैं पांच विकेट लेने में सफल रही तो सम्मान पट्टिका पर अपना नाम दर्ज करा सकती हूं और इससे टीम की जीत में भी मदद कर सकती हूं। क्रांति ने लॉरेन बेल को आउट ने करके अपना पांचवा विकेट लिया जिनका शेफाली वर्मा ने शानदार कैच लिया था। क्रांति ने कहा, ''जो भी होता है अच्छे के लिए होता है। आज मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं पांच विकेट ले लूंगी। स्नेह राणा (पहली स्लिप पर) ने कैच लेने के लिए वास्तव में अच्छा प्रयास किया था। जब वह उसे नहीं पकड़ पाई तो शेफाली ने उसे लपक लिया। मैं अपने पांच विकेट पूरे होने का जश्न मनाने वाली थी, लेकिन मेरे साथियों ने मुझे रिप्ले और फैसले का इंतजार करने को कहा।

आईपीएल के आधार पर टीम का चयन नहीं करें: मांजरेकर

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने ब्रिटेन के दौरे में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मिली हार के लिए खिलाड़ियों को दोष देने के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से जुड़ी समस्याओं को दूर करने का आग्रह किया और कहा कि टीम का चयन आईपीएल के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। मौजूदा चैंपियन भारत के लिए यह दौरा निराशाजनक रहा। आयरलैंड से 0-2 से हारने के बाद उसे पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड के हाथों 0-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा। मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, ''विदेशी धरती पर मिली इस पराजय के लिए खिलाड़ियों को आसानी से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है लेकिन मुझे लगता है कि उन लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए जिन्होंने आईपीएल को बल्लेबाजों के लिए अनुकूल बना दिया है जिससे भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है। उन्होंने कहा, ''चयनकर्ताओं के लिए चुनौती यह है कि वे आईपीएल के प्रदर्शन की दबाव में आए बिना ऐसे बल्लेबाजों का चयन करें जो विदेशों में अच्छा खेल सकते हैं। उन्हें ऐसे बल्लेबाजों की पहचान करके उन्हें ही भारत के लिए चुना चाहिए। भारत को अब टी20 क्रिकेट में अपने अधिकतर मैच विदेशों में खेलने हैं। अब घरेलू क्रिकेट का मजा खत्म हो चुका है। आईपीएल की अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती रही है कि उसमें बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिचें तैयार की जाती हैं जिससे 'पावर-हिटिंग' को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा आईपीएल में बाउंड्री भी छोटी होती हैं। 'इंपैक्ट प्लेयर' के नियम ने भी खेल को बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल बना दिया है।

परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में नाकामी का खामियाजा भुगता: अय्यर

एजेंसी

साउथम्प्टन। भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि उनकी टीम ब्रिटेन की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में नाकाम रही जिसके कारण उसे आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इससे उन्हें भविष्य में बेहतर कप्तान बनने में मदद मिलेगी। भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद सूर्यकुमार यादव की जगह कप्तान नियुक्त किए गए अय्यर की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम को आयरलैंड से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा और फिर वह पहले मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद इंग्लैंड से टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 0-4 से हार गई। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें मैच में हार के बाद संवाददाताओं से कहा, ''अपेक्षाओं से निपटना वास्तव में मुश्किल नहीं है। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे कप्तानी करने का मौका मिला है। प्रत्येक व्यक्ति भारतीय टीम की कप्तानी करने और शीर्ष स्तर पर जिम्मेदारी संभालने का सपना देखता है। निश्चित रूप से मुझे दबाव पसंद है। उन्होंने कहा, ''इसलिए दबाव में अच्छा प्रदर्शन करना, इन मैच से सीखना निश्चित रूप से मुझे आगे चलकर बेहतर बनाएगा। मेरी अभी की सोच यही है। मैं इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहा हूं कि लोग इस श्रृंखला के बारे में क्या सोचेंगे, क्योंकि अच्छा और बुरा इस खेल का अभिन्न अंग है। अय्यर ने कहा कि टीम के लिए सकारात्मक मानसिकता बनाए रखना जरूरी है क्योंकि यही आगे सफलता की कुंजी होगी। उन्होंने कहा, ''भविष्य में मुझे इस बात को लेकर बेहद सकारात्मक रहना होगा कि मैं विशेषकर विदेश की परिस्थितियों में अपने खिलाड़ियों के खेल में निखार लाने में कैसे मदद कर सकता हूं। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि हमें ऑस्ट्रेलिया (अगला टी20 विश्व कप) खेलना है। उससे पहले हमें कई अन्य स्थानों पर खेलना है। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम तैयार करना है जो इन परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन कर सके। भविष्य के लिए हमारी यही योजना है। भारत को शनिवार को पांचवें और अंतिम टी20 मैच में 56 रन से हार का सामना करना पड़ा और अय्यर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम इस दौरे के दौरान परिस्थितियों के अनुकूल जल्दी से ढल नहीं पाई। उन्होंने कहा, ''हम एक मैदान से दूसरे मैदान पर जाते रहे और हमें लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हम जितनी जल्दी परिस्थितियों से सामंजस्य बिठा सकते थे, वैसा करने में नाकाम रहे। यह पहली चुनौती थी। दूसरी चुनौती उनका हर विभाग में हमसे बेहतर प्रदर्शन करना रहा। इसलिए मुझे लगता है कि इन सब कारण से हमें हार मिली। लगातार छह मैचों में हार के कारण भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी नंबर एक रैंकिंग गंवा दी। अय्यर ने कहा, ''यह वास्तव में निराशाजनक है। लेकिन मुझे लगता है कि कप्तान के तौर पर यह मेरे लिए और पहली बार यहां खेल रहे खिलाड़ियों के लिए भी बेहतरीन सीख है। आपको इंग्लैंड में जीत दर्ज करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी और एकाग्रता बनाए रखनी होगी। शीर्ष रैंकिंग गंवाने पर अय्यर ने कहा, ''यह सबके लिए मायने रखता है। अगर आप नंबर एक हैं, तो मुझे लगता है कि आपने टीम के लिए और व्यक्तिगत रूप से भी कुछ बहुत अच्छा किया है। विश्व कप अभी दो साल दूर है।

विशेष निवेश कोष का एयूएम जून में 29 प्रतिशत बढ़कर 17,858 करोड़ रुपये पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। विशेष निवेश कोष (एसआईएफ) के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) जून, 2026 के अंत तक मासिक आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 17,858 करोड़ रुपये हो गईं। इसका प्रमुख कारण हाइब्रिड निवेश रणनीतियों में निवेशकों का बढ़ता रुझान रहा। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से मिली है। मई के अंत तक एसआईएफ का कुल एयूएम 13,814 करोड़ रुपये था, जो जून के अंत तक बढ़कर 17,858 करोड़ रुपये हो गया। इसी दौरान मासिक निवेश प्रवाह बढ़कर 3,782 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फरवरी, 2025 में एसआईएफ ढांचा पेश किया था। इसका उद्देश्य पारंपरिक म्यूचुअल फंड और अधिक निवेश राशि वाली पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं (पीएमएस) के बीच की दूरी को कम करना है। एसआईएफ के तहत निवेशकों को हेजिंग, डेरिवेटिव और दीर्घावधि जैसी लचीली निवेश रणनीतियों का विकल्प मिलता है। वैल्यूमेट्रिक्स म्यूचुअल फंड एंड एसआईएफ फ्लो मीटर की रिपोर्ट के अनुसार, जून के अंत तक हाइब्रिड निवेश रणनीतियों का एसआईएफ के कुल एयूएम में 72 प्रतिशत हिस्सा रहा। इस श्रेणी का एयूएम 12,822 करोड़ रुपये रहा। हाइब्रिड दीर्घावधि के कोष अकेले 11,910 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर रहे थे, जो एसआईएफ उद्योग के कुल एयूएम का 67 प्रतिशत है। वहीं, इक्विटी आधारित निवेश रणनीतियों का एयूएम 5,036 करोड़ रुपये रहा, जो कुल एयूएम का 28 प्रतिशत है। जून के दौरान हाइब्रिड दीर्घावधि के कोषों में 2,043 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मई में यह आंकड़ा 707 करोड़ रुपये था। अक्टूबर, 2024 से अबतक इस रणनीति में कुल 11,568 करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है, जो एसआईएफ में कुल निवेश प्रवाह का 66 प्रतिशत है।

अमेरिका-ईरान तनाव, महंगाई के आंकड़ों के बीच सोने-चांदी पर दबाव बने रहने की संभावना: विश्लेषक

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका-ईरान संघर्ष में ताजा तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और महंगाई के आंकड़ों पर निवेशकों की नजर के बीच अगले सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि कीमती धातुओं में फिलहाल गिरावट का रुख कायम रह सकता है। उन्होंने कहा कि महंगाई के आंकड़े वैश्विक ब्याज दरों को लेकर बाजार की उम्मीदों को प्रभावित कर सकते हैं। पश्चिम एशिया में ताजा तनाव से एक बार फिर वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ गई है। ईरान ने हाल में कहा था कि उसने एक ऐसे जहाज को निशाना बनाया जो उसकी मंजूरी के बिना मार्ग से गुजर रहा था। इसके बाद उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की। इसके बाद अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान पर हमले किए, जिसके जवाब में ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात , कुवैत और बहरीन में अमेरिका से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जिंस एवं मुद्रा शोध) प्रणव मेर ने कहा, 'सोने और चांदी में फिलहाल गिरावट और 'करेक्शन' का दौर जारी है। अब बाजार का ध्यान फिर से अमेरिका-ईरान संघर्ष पर रहेगा। यदि तनाव काफी बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतों में फिर तेजी आ सकती है और अमेरिकी डॉलर तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल जैसे सुरक्षित निवेश विकल्प मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा बाजार भारत, यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका के महंगाई आंकड़ों पर भी नजर रखेगा, जिससे प्रमुख वैश्विक केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति की दिशा को लेकर संकेत मिल सकेंगे। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त में आपूर्ति वाले सोने का वायदा भाव सप्ताह के दौरान 3,900 रुपये यानी 2.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.43 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं, सितंबर अनुबंध वाली चांदी 14,746 रुपये यानी 6.2 प्रतिशत टूटकर 2.22 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष और शोध विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''सोने के लिए एक और कमजोर सप्ताह रहा।

मजबूत अमेरिकी डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदों के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई, जिससे सोने में दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते पर तीसरे दौर की वार्ता पूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच प्रस्तावित वृहद आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर तीसरे दौर की वार्ता 10 जुलाई को ओटावा में पूरी हो गई है। दोनों देशों ने इस समझौते पर 2026 के भीतर बातचीत पूरी करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। माल एवं सेवाओं का व्यापार, बौद्धिक संपदा, मूल स्थान के नियम, स्वच्छता और पादप-स्वच्छता संबंधी उपाय तथा व्यापार में तकनीकी बाधाएं आदि मुद्दों पर पांच दिन तक बातचीत हुई। वाणिज्य विभाग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, ''भारत और कनाडा ने छह से 10 जुलाई, 2026 के बीच ओटावा में भारत-कनाडा सीईपीए के लिए बातचीत का तीसरा चरण पूरा कर लिया है। वार्ता के कई स्तरों पर सकारात्मक प्रगति हुई है, जिससे दोनों देशों के नेताओं ने अपने साझा दृष्टिकोण के मुताबिक 2026 में बातचीत पूरी करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। यह वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि भारत और कनाडा ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 8.22 प्रतिशत घटकर 7.95 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 8.66 अरब अमेरिकी डॉलर था। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कनाडा को निर्यात 4.67 अरब डॉलर जबकि आयात 3.28 अरब डॉलर रहा था। भारत से कनाडा को होने वाले प्रमुख निर्यात में दवाइयां, लौह एवं इस्पात, समुद्री उत्पाद, सूती परिधान, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रसायन शामिल हैं। वहीं, कनाडा से भारत मुख्य रूप से दालें, मोती एवं अर्द्ध-कीमती पत्थर, कोयला, उर्वरक, कागज और कच्चे पेट्रोलियम का आयात करता है।

कंपनियों के तिमाही परिणामों से तय होगी बाजार की दिशा

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही परिणामों पर रहेगी। अगले सप्ताह कई दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भेल, टेक महिंद्रा, विप्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के पहली तिमाही के परिणाम 13 जुलाई से 18 जुलाई के बीच जारी किये जायेंगे। इन कंपनियों के परिणामों का सीधा असर उनके शेयरों और पूरे बाजार पर दिखेगा।

वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया संकट की स्थिति पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। साथ ही कच्चे तेल में जारी उतार-चढ़ाव का असर भी बाजार पर दिखेगा। गत सप्ताह प्रमुख सूचकांक मंगलवार और बुधवार को लाल निशान में रहे, विशेषकर बुधवार को दो प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट रही। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 194.52 अंक (0.25 प्रतिशत) गिरकर शुक्रवार को 77,569.39 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 63.95 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट में 24,206.90 अंक पर रहा। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.55 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.26 प्रतिशत मजबूत हुआ। बीते

शेयर समीक्षा

सप्ताह सेंसेक्स की 30 कंपनियों में 19 में साप्ताहिक गिरावट देखी गयी। ट्रेंट का शेयर 13.11 प्रतिशत लुढ़क गया। कोटक महिंद्रा बैंक का 4.76 प्रतिशत, मारुति सुजुकी का 3.52, एनटीपीसी का 3.31, आईटीसी का 2.78, अडानी पोर्ट्स का 2.47, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.34, एशियन पेंट्स का 2.24 और इंडिगो का 2.11 प्रतिशत फिसल गया। एलएंडटी में 1.99 प्रतिशत, पावरग्रिड में 1.65, एक्सिस बैंक में 1.40, बजाज फाइनेंस में 1.21 और टीसीएस में 1.13 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट रही। बीईएल का शेयर 0.74 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक का 0.63 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक का 0.63, भारतीय स्टेट बैंक का 0.36, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 0.28 और अल्ट्राटेक सीमेंट का 0.07 फीसदी टूट गया। टेक महिंद्रा में सबसे अधिक 3.19 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी देखी गयी। इटरनल का शेयर 2.93 फीसदी, एचडीएफसी बैंक का 2.90, टाइटन का 2.82, इंफोसिस का 2.01, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 2.00, सन फार्मा का 1.61 और बजाज फिनसर्व का 1.04 प्रतिशत की बढ़त में रहा। टाटा स्टील का शेयर 0.68 फीसदी, भारती एयरटेल का 0.58 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 0.35 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार का बाजार पूंजीकरण 92,995 करोड़ रुपये बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 92,995.48 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 194.52 अंक यानी 0.25 प्रतिशत और एनएसई का निफ्टी 63.95 अंक यानी 0.26 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि दर्ज की गई। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 49,294.13 करोड़ रुपये की गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 35,808.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,69,454.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 34,896.92 करोड़ रुपये बढ़कर 11,98,774.22 करोड़ रुपये हो गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 16,065.50 करोड़ रुपये बढ़कर 5,60,205.05 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 6,224.97 करोड़ रुपये बढ़कर 17,71,206.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया । इसके विपरीत, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 12,088.65 करोड़ रुपये घटकर 5,04,997.65 करोड़ रुपये रह गया। एलएंडटी का मूल्यांकन 11,040 .23 करोड़ रुपये घटकर 5,42,938.40 करोड़ रुपये पर आ गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 8,574.87 करोड़ रुपये घटकर 7,48,600.40 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस का 7,813.58 करोड़ रुपये घटकर 6,35,327.78 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का 6,315.32 करोड़ रुपये घटकर 10,05,379.71 करोड़ रुपये और एसबीआई का 3,461.48 करोड़ रुपये घटकर 9,56,430.44 करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलआईसी, एलएंडटी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

हिंद-प्रशांत और हिंद महासागर में स्थिरता की नई धुरी बना भारत : भाजपा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि भारत हिंद-प्रशांत और हिंद महासागर में स्थिरता लाने वाली ताकत के तौर पर उभरा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे आगे बढ़ा रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने श्री मोदी के दौरे को '10 कदम, 10 का दम' नाम दिया और कहा कि प्रधानमंत्री तीन देशों इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर गये थे। इससे पहले वह सेशेल्स भी गये थे और बीच में जापान की राष्ट्राध्यक्ष भारतवर्ष आई थीं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी यात्रा के दौरान कई समझौते हुए जिनमें हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत रणनीतिक गठबंधन, रक्षा और समुद्री सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और शैक्षिक साझेदारी, खेल और लोगों के बीच आपसी संबंध को मजबूत करने जैसे समझौते शामिल हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री के प्रति विशेष सम्मान और शिष्टाचार, सभ्यतागत और सांस्कृतिक साझेदारी और आर्थिक तथा निवेश के नतीजों को लेकर बातचीत हुई।

उन्होंने कहा कि आज भारत हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत रणनीतिक गठबंधन में स्थिरता लाने वाली एक ताकत बन गया है। कितने देशों में राष्ट्राध्यक्ष बदले, सभी देशों की नीतियों में कितना बदलाव आया, कितनी उथल-पुथल हुई, लेकिन भारत ने दुनिया को स्थिरता दिखायी है। उन्होंने कहा कि इस तरह भारत हिंद-प्रशांत और हिंद महासागर में स्थिरता लाने वाली ताकत के तौर पर उभरा है और श्री मोदी इसी को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री मोदी के दौरे के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए गये हैं। उन्होंने बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के युद्धपोतों की सर्विसिंग एक-दूसरे के डॉकयार्ड में की जाएगी। अगर युद्धपोतों की मरम्मत की ज़रूरत पड़ती है, तो भारतीय जहाज़ ऑस्ट्रेलिया में डॉक कर मरम्मत करवा सकेंगे। यह समुद्री सहयोग की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है। भाजपा प्रवक्ता ने बताया कि भारत और न्यूज़ीलैंड मिलकर 'रोडमैप 2030' तैयार करेंगे, इस पर सममति बनी है। इसमें रक्षा, व्यापार, तकनीक और शिक्षा शामिल होंगे। न्यूज़ीलैंड के साथ सबसे बड़ी रणनीतिक उपलब्धि 'मुक्त व्यापार समझौता' रही। यह समझौता कई सालों से नहीं हो पाया था, जो अब हो गया है। साथ ही, यह भी तय किया गया कि इसे जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के दौरे के दौरान भारतीय नौसेना और न्यूज़ीलैंड रक्षा बलों के बीच एक समझौता हुआ है। वे मिलकर काम करेंगे और समुद्री सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गये हैं। इस दौरान उन्होंने एक तस्वीर दिखाते हुए कहा, ''मैं आपको इस मैप पर दिखाना चाहता हूँ कि जब प्रधानमंत्री इंडोनेशिया गए थे, तो वहाँ के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो ने सबांग बंदरगाह के एकीकृत विकास में बहुत दिलचस्पी दिखायी थी। मैंने कहा था कि इस इलाके में इसका रणनीतिक और सामरिक महत्व है। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा, ''कुछ दिन पहले आपने देखा होगा कि कैसे श्री गांधी चीनी एजेंट बनकर अंडमान-निकोबार पहुँचे और भारत के खिलाफ बयान दिये... सबांग बंदरगाह यहीं बनाया जाएगा। जब यहाँ सबांग बंदरगाह बन जाएगा, तो मलक्का जलडमरूमध्य (जो एक बहुत ताकतवर जलडमरूमध्य है और समुद्री जहाजों के लिए बहुत व्यस्त रास्ता है) मलक्का जलडमरूमध्य भी एक बहुत व्यस्त समुद्री राजमार्ग बन जाएगा। यहाँ से बहुत ज़्यादा व्यापार होगा। सिर्फ़ व्यापार ही नहीं, बल्कि सुरक्षा के नज़रिए से भी यह बहुत महत्वपूर्ण है।''

अमित शाह ने पौधारोपण अभियान शुरू किया, 101 ऑक्सीजन पार्कों का उद्घाटन

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद नगर निगम के 50 लाख पेड़ लगाने का अभियान के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की और गुजरात के अहमदाबाद में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''एक पेड़ मां के नाम'' पहल से प्रेरित वृक्षारोपण अभियान अब पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास पर केंद्रित एक राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' के आह्वान ने तेज़ी से एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया है और पूरा देश उनके 'पीपल, प्लैनेट विद प्रोग्रेस' (लोग, धरती एवं प्रगति) के मंत्र को अपना रहा है।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रविवार को अकेले गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में नागरिकों ने एक करोड़ से ज़्यादा पेड़ लगाए जबकि अहमदाबाद शहर में बड़े पैमाने पर चलाए गए वृक्षारोपण अभियान के तहत लगभग 50 लाख पेड़ लगाए गए। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद हरा-भरा माहौल बनाना, साफ़ हवा और शुद्ध पानी सुनिश्चित करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अच्छी क्वालिटी वाला और रहने लायक ग्रह बचाए रखना है। श्री शाह ने कहा कि 1.25 करोड़ पेड़ लगाने का अभियान अब सिर्फ़ एक नारा नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन बन गया है। पर्यावरण संरक्षण में सुरक्षा बलों के योगदान पर ज़ोर देते हुए श्री शाह ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल ने पिछले सात सालों में पूरे देश में सात करोड़ से ज़्यादा पेड़ लगाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे अभियानों के तहत लगाए गए पेड़ भारत के पर्यावरण के अनुकूल स्थानीय प्रजातियों के होते हैं और इनमें से कई पेड़ों की उम्र 100 साल से ज़्यादा होती है।

श्री शाह ने कहा कि साणंद, गांधीनगर, कलोल और अहमदाबाद शहर में किए गए वृक्षारोपण के प्रयासों से गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में हरियाली में कुल मिलाकर 11.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसे 2029 तक 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा, ''गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में 20 प्रतिशत ग्रीन कवर हासिल करना एक सामूहिक ज़िम्मेदारी है,'' और नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। जन-भागीदारी के महत्व पर बल देते हुए श्री शाह ने कहा कि नागरिकों की भागीदारी के बिना कोई भी पर्यावरण अभियान सफल नहीं हो सकता। हरियाली अभियान के अंतर्गत अहमदाबाद नगर निगम ने एक ही दिन में 101 ऑक्सीजन पार्क का उद्घाटन किया। श्री शाह ने कहा कि गांधीनगर में पहले 12 ऑक्सीजन पार्क थे जबकि रविवार को 61 नए ऑक्सीजन पार्क का उद्घाटन किया गया, जिससे गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में ऐसे ग्रीन स्पेस की कुल संख्या 73 हो गई है।

नागपुर में आधुनिक सब्जी मंडी तथा स्पोर्ट्स क्लब का होगा निर्माण : नितिन गडकरी

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को नागपुर में कहा कि पारडी क्षेत्र में निर्माणाधीन फ्लाईओवर के साथ-साथ स्थानीय व्यापारियों के लिए आधुनिक सब्जी मंडी तथा स्पोट्र्स क्लब का भी निर्माण किया जाएगा। इस 150 करोड़ रुपये की परियोजना में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से 40 करोड़ रुपये का योगदान दिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में नागपुर के वर्धमाननगर रेलवे क्रॉसिंग पर चार लेन वाले रोड ओवरब्रिज तथा राज्य में 484 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 9 महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाओं का लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गडकरी ने कहा कि उन्होंने कहा कि पूर्व नागपुर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर शैक्षणिक सुविधाओं का विकास हुआ है तथा कचरे से सीएनजी उत्पादन की परियोजना भी प्रारंभ हो रही है। महारेल द्वारा अनेक आधारभूत संरचना परियोजनाएँ तेज़ी से पूरी की जा रही हैं और मेट्रो परियोजना से नागपुर की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य के नागरिकों को सुरक्षित, आधुनिक, कार्यक्षम एवं प्रौद्योगिकी आधारित परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा रेलवे फाटकों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से अगले तीन वर्षों में राज्यभर में 145 रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी और महाराष्ट्र को रेलवे फाटक मुक्त बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि रेलवे फाटकों पर होने वाली दुर्घटनाओं में प्रतिवर्ष लगभग 21 हजार लोगों की मृत्यु होती है। इसी कारण राज्य सरकार ने रेलवे फाटक मुक्त महाराष्ट्र बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य में कुल 524 रेलवे फाटक हैं। इनमें से 10 हजार से अधिक वाहन आवागमन वाले फाटकों सहित अन्य स्थानों पर कुल 145 रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इन सभी परियोजनाओं को अगले तीन वर्षों में महारेल द्वारा पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर आधारभूत सुविधाओं का विकास होने से औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिला है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध हुई हैं, जिससे रोजगार के अवसर बढ़े हैं और सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति मिली है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भगवान संभवनाथ चौक से डिप्टी सिग्नल मार्ग तक के रेलवे ओवरब्रिज का नाम पूर्व महापौर बाहरीनबाई सोनबोईर के नाम पर रखा जाएगा।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में नागपुर घोषणापत्र अपनाया गया, परिवहन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत यहां आयोजित तीसरी ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक में सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से मंत्रीस्तरीय घोषणापत्र (मिनिस्टीरियल डिक्लेरेशन) को अपनाया। घोषणापत्र में बुनियादी ढांचे में परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलैरिटी), सतत विमानन ईंधन (एसएएफ), परिवहन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कमी, शहरी गतिशीलता केंद्र, लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला सहयोग तथा ब्रिक्स रेलवे अनुसंधान नेटवर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग का खाका तैयार किया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बैठक की सफलता पर सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी देशों के सहयोग और सहमति से यह महत्वपूर्ण घोषणापत्र अपनाया जा सका। उन्होंने कहा कि यह ब्रिक्स देशों के बीच परिवहन क्षेत्र में सहयोग को नई मजबूती देगा। बैठक से पहले 09 और 10 जुलाई को ब्रिक्स परिवहन कार्य समूह (टीडब्ल्यूजी) के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंत्रीस्तरीय घोषणापत्र और विभिन्न प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया गया। भारत ने सभी ब्रिक्स सदस्य देशों की रचनात्मक भागीदारी और सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इन पहलों को अगली ब्रिक्स अध्यक्षता तक सुचारु रूप से आगे बढ़ाने के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है। चार दिवसीय कार्यक्रम में ब्रिक्स देशों के परिवहन मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हुए। इस दौरान द्विपक्षीय बैठकों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से सदस्य देशों के बीच आपसी समझ, जन-से-जन संपर्क और संस्थागत सहयोग को बढ़ावा मिला।

पेज एक का शेष

धरती की सेहत...

एक्सप्रेसवे, हाईवे के साथ बड़े पैमाने पर सड़कों का जाल बिछा है। नए-नए उद्योग लगे हैं। शहरीकरण का दायरा बढ़ा है और नई-नई कॉलोनियां विकसित हुई हैं। भौतिक विकास में तेज योगदान देने वाले इस राज्य ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्पित प्रयासों से वनाच्छादन के विस्तार में भी सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती पर जब एक पेड़ उगता है तो वह सैकड़ो टन कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करता है। उन्होंने बताया कि विगत नौ वर्षों में यूपी का वनाच्छादन बढ़ने से 6 करोड़ 37 लाख 74 हजार 130 टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषण तथा 4 करोड़ 63 लाख 90 हजार 130 टन ऑक्सीजन उत्सर्जन हुआ। मुख्यमंत्री ने पौधरोपण महाभियान को धरती माता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का महायज्ञ बताया और इसमें हर व्यक्ति की तरफ से योगदान दिए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि धरती माता हम सबको अच्छा वातावरण देती हैं। आगे बढ़ने का अवसर, पेट भरने को अन्न, अच्छे-अच्छे फल, पीने के लिए जल देने के साथ घर की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। धरती माता के बारे में हमारे ऋषियों ने संकल्प के भाव से कहा है, ..माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्यारू.. अर्थात यह धरती हमारी माता है और हम सब इसके पुत्र हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पुत्र के रूप में धरती माता के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वहन करने के लिए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' का आह्वान किया है। यह आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुंदर बनाने का राष्ट्रीय कर्तव्य है। श्री योगी ने पौधरोपण के थीम 'एक पेड़ मां के नाम' को बहुत सुंदर बताते हुए कहा कि मां हर व्यक्ति, हर जीव के लिए दुनिया की सबसे सुंदर उपहार होती है। उन्होंने कहा कि हम खुद के स्वास्थ्य की चिंता करते हैं मगर सबकुछ देने वाली धरती माता के स्वास्थ्य की परवाह नहीं करते हैं। खुद की आरोग्यता के लिए हम सभी को धरती माता की आरोग्यता का ध्यान रखना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनंतकाल तक जीवसृष्टि बनी रहे, इसके लिए पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है। इसी के दृष्टिगत पौधरोपण महाभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर इस वर्ष पांच करोड़ पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि गत वर्ष 35 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए। नौ वर्ष में अब तक प्रदेश में 242 करोड़ पौधरोपण किया जा चुका। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण पर मंडरा रहे संकट का प्रभाव मौसम चक्र पर भी पड़ा है। हाल के दिनों में जो बारिश शुरू हुई है, उसे 15 जून से प्रारंभ हो जाना चाहिए था। बारिश करीब महीने भर लेट है। जो बीज 15 जून तक लग जाना चाहिए था यदि उसे 15 जुलाई को लगाएंगे तो उत्पादन में 25 से 30 प्रतिशत तक अंतर पड़ता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण असंतुलन से कभी गर्मी चरम पर पड़ रही है तो कभी सर्दी। दुनिया के अंदर लगातार ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी दी जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले समय में समुद्र के किनारे बहुत सारे शहर डूबने की स्थिति में होंगे तो कहीं जल का भीषण संकट भी हो जाएगा। योगी ने कहा कि सर्दियों के मौसम में बहुत सारे शहर ऐसे हैं जहां गैस चौंबर जैसी स्थिति बन जाती है। वहां अलर्ट जारी करना पड़ता है कि बुजुर्ग, बीमार और बच्चे घर से बाहर न निकलें, जरूरी हो तो मास्क लगाकर निकलें। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि आखिर यह भैया वह स्थिति पैदा ही क्यों हुई? इसका जवाब भी उन्होंने खुद ही देते हुए कहा, 'प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया गया। अंधाधुंध पेड़ काटे गए। जल का दोहन किया गया लेकिन जल संरक्षण के लिए कोई प्रयास नहीं हुआ। तालाबों पर अवैध कब्जे हो गए। अपने स्वार्थ के लिए लोगों ने प्रकृति के साथ जो खिलवाड़ किया है, आज उसकी कीमत विश्व मानवता को चुकानी पड़ रही है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में जब डबल इंजन की भाजपा सरकार प्रदेश में बनी तब हैलोजन लाइटों को हटाकर उसकी जगह पर्यावरण अनुकूल एलईडी स्ट्रीट लाइट लगवाने का अभियान शुरू किया गया। प्रदेश में 16 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाई गई, इससे प्रदेश सरकार को 100 करोड रुपये की बचत भी हुई। साथ ही हैलोजन जलने के दौरान उसमें मरने वाले कीड़े-मकोड़े के भयंकर बदबू से भी मुक्ति मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। बताया कि पीएम सूर्य घर बिजली योजना, लोगों के बिजली बिल को आधा कर दे रही है। उन्होंने कहा कि ग्रीन एनर्जी का नया स्रोत लोगों को उपलब्ध कराया गया है। श्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन से देश के अंदर 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त में एलपीजी कनेक्शन बांटे गए हैं जो पहले कांग्रेस की सरकार में ब्लैक होते थे। देश में 10 करोड़ परिवारों में माताओं, बहनों को रसोई के धुएं से मुक्ति मिली है। अकेले उत्तर प्रदेश में 2 करोड़ परिवारों को यह लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटरनेशनल सोलर अलायंस के अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया को भी इसके बारे में आह्वान किया है। योगी ने बताया कि अयोध्या धाम प्रदेश की पहली सोलर सिटी बनी है। वहां जितनी भी स्ट्रीट लाइट जलती है, उसमें सोलर एनर्जी का इस्तेमाल किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें न सिर्फ पौधे लगाने हैं बल्कि उनका रखरखाव और देखभाल भी करना है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने अपने खेत में पेड़ लगाए हैं उन्हें कार्बन क्रेडिट फाइनेंस स्कीम के अंतर्गत पैसा भी प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने हर व्यक्ति से 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान किया। उन्होंने अपील की कि अपने परिवार के सदस्यों की स्मृति में, परिवार के सदस्यों के नाम से और पूर्वजों की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए इस अभियान का हिस्सा बनें। पौधरोपण महायज्ञ 2026 के अवसर पर आयोजित जनसभा के मंच से मुख्यमंत्री योगी ने 'उत्तर प्रदेश के नौ वर्ष की हरित गाथा' लघु फिल्म और 'वानिकी कैलेंडर' का विमोचन किया। लघु फिल्म में यूपी में पिछले नौ सालों में पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों और हासिल उपलब्धियों को दर्शाया गया है जबकि वानिकी कैलेंडर में वर्ष 2026-27 के लिए वन विभाग की कार्ययोजना का उल्लेख है। पौधरोपण महायज्ञ कार्यक्रम के दौरान योगी ने पौधों का वितरण किया। साथ ही उन्होंने कार्बन क्रेडिट फाइनेंस योजना के अंतर्गत खेत के किनारे अधिक पौधरोपण करने वाले किसानों को प्रमाण पत्र भी सौंपे। उन्होंने मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना की लाभार्थी गीता देवी, मधुरा, इशरावती, शीला, कालिंदी को घर के सामने लगाने के लिए सहजन का पौधा भेंट किया जबकि, कार्बन क्रेडिट योजना के तहत 700 से अधिक पौधरोपण करने वाले नरपति (कैम्पियरगंज गोरखपुर), 650 से अधिक पौधरोपण करने वाले अशफाक खान (देसही देवरिया), 800 पौधों का रोपण करने वाली रंजना देवी (हाटा कुशीनगर) और 850 पौधे लगाने के लिए अरविंद कुमार (पडरौना कुशीनगर) को मुख्यमंत्री के हाथों कार्बन क्रेडिट के लिए मिलने वाली रकम का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। पौधरोपण महायज्ञ के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि योगी के मार्गदर्शन में यूपी में ग्रीनरी बढ़ी है। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया देहरादून की रिपोर्ट के अनुसार देश में ग्रीनरी वृद्धि के मामले में उत्तर प्रदेश प्रगति करते हुए अब दूसरे स्थान तक पहुंच चुका है। वन मंत्री ने कहा कि आज के पौधरोपण के पूर्ण होते ही यूपी में पिछले दस साल पौधरोपण की कुल संख्या 275 करोड़ हो जाएगी। इस बार के पौधरोपण महाभियान में तीस प्रतिशत फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने सभी का आह्वान किया अपने घर पर मां के साथ मिलकर या मां की स्मृति एक पौधा जरूर लगाएं। वन मंत्री ने बताया कि गोरखपुर में मुख्यमंत्री द्वारा घोषित वानिकी विश्वविद्यालय के निर्माण की शुरुआत जल्द ही की जाएगी। पौधरोपण महायज्ञ के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी पर्यावरण संरक्षण को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। वह सदैव लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करते रहते हैं। इसी विजन के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री ने एक दिन में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा है। सांसद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में यूपी का इतना विराट विकास हुआ है जितना कोई सोच भी नहीं सकता। इस अवसर पर सहजनवा के विधायक प्रदीप शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में सहजनवा विधानसभा का अभूतपूर्व विकास हो रहा है। उन्होंने नौ वर्षों में जितना विकास किया, वह सौ वर्षों में भी नहीं हो पाता। प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील कुमार चौधरी ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया।इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री संजय निषाद, राज्यसभा सदस्य संगीता यादव, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, महेंद्रपाल सिंह, सरवन निषाद, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, पौधरोपण महायज्ञ के लिए गोरखपुर के नोडल अधिकारी सुहास एलवाई, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, ब्लॉक प्रमुख दिलीप यादव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

'जेल जाने पर...

होनी चाहिए। समिति ने कहा कि प्रस्तावित कानून में एक अलग अनुसूची होनी चाहिए जिसमें पांच साल या उससे अधिक की सजा वाले अपराध शामिल हों, ताकि उन अपराधों की साफ पहचान हो सके, जिनके कारण निलंबन हो सकता है। यह विधेयक यह सुनिश्चित करने के मकसद से पेश किया गया था कि सरकारें जेल से न चलाई जाएं। अगर सिफारिशें मान ली जाती हैं, तो गृह मंत्रालय प्रस्तावित संशोधनों के साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास जाएगा और बाद में लोकसभा में आधिकारिक तौर पर संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा।

राम मंदिर श्रद्धालुओं...

1800 करोड़ रुपये के बीच रहने का अनुमान जताया गया। श्रद्धालुओं की संख्या कम होने की चर्चाओं को नकारते हुए नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि मंदिर में दर्शनार्थियों की कोई कमी नहीं है और लोग आस्था के साथ दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं से लगातार संवाद में उन्हें किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिली है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने कहा कि 22 जुलाई को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की बैठक प्रस्तावित है। सीईओ की नियुक्ति, समितियों व उप समितियों के भविष्य जैसे विषयों पर अंतिम निर्णय ट्रस्ट ही करेगा। श्री मिश्र ने स्पष्ट किया कि राम मंदिर ट्रस्ट के पदेन सदस्यों को मतदान (वोटिंग) का अधिकार नहीं होता तथा यदि सीईओ की नियुक्ति होती है तो वह अपना स्टाफ ट्रस्ट की निगरानी में नियुक्त करेगा।

केंद्र सरकार ने ...

नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इससे पहले राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सात सांसद भाजपा में शामिल हो चुके थे। सूत्रों के अनुसार, सत्र के दौरान विपक्ष मुख्य रूप से नीट पेपर लीक मामले और 'ऑपरेशन सिंदूर' में जवानों के बलिदान के मुद्दों को उठा सकता है। कांग्रेस ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस भी दिया है। इसके अलावा प्रस्तावित 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर भी हंगामेदार बहस होने के आसार हैं।

न्यायालय की भव्यता...

अधिक मामलों की सुनवाई संभव होगी और विशेष रूप से वाणिज्यिक विवादों तथा परक्राम्य लिखत अधिनियम (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) से जुड़े मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता सदैव ऐसी न्याय व्यवस्था का निर्माण होनी चाहिए जो दक्ष भी हो और निष्पक्ष भी। न्याय में गति आवश्यक है, परन्तु वह कभी भी संवैधानिक मूल्यों की कीमत पर प्राप्त नहीं की जा सकती। इस परिसर में आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा सुव्यवस्थित ज्यूडिशियल मालखाना जैसी सुविधाएँ भी विकसित की गई हैं। इस परियोजना की एक अन्य महत्त्वपूर्ण विशेषता प्रस्तावित इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर है जो उच्च न्यायालय के संरक्षण में संचालित होगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसी न्यायपालिका का निर्माण है जो आधुनिक हो, किन्तु मानवीय भी हो, तकनीकी रूप से उन्नत हो, किन्तु संविधान के मूल्यों में दृढ़ता से निहित भी और प्रत्येक वाद के पीछे छिपे मानवीय जीवन को समझने वाली संवेदनशील संस्था भी बनी रहे। उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य मामलों का शीघ्र निस्तारण करना तो है ही उसके साथ, हमारा प्रयास यह भी होना चाहिए कि कोई भी नागरिक आर्थिक, सामाजिक अथवा प्रक्रियागत कठिनाइयों के कारण स्वयं को न्याय से वंचित न महसूस करे। उन्होंने कहा कि टावर ऑफ जस्टिस केवल एक भव्य इमारत न रहे, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए निष्पक्ष, प्रभावी और संवेदनशील न्याय का प्रतीक बनेगा। जस्टिस सूर्यकांत व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य गणमान्य ने टॉवर ऑफ जस्टिस निर्माण में अपना योगदान देने वाले श्रमिकों को स्मृति चिह्न भेंटकर उनका सम्मान किया। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आज का अवसर मेरे लिए विशेष है। जनवरी 2017 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रहते हुए मुझे इस न्यायिक परिसर का भूमि-पूजन करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम कभी मुख्यतः कृषि के लिए जाना जाता था, वह आज उद्योग, नवाचार और निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। आज गुरुग्राम की अदालतों में 24,000 से अधिक सिविल डिस्प्यूट, लगभग 1,000 कमर्शियल डिस्प्यूट तथा नेगोशियबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के एक लाख से अधिक मामले लंबित हैं। ये आँकड़े न्याय व्यवस्था पर बढ़ते दायित्व का संकेत हैं। ऐसे समय में यह टॉवर ऑफ जस्टिस केवल एक आधुनिक भवन नहीं है, बल्कि न्याय तक पहुँच को और अधिक प्रभावी बनाने का माध्यम है।

अमेरिका ने ईरान के...

खारिज करते हुए कहा कि संबंधित जहाज जलडमरूमध्य में अनधिकृत मार्ग का इस्तेमाल कर रहा था। आईआरजीसी ने कहा कि उसने चेतावनी स्वरूप गोली चलाई, जहाज को रोका और अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया। आईआरजीसी ने कहा, ''जब तक इस क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेप समाप्त नहीं होता, जलडमरूमध्य बंद रहेगा। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, अमेरिकी हमलों की आवाज दक्षिणी तटीय प्रांतों बुशहर, बंदर अब्बास और क़ेश्म द्वीप सहित कई इलाकों में सुनायी दी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने बुशहर प्रांत के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि अमेरिकी सेना ने असालूयेह, दैर, बुशहर, दश्ती और तंगेस्तान सहित पांच शहरों को निशाना बनाया। अधिकारियों ने दावा किया कि इस सप्ताह के हमलों में बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निकट स्थित नागरिक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। ईरानी मीडिया ने लोरिस्तान प्रांत के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि पश्चिमी ईरान के वेसियान शहर के बाहरी इलाके में भी अमेरिकी सेना ने दो हवाई हमले किये। इन हमलों के कुछ ही घंटे बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सहयोगी देशों के प्रतिष्ठानों पर मिसाइल एवं ड्रोन हमले किये। ईरानी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी ने कतर स्थित अल-उदीद एयर बेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके अलावा कुवैत, बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ढांचे तथा ओमान के दुक्म बंदरगाह पर अमेरिकी नौसैनिक अभियानों से जुड़े लॉजिस्टिक प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया गया। कतर ने कहा कि उसने आने वाली मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया, हालांकि इंटरसेप्शन के दौरान गिरे मलबे से एक बच्चे सहित तीन लोग घायल हो गये। कतर के गृह मंत्रालय ने कहा, ''इंटरसेप्शन अभियान के दौरान गिरे मलबे से एक बच्चे सहित तीन लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात ने भी मिसाइल और ड्रोन खतरे से निपटने के लिए कार्रवाई करने की पुष्टि की। बहरीन ने चेतावनी सायरन बजाकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया, जबकि कुवैत ने भी हवाई खतरों को निष्क्रिय करने का दावा किया। ईरान ने यह भी दावा किया कि उसने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयर बेस पर हमला कर वहां के कमांड सेंटर और ड्रोन हैंगर नष्ट कर दिये। तनाव के बीच कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली पीएम-उदय योजना के पहले चरण के लिए केंद्र से मांगी 100 करोड़ की वित्तीय सहायता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में संशोधित पीएम-उदय (प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनियों के विकास एवं उत्थान योजना) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार से प्रथम चरण में 100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मांगी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर यह वित्तीय सहायता देने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक विज्ञप्ति करते हुए कहा कि 6 अप्रैल को अधिसूचित संशोधित विनियमों के तहत अनधिकृत कॉलोनियों में निवासियों के संपत्ति अधिकारों की प्रक्रिया को नया कानूनी आधार मिला है। इसके साथ ही 'जैसी स्थिति है, उसी आधार पर' अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की व्यवस्था लागू होने से लाखों लोगों को संपत्ति अधिकार प्राप्त करने की प्रक्रिया और अधिक सरल एवं प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को पीएम-उदय योजना के क्रियान्वयन की नोडल एजेंसी बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि नई जिम्मेदारियों के तहत राजस्व विभाग को दिल्ली के सभी 13 जिलों में पीएम-उदय प्रकोष्ठ स्थापित करने होंगे, जिनका नेतृत्व एडीएम करेंगे। इसके अलावा दिल्ली की 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों में संपत्तियों का भौतिक सत्यापन, आधुनिक तकनीक के माध्यम से डिजिटल मैपिंग तथा भू-अभिलेखों को अप-टू-डेट करने का व्यापक कार्य किया जाएगा। इन सभी कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए वर्ष 2026-27 में प्रथम चरण के रूप में

100 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई है। मुख्यमंत्री ने पत्र में प्रस्तावित व्यय का विस्तृत विवरण भी दिया है। इसके अनुसार 65 करोड़ रुपये डीआरआईएसएचटीआई पहल के तहत आधुनिक भू-सर्वे एवं मैपिंग प्रणाली विकसित करने पर खर्च किए जाएंगे। इससे संपत्तियों के सत्यापन और भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण की पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सटीक और तकनीक आधारित बन सकेगी। इसके अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये से दिल्ली के 13 जिलों तथा मुख्यालय में पीएम-उदय प्रकोष्ठ स्थापित किए जाएंगे। इन प्रकोष्ठों के बिना निर्धारित 45 दिनों की समय-सीमा में संपत्ति संबंधी दस्तावेज और प्राधिकरण पत्र जारी करना संभव नहीं होगा। प्रस्तावित पैकेज में 10 करोड़ रुपये जनजागरूकता एवं प्रचार-प्रसार के लिए भी रखे गए हैं। इस राशि से रेजिडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) के साथ कार्यशालाएं, हेल्पडेस्क, मानक प्रक्रिया (एसओपी) की जानकारी, एडीएम की भूमिका, पात्रता संबंधी महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी तथा सिंगल विंडो शिविरों के माध्यम से लोगों तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में अनुरोध किया है कि शहरी विकास कोष (यूडीएफ) से प्रथम चरण के लिए 100 करोड़ रुपये के इस पैकेज को स्वीकृति प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक संस्थागत ढांचा पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है और कार्य प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में केंद्र सरकार से समय पर वित्तीय सहायता मिलने से दिल्ली के लाखों निवासियों को संपत्ति अधिकारों से जुड़े लाभ शीघ्र और सुगमता से उपलब्ध कराए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने पीएम-उदय योजना के सफल क्रियान्वयन में केंद्र सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए इस प्रस्ताव पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय और आवश्यक स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया है।

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में किया मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को नई दिल्ली में मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन किया। यह मंडपम मन्नम इंटरनेशनल सेंटर में एक स्मारक कक्ष है। कार्यक्रम का आयोजन नायर सर्विस सोसाइटी की दिल्ली शाखा की ओर से किया गया। साथ ही उन्होंने समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी मन्नथु पद्मनाभन की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में मन्नथु पद्मनाभन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने 1914 में नायर सर्विस सोसाइटी की स्थापना की थी और केरल में नायर समुदाय के उत्थान के लिए सामाजिक न्याय, शिक्षा, समानता और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और एनएसएस दिल्ली के अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने मन्नथु पद्मनाभन के सामाजिक न्याय, समानता, शिक्षा और सामुदायिक सेवा के प्रति आजीवन समर्पण को रेखांकित किया और कहा कि उनके आदर्श समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज की ओर राष्ट्र के सफर को निरंतर प्रेरित करते हैं।

लग्जरी कार चोरों के अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, 12 करोड़ों की गाड़ियां बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लग्जरी कार चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पंजाब और राजस्थान के दो रिसीवर (चोरी के वाहन खरीदने और बेचने वाले) को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट और जाली आरसी के साथ 12 हाई-एंड लग्जरी कारें बरामद की गई हैं। पुलिस के मुताबिक गिरोह दिल्ली, पंजाब और राजस्थान में सक्रिय था और चोरी की महंगी एसयूवी व लग्जरी कारों को नया रूप देकर बेचता था। क्राइम ब्रांच पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने रविवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल (एईकेसी) ने बढ़ती लग्जरी कार चोरी की घटनाओं को देखते हुए विशेष टीम गठित की थी। टीम ने चोरी के पैटर्न, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि गिरोह आधी रात के समय वारदात को अंजाम देता था और कुछ ही मिनटों में महंगी कारों का लॉक खोलकर उन्हें लेकर फरार हो जाता था। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर 7 जून को ईस्ट दिल्ली स्थित क्राउन प्लाजा होटल के पीछे एमसीडी पार्किंग से गुरविंदर सिंह बैंका को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से प्रशांत विहार से चोरी हुई हुंडई क्रेटा बरामद हुई, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी और उसके पास जाली रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी मिला। पूछताछ में गुरविंदर ने खुलासा किया कि वह चोरी की कारें पंजाब के अमृतसर और लुधियाना में बेचता था। उसने बताया कि उसे ये वाहन राजस्थान के बीकानेर निवासी दशरथ बिश्नोई उपलब्ध कराता था। इसके बाद पुलिस ने जोधपुर के ओसियां टोल प्लाजा से दशरथ बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपित चोरी की फॉर्च्यूनर, थार, क्रेटा, किआ और अन्य लग्जरी कारें महज 4 से 5 लाख रुपये में खरीदते थे। इसके बाद इंजन और चेसिस नंबर से छेड़छाड़ कर फर्जी आरसी तैयार करते और वाहनों को असली बताकर पंजाब व राजस्थान में बेच देते थे। आरोपियों ने 15 से 20 ऐसी वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार गुरविंदर पहले भी दिल्ली और पंजाब के चार मामलों में शामिल रह चुका है और रानीबाग थाने के एक मामले में घोषित भगोड़ा भी है। वहीं दशरथ वर्ष 2021 से इस अवैध कारोबार में सक्रिय था और पहली बार पुलिस के हत्थे चढ़ा है। क्राइम ब्रांच ने आरोपित की निशानदेही पर 12 लग्जरी वाहन, फर्जी नंबर प्लेट और जाली दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, दिल्ली में सक्रिय वाहन चोरों और चोरी की अन्य गाड़ियों का पता लगाने में जुटी है।

राज्यपाल कटारिया ने अमृतसर केंद्रीय जेल के कौशल विकास केंद्र में शुरू किया 'प्रोजेक्ट उड़ान'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमृतसर। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने केंद्रीय जेल में रविवार को कौशल विकास केंद्र में 'प्रोजेक्ट उड़ान' का शुभारंभ किया। यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के रीजनल फैशन टेक्स टेक फोरम तथा पंजाब स्टेट चैप्टर ने स्टूडियो बाय हिमानी अरोड़ा के सहयोग से शुरू की गई है। मुख्य अतिथि राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने अपने संबोधन में पीएचडीसीसीआई और रीजनल फैशन टेक्स एंड टेक फोरम की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और श्रम की गरिमा के माध्यम से पुनर्वास ही समावेशी समाज के निर्माण का आधार है। उन्होंने उद्योग और सरकार के बीच बेहतर सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सामाजिक

परिवर्तन के लिए स्थायी अवसर सृजित किए जा सकें। राज्यपाल ने कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन करने के साथ-साथ केंद्र को सिलाई मशीनें भी भेंट कीं तथा महिला बंदियों से संवाद कर उन्हें प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए करण गिल्होत्रा, चेयर, पंजाब स्टेट चैप्टर, पीएचडीसीसीआई ने कहा कि यह कौशल विकास केंद्र महिला बंदियों के पुनर्वास और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने योग्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पीएचडीसीसीआई का उद्देश्य महिलाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मविश्वासी एवं आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है, ताकि रिहाई के बाद वे सम्मानपूर्वक समाज में अपना जीवन पुनः स्थापित कर सकें। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव विवेक प्रताप सिंह (आईएएस), केंद्रीय जेल अमृतसर के अधीक्षक राजीव कुमार अरोड़ा, पीएचडीसीसीआई अमृतसर ज़ोन के संयोजक सीए जयदीप सिंह, सह-संयोजक निपुण अग्रवाल तथा सहायक सचिव सुमित कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 200 महिला बंदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे नए कौशल सीखने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा बेहतर भविष्य की ओर बढ़ने का सशक्त माध्यम बताया।

बार-बार कर्ज लेकर भगवंत मान सरकार ने 'खुशहाल पंजाब' को 'कंगाल पंजाब' में बदला: ढिल्लों

चंडीगढ़। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार लगातार कर्ज लेकर पंजाब को गहरे वित्तीय संकट की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों ने ''खुशहाल पंजाब'' के सपने को ''कंगाल पंजाब'' में बदल दिया है। श्री ढिल्लों ने रविवार को जारी बयान में कहा कि पंजाब सरकार के वित्त विभाग द्वारा 10 जुलाई को जारी अधिसूचना, जिसके तहत 7.55 प्रतिशत पंजाब एसजीएस-2033 बॉन्ड के पुनः निर्गम के जरिए 1,000 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने का निर्णय किया गया है। जो वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के राजस्व वृद्धि संबंधी दावों की पोल खोलता है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री चीमा अपने बयानों और प्रेस वार्ताओं में जीएसटी, वैट और आबकारी राजस्व में लगातार बढ़ोतरी का दावा करते हैं लेकिन सरकार का बार-बार बाजार से कर्ज लेना इन दावों के विपरीत तस्वीर पेश करता है।

नालंदा के बावन बूटी को पर्यटन और डिजिटल मार्केटिंग से जोड़ने की बनाई गईं रणनीति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नालंदा, बिहारशरीफ। नालंदा की जिला पदाधिकारी उदिता सिंह ने रविवार को बसवन बिगहा, बिहारशरीफ में आयोजित बावन बूटी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बुनकरों, शिल्पकारों, नाबार्ड के अधिकारियों तथा विभिन्न विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत हरित पौधा और अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। अपने संबोधन में डीएम ने कहा कि नालंदा की प्रसिद्ध बावन बूटी हस्तशिल्प कला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए प्रशासन पर्यटन स्थलों पर बिक्री एवं प्रदर्शन की स्थायी व्यवस्था विकसित करने

का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक उत्पाद के साथ उसकी निर्माण प्रक्रिया, कारीगर की जानकारी, प्रयुक्त सामग्री और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भी प्रदर्शित होनी चाहिए, ताकि खरीदार उससे भावनात्मक रूप से जुड़ सकें।

डीएम ने प्रत्येक उत्पाद पर क्यूआर कोड लगाने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे खरीदार उत्पाद से जुड़ी सभी जानकारियां आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया तथा आवश्यकता पड़ने पर प्रशासनिक एवं वित्तीय सहयोग का भरोसा दिया। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक ने बताया कि जीआई (जी आई) टैग मिलने के बाद सभी बुनकरों को उससे जोड़ा जाएगा। साथ ही ऑनलाइन बिक्री और क्षेत्र में धागा उत्पादन इकाई स्थापित करने की संभावनाओं पर भी काम किया जाएगा। कार्यक्रम में बुनकरों ने मार्केटिंग, स्थायी बाजार, प्रशिक्षण तथा सरकारी संस्थानों और पर्यटन स्थलों पर बावन बूटी उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने की मांग रखी।

बुनियादी सुविधाओं से वंचित रिफातपुर-सीमानपुर पंचायत का वंशीचक गांव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जिले के पीरपैंती प्रखंड की रिफातपुर-सीमानपुर पंचायत का वंशीचक गांव आज भी विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर है। आजादी के लगभग आठ दशक बाद भी करीब 800 की आबादी वाला यह गांव पक्की सड़क के लिए तरस रहा है। हालात ऐसे हैं कि हल्की बारिश होते ही कच्चा रास्ता कीचड़ और जलजमाव में तब्दील हो जाता है।

स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डालकर पानी और कीचड़ पार कर विद्यालय जाना पड़ता है, जबकि बीमार पड़ने पर एंबुलेंस तो दूर, चारपहिया वाहन तक गांव में नहीं पहुंच पाता। मरीजों को खटिया पर लादकर मुख्य सड़क तक ले जाना ग्रामीणों की मजबूरी बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव तक पहुंचने के लिए आज भी खेतों की पगडंडियों का सहारा लेना पड़ता है। रास्ते में दो जगह बांस की चचरी का अस्थायी पुल बना है, जो अक्सर टूट जाता है। पुल टूटने के बाद कोई सरकारी मदद नहीं मिलती, बल्कि गांव के लोग चंदा जुटाकर स्वयं उसकी मरम्मत कराते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के नाम पर वर्षों से केवल आश्वासन मिला, लेकिन जमीन पर कोई काम नहीं हुआ। बताया जाता है कि सड़क के लिए सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर मामला टाल दिया जाता है, जबकि लोग वर्षों से गैरमजरुआ भूमि से होकर आवागमन करने को विवश हैं। स्थानीय ग्रामीण विनय कुमार ने बताया कि बरसात के मौसम में गांव पूरी तरह अलग-थलग पड़ जाता है। उन्होंने कहा, ''अगर कोई मरीज इलाज के लिए भागलपुर जाता है और देर रात लौटता है, तो कई बार घर आने की हिम्मत नहीं जुटा पाता। रास्ते की बदहाली और अंधेरे के कारण लोग रेलवे स्टेशन या रिश्तेदारों के यहां रात गुजारने को मजबूर हो जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

ग्रामीण रेनू देवी, पंकज यादव, मनोज कुमार सिंह, अजय कुमार सिंह, ललिता देवी, सुलेखा देवी, सोनू सिंह समेत दर्जनों लोगों ने कहा कि सड़क नहीं होने का असर गांव के सामाजिक जीवन पर भी पड़ रहा है। उनका कहना है कि खराब रास्ते की वजह से लोग इस गांव में रिश्तेदारी करने से कतराते हैं। कई बार शादी-विवाह के रिश्ते केवल इसलिए टूट जाते हैं क्योंकि गांव तक पहुंचने का रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में गांव मानो टापू बन जाता है और बच्चों की पढ़ाई, मरीजों का इलाज तथा रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित होती है।

बारिश से किसानों की उम्मीदें जगीं, बिचड़ा डालने की तैयारी में जुटे किसान

भागलपुर। बीते दो दिनों की बारिश ने किसानों के मुरझाए चेहरे पर खुशी व दी है। किसानों ने पानी की कमी के कारण अब तक धान का बिचड़ा नहीं डाला था, वे अब अपने खेतों बिचड़ा डालने का काम शुरू कर चुके हैं। वहीं वैसे किसान जिन्हें पानी की सुविधा है, वो अब धान की बुआई में जुट गए हैं। मौसम विभाग ने भी आगामी 15 जुलाई तक जिले में अच्छी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। जिससे आने वाले दिनों में कृषि कार्यों को और अधिक गति मिलने की उम्मीद है।

रविवार को भी सुबह हल्की बारिश हुई है। मौसम के अनुसार अभी बारिश की संभावना बनी हुई है। वहीं शनिवार की सुबह से जिले के विभिन्न इलाकों में रुक-रुक कर हो रही रिमझिम बारिश ने न सिर्फ तापमान में गिरावट दर्ज की है, बल्कि कृषि कार्य के लिए माहौल को बेहद अनुकूल बना दिया है। किसान अब बिना समय गंवाए धान की बुआई और बिचड़ा तैयार करने में जुट गए हैं।

भविष्य के युद्धों में तकनीक और संयुक्त सैन्य क्षमता होगी निर्णायक : जनरल अनिल चौहान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) ने कहा कि भविष्य के युद्धों में तकनीक, संयुक्त सैन्य क्षमता और बहु-आयामी रणनीति निर्णायक भूमिका निभाएगी। बदलते युद्ध स्वरूप के अनुरूप सशस्त्र बलों को लगातार तैयार करना और नई तकनीकों को अपनाना समय की आवश्यकता है।

रविवार को सैनिक संस्थान गढ़ी कैंट में ऑल इंडिया गोरखा एक्स सर्विसमैन वेलफ़ेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित सम्मान एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए अनिल चौहान ने कहा कि वह 47 वर्ष की सैन्य सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। उनका सीडीएस के रूप में कार्यकाल अत्यंत चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि सैनिक हमेशा युद्ध नहीं

लड़ता, बल्कि अधिकांश समय युद्ध की तैयारी, रणनीति निर्माण और विभिन्न विकल्पों के साथ समन्वय की तैयारी में लगा रहता है। उन्होंने कहा कि युद्ध में जीत ही लक्ष्य होती है और पराजय कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि मई 2025 में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष में भारत की सफलता एक बड़ी उपलब्धि रही। ऑपरेशन सिंदूर संयुक्त सैन्य संचालन, एकीकरण और समन्वित रणनीति का उदाहरण था, जिसकी तैयारी तीन वर्ष पहले से की गई थी। युद्ध में जल, थल और वायु सेनाओं के साथ-साथ अंतरिक्ष (स्पेस) और साइबर क्षेत्र की क्षमताओं का भी प्रभावी उपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता भारतीय सशस्त्र बलों के लिए संतोषजनक रही। जनरल चौहान ने कहा कि भविष्य के युद्धों में नई तकनीकों को अपनाना अनिवार्य होगा। प्रत्येक युद्ध अलग होता है और उसके अनुरूप नई रणनीति विकसित करनी पड़ती है। सेना को निरंतर नई तकनीक सीखने और स्वयं को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ढालने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है और सैन्य व्यवस्था भी इससे अछूती नहीं रह सकती।

देशवासियों का सशस्त्र बलों के प्रति विश्वास और स्नेह उनकी सबसे बड़ी धरोहर है। यह सम्मान किसी व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि संस्था के प्रति होता है। इसलिए प्रत्येक सैनिक को अपने कर्तव्य, अनुशासन, ईमानदारी और निष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सामरिक सोच (स्ट्रैटेजिक थिंकिंग) को बढ़ावा देने की आवश्यकता है और इसकी आवाज उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों से भी उठनी चाहिए।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय   कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान   स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063